मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	30.6	20.6
जमशेदपुर	32.1	20.8
डालटनगंज	32.8	17.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

रांची एवं पटना से प्रकाशित | रांची ● शनिवार, 28 अक्टूबर 2023 ● आश्विन शुक्ल पक्ष 13, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 191 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

www.lagatar.in

सुर्खियां

इंटरनेशनल
- यूक्रेन के लिए जारी रहेगा ब्रिटेन का समर्थन : जेलेंस्की
- आईडीएफ के हमले में कमांडर मदथ मुबशर ढेर
- इमरान का दावा- मुझे जेल में दिया जा सकता है जहर
- फलस्तीनी मृतकों का आंकड़ा 7000 पार

नेशनल
- अदालत में बेहोश हुए बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक
- चांद पर उतरते विक्रम लैंडर से बना ''इजेक्टा हेलो''
- वाणी सर्राजु राव इटली में भारत की अगली राजदूत नियुक्त
- मनरेगा के 2,696 करोड़ रुपये जारी करने की मांग

स्टेट
- जमशेदपुर : 10 लाख के गांजा के साथ छह गिरफ्तार
- रांची में 6000 मकानों पर मंडरा रहा बुलडोजर का साया
- सड़क की गुणवत्ता जांच करने रांची से पहुंची टीम तोपचांची
- सीएम बनने को मरांडी कर रहे अनर्गल बयानबाजी : समीर

स्पोर्ट्स
- दो स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी शीतल
- भारत ने सुल्तान जोहोर कप में पाक के साथ 3-3 से ड्रा खेला
- रीतिका बनी अंडर-23 विश्व चैंपियन, ज्योति भी फाइनल में
- निशानेबाज अर्जुन ने जीता रजत पदक

एसीबी खंगाल रही

नेता प्रतिपक्ष की संपत्ति

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम भाजपा विधायक दल के नेता सह झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी और उनकी पत्नी कल्याणी देवी की संपत्ति का ब्योरा जुटा रही है. एसीबी यह पता लगा रही है कि बाउरी की संपत्ति में पांच साल में बड़े पैमाने पर इजाफा कैसे हुआ और उनके नाम पर कहां-कहां चल-अचल संपत्ति है. एसीबी पता लगा रही है कि बाउरी और उनकी पत्नी के नाम पर झारखंड में कहां-कहां जमीन,मकान, फ्लैट हैं. एसीबी की टीम यह भी पता लगा रही है कि वर्ष 2014 के चुनाव के वक्त उन्होंने संपत्ति का जो ब्योरा दिया था, उसमें पांच साल में दोगुना बढ़ोतरी कैसे हुई और उसके कहां-कहां प्रापर्टी खरीदी गयी है. बाउरी और उनकी पत्नी के नाम से अचल संपत्ति का पता लगाने के लिए एसीबी ने राज्य के सबी रजिस्ट्री कार्यालयों को पत्र लिखा है.

एसीबी ने रजिस्ट्री कार्यालय को भेजे गए पत्र संबंधित रजिस्ट्रार से यह जानना चाहा है कि पूर्व मंत्री और वर्तमान में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी और उनकी धर्मपत्नी कल्याणी देवी के नाम पर कितनी अचल संपत्ति खरीदी गयी है. अमर कुमार बाउरी रघुवर सरकार में भू-राजस्व व कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री हुआ करते थे. आय से अधिक संपत्ति मामले में बाउरी के खिलाफ एसीबी ने पीई दर्ज कर जांच शुरू की है. जांच के क्रम में ही एसीबी ने पहले चरण में राज्य के तमाम रजिस्ट्री कार्यालयों को पत्र लिख कर बाउरी व उनकी पत्नी सहित उनके अन्य रिश्तेदारों की अचल संपत्ति का ब्योरा उपलब्ध कराने को कहा है.

बाउरी व उनकी पत्नी का पैन नंबर भी रजिस्ट्री ऑफिस को भेजा गया

एसीबी ने अमर बाउरी व उनकी पत्दोनी कल्नोंयाणी देवी के पैन नंबर भी रजिस्ट्री ऑफिस को दिए हैं. एसीबी का पत्र मिलने के बाद रांची के सभी रजिस्ट्री ऑफिस में बाउरी और उनकी पत्नी की प्रॉपर्टी की डिटेल्स खंगाली जा रही है. एसीबी का मानना है कि सामान्यतः लोग अचल संपत्ति अपने घर की महिला सदस्य के नाम पर ही खरीदते हैं. रघुवर सरकार के समय 1 रुपये में ही जमीन, मकान, फ्लैट की रजिस्ट्री हुआ करती थी. उस वक्त सस्ती रजिस्ट्री के लिए लोग अपनी पत्नी या घर की महिला सदस्यों के नाम से ही अचल संपत्ति की खरीदारी करते थे. इसे ध्यान में रखते हुए एसीबी पूर्व मंत्री अमर बाउरी की पत्नी कल्याणी देवी के नाम से खरीदी गयी अचल संपत्ति की भी जानकारी जुटा रही है.

एसीबी के राडार पर रघुवर सरकार में मंत्री रहे और भी नेता

रघुवर दास सरकार के पूर्व मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा, नीरा यादव, लुइस मरांडी और रणधीर सिंह भी एसीबी के राडार पर हैं. एसीबी इन नेताओं की भी संपत्ति शीघ्र ही खंगालेगी. इन पूर्व मंत्रियों की संपत्ति में पांच सालों में दो सौ से लेकर 1000 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई हैं. एसीबी इनकी संपत्ति के बारे में पता लगाएगी. यह भी पता लगाएगी कि इन पूर्व मंत्रियों ने खुद और अपने किन-किन रिश्तेदारों नाम पर चल-अचल संपत्ति बनायी है. पहले चरण में रघुवर सरकार में भू-राजस्व मंत्री रहे अमर बाउरी की संपत्ति के बारे में कभी उनके ही मातहत रहे अधिकारियों से जानकारी मांगी गयी है.

कैबिनेट के आदेश के बाद एसीबी ने दर्ज की है पीई

हेमंत सोरेन सरकार की कैबिनेट के आदेश के बाद रघुवर दास सरकार के पांच पूर्व मंत्रियों के खिलाफ एसीबी ने पीई (प्रीलिम्नरी इंक्वायरी संख्या 02/2023) दर्ज की है. साथ ही झारखंड हाईकोर्ट में वर्ष 2020 में पंकज कुमार यादव ने रघुवर सरकार में मंत्री रहे नीलकंठ सिंह मुंडा, नीरा यादव, अमर बाउरी, लुइस मरांडी और रणधीर सिंह की संपत्ति की जांच के लिए एक जनहित याचिका दाखिल की है. याचिका में कहा गया है कि रघुवर सरकार के पूर्व मंत्रियों ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित की है. मंत्री रहने के दौरान इनकी संपत्ति में 200 से लेकर 1000 % तक वृद्धि हुई है. इसलिए सभी पूर्व मंत्रियों की संपत्ति की जांच होनी चाहिए. साथ ही इनके कार्यकाल में हुए निर्णयों की जांच भी एसीबी से कराई जानी चाहिए.

जनहित याचिका में जो दस्तावेज कोर्ट को दिए गए हैं, उसके मुताबिक पांचों पूर्व मंत्रियों की संपत्ति का ब्योरा इस प्रकार है

नाम	2014 में संपत्ति	2019 में संपत्ति	वृद्धि	प्रतिशत
नीलकंठ मुंडा	1. 46 करोड़	4.35 करोड़	2. 98 करोड़	198%
अमर बाउरी	7.33 लाख	89. 41 लाख	2. 07 करोड़	118%
लुइस मरांडी	2. 55 करोड़	9 . 06 करोड़	6 . 81 करोड़	303%
नीरा यादव	80. 59 लाख	3. 56 करोड़	2. 85 करोड़	353%
रणधीर सिंह	78.92 लाख	5. 06 करोड़	4.27 करोड़	541%

उम्मीदों के गुब्बारे...

हमास द्वारा बंधक बनाये गये 200 से अधिक लोगों के समर्थन में यहूदी समुदाय ने 'उम्मीद के गुब्बारे' कार्यक्रम के लिए सिडनी के एक पार्क में गुब्बारे और जूते रखे. -फोटो : पीटीआई

लोगों ने आउटडेटेड फोन को छोड़ दिया : पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस के 7वें संस्करण के दौरान देशभर के चुनिंदा संस्थानों में 100 नई 5जी लैब का उद्घाटन किया. इस मौके पर पीएम ने कहा कि आने वाला भविष्य एकदम अलग होगा. देश में 5जी का तेजी से विस्तार हो रहा है. मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड में हम नंबर 43 पर हैं. हमारे कालखंड में 4जी का बेदाग विस्तार हुआ. और अब हम 6जी के लीडर बनने की दिशा में बढ़ रहे हैं. कांग्रेस पर तंज कसते हुए पीएम मोदी ने कहा, 2014 के पहले भारत के पास 100 स्टार्टअप थे और अब ये एक लाख के पास पहुंच गया है. अगर आप 10-12 साल पुराने समय के बारे में सोचें, तो याद आएगा कि तब आउटडेटेड मोबाइल फोन की स्क्रीन बार-बार हैंग हो जाती थी. ऐसी ही स्थिति उस देश की मौजूदा सरकार की भी देखने को मिलती थी. वो हैंग मोड में थी. ऐसे में साल 2014 में लोगों ने आउटडेटेड फोन को छोड़ दिया. -पूरी खबर पेज 15 पर

सड़कों पर कुत्तों से ज्यादा ईडी: गहलोत

जयपुर। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने ईडी का जिक्र करते हुए शुक्रवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि एक राज्य के सीएम को यह कहना पड़ रहा है कि देश की सड़कों पर कुत्तों से ज्यादा ईडी वाले घूम रहे हैं. गहलोत ने कहा, ये दुर्भाग्य की बात है कि एक चुनावी राज्य के सीएम को कहना पड़े कि इस देश में ईडी कुत्तों से ज्यादा घूम रही है. इससे बड़ा दुर्भाग्य किसी देश के लिए क्या होगा? मुझे गुस्सा आता है कि कांग्रेस ने 76 साल से जिस देश को एक रखा. इंदिरा गांधी और राजीव गांधी शहीद हो गए. गहलोत ने ये बात ऐसे समय बोली है जब ईडी ने गुरुवार को ही राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के जयपुर और सीकर के परिसरों पर प्रश्न पत्र लीक मामले से जुडे.मनी लॉन्ड्रिंग केस में छापेमारी की. साथ ही गहलोत के बेटे को वैभव गहलोत को विदेशी मुद्रा उल्लंघन मामले में तलब किया है.

नियम ताक पर : वित्त विभाग के अफसर ने बिजली का वर्क लाइसेंस बनवाया

पत्नी-मां के नाम से लाइसेंस रिन्यूअल

कौशल आनंद। रांची

वित्त विभाग के अफसर ने नियमों को ताक पर रख कर अपने पिता के निधन के बाद अपनी मां और पत्नी को पार्टनर बना कर उसके लाइसेंस का रिन्यूअल करवा लिया. इस रिन्यूअल में ऊर्जा विभाग के अफसर की मिली-भगत भी सामने आ रही हैं. बिजली अफसर ने नियमों की अनदेखी करते हुए अनलिमिटेड लाइसेंस का रिन्यूअल कर डाला. यह मामला अब संदेह के घेरे में आ गया है. मामला ऊर्जा विभाग में चर्चा का विषय बना हुआ है. जानकारी के अनुसार इसकी जांच भी कराई जा सकती है.

यह है पूरा मामला : वित्त विभाग के संयुक्त सचिव मो शाहनवाज अख्तर के पिता नसीम अख्तर का जनता इलेक्ट्रिकल वर्कस के नाम से ऊर्जा विभाग में अनलिमिटेड वर्क के लिए लाइसेंस पहले से बना हुआ था. मगर नसीम अख्तर का निधन 12 सितंबर 2022 को हो गया. इसके बाद नया लाइसेंस लेने के लिए आवेदन देने के बजाए पुराने लाइसेंस को ही रिन्यू कराने की योजना बनी.

इन बिंदुओं पर उठ रहे सवाल

- एक सरकारी अफसर और कर्मी अपने सेवा काल में अपने ब्लड रिलेशन के नाम से लाइसेंस या लाइसेंस रिन्यूअल नहीं करा सकता है, तो फिर यह कैसे हुआ.
- **नया लाइसेंस आवेदन के लिए पार्टरनशिप डीड जमा किया जाता है, मगर पुराना लाइसेंस जो केवल एक व्यक्ति के नाम से था, बाद में रिन्यूअल के समय नया पार्टरशिप क्यों दिखाया गया.**
- लाइसेंस रिन्यूअल में दोनों पार्टनर शहीना प्रवीण और शरीन असरार ने पैन कार्ड तो दिया, मगर आधार कार्ड नहीं दिया. आधार कार्ड देने से अपने पति जो वित्त विभाग में अफसर हैं, उनका नाम और एड्रेस लोकेट हो सकता था. अब सवाल उठता है कि बिना आधार कार्ड के लाइसेंस रिन्यूअल कैसे हो गया.
- **पार्टनरशिप डीड सक्षम मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर से तैयार करवा कर जमा किया जाता है, मगर रिन्यूअल में नोटरी से पार्टरशिप शपथ पत्र जमा कराया गया. शपथ पत्र में किसी गवाह का हस्ताक्षर भी नहीं.**
- अनलिमिटेड लाइसेंस निबंधन के लिए तीन साल का वर्क अनुभव और 1 करोड़ का टर्न ओवर दिखाना होता है, मगर पुराने अनुभव के आधार पर ही रिन्यूअल कर दिया गया.
- **लाइसेंस रिन्यूअल के लिए निवर्तमान मुख्य अभियंता विजय कुमार सिन्हा ने एक पांच सदस्यीय कमेटी बनायी थी, जिसके अध्यक्ष ये खुद थे. कमेटी में दो अधीक्षण अभियंता, एक कार्यपालक अभियंता और एक सहायक अभियंता रैंक के अफसर शामिल थे. अभी जो वर्तमान में मुख्य अभियंता अगम प्रसाद हैं, वे इस कमेटी में बतौर अधीक्षण अभियंता शामिल थे.**

सर्राफा

सोना (बिक्री)	57,700
चांदी (किलो)	77,000

महामहिम राज्यपाल कोर्ट में हाजिर हों

बदायूं (उप्र)। बदायूं के एसडीएम सदर ने यूपी के राज्यपाल के नाम पर समन जारी कर उन्हें कोर्ट में पेश होने का आदेश दे दिया है. डीएम मनोज कुमार ने बताया कि राज्यपाल के सचिवालय का एक पत्र उनके कार्यालय में प्राप्त हुआ, जिसमें बताया गया कि एसडीएम सदर विनीत कुमार की कोर्ट से राजस्व संहिता की धारा 144 के तहत राज्यपाल को समन जारी किया गया है. हुआ यह कि लोड़ा बहेड़ी गांव के चंद्रहास ने जमीन से जुड़े एक मामले में एक व्यक्ति और राज्यपाल को पक्षकार बनाते हुए एसडीएम की कोर्ट में याचिका दायर की थी.

एशियाई महिला हॉकी चैंपियंस ट्राफी

भारत का जीत से आगाज

रांची। रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ में शुक्रवार को रंगारंग कार्यक्रम करके उद्घाटन किया गया. टूर्नामेंट के आखिरी मुकाबले में भारत ने थाईलैंड को 7-1 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की. राजधानी रांची में पहली बार हो रही एशियन चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर खेलप्रेमियों में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है. मुकाबले की शुरुआत शानदार आतिशबाजी के साथ हुई. इस दौरान झारखंड के खेल मंत्री हफीजुल हसन, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता, हॉकी इंडिया के आरके श्रीवास्तव, भोलानाथ सिंह आदि मौजूद रहे.

मैच रिजल्ट

- **पहला मैच**
  मलेशिया बनाम जापान
  जापान ने 3-0 गोल से जीत दर्ज की
- **दूसरा मैच**
  चाइना बनाम दक्षिण कोरिया
  दक्षिण कोरिया ने 1-0 गोल से जीत दर्ज की
- **तीसरा मैच**
  भारत बनाम थाईलैंड
  भारत 7-1 गोल से जीता

कार्रवाई 1626 करोड़ की मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा मामला, दिल्ली, चंडीगढ़, मुंबई, पंचकूला,अंबाला में पहुंची टीमें

अशोका यूनिवर्सिटी के संस्थापकों के 17 ठिकानों पर ईडी की रेड

एजेंसियां। नई दिल्ली

पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में अशोका यूनिवर्सिटी फाउंडर और फार्मास्युटिकल कंपनी पैराबोलिक ड्रग्स परिसरों में शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रेड की है. ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज एक मामले में देश में एक साथ 17 स्थानों पर सर्च शुरू की है. जिसमें दिल्ली में 7, मुंबई में 7 जगहों के अलावा पंजाब, चंडीगढ़ व पंचकूला में भी छापेमारी जारी है.

जानकारी के अनुसार अशोका यूनिवर्सिटी के संस्थापक सदस्यों से जुड़े 1625 करोड़ रुपए के बैंक लोन फर्जीवाड़ा मामले में सर्च ऑपरेशन को अंजाम दिया जा रहा है, ताकि सबूतों को इकट्ठा किया जा सके. अशोका यूनिवर्सिटी के सह संस्थापकों में शामिल विनीत गुप्ता, प्रणव गुप्ता सहित अन्य निदेशकों और वरिष्ठ अधिकारियों के लोकेशन पर सर्च अभियान चलाया गया है. इन लोगों पर बैंक से 1625 करोड़ रुपए का कर्ज लेकर पैसों को डायवर्ट करने का आरोप है.

17 ठिकानों पर एक साथ शुरू हुई रेड

जांच एजेंसी ईडी को कुछ दिन पहले इस मामले में महत्वपूर्ण इनपुट्स मिले थे. उसके बाद ही सर्च ऑपरेशन को अमली जामा पहनाया गया है. प्रवर्तन निदेशालय एक साथ पांच शहरों में छापेमारी कर रहा है. यह मनी लॉन्ड्रिंग का केस है. पैराबोलिक ड्रग से जुड़ा केस है. पीएमएलए कानून के तहत 17 लोकेशन पर रेड डाली गयी है. दिल्ली में 7, मुंबई में 7 स्थानों और पंजाब के पंचकूला, अंबाला और चंडीगढ़ में छापा मारा जा रहा है. कंपनी के डायरेक्टर, प्रमोटर प्रणव गुप्ता और विनीत गुप्ता पर 1600 करोड़ के बैंक फ्रॉड का आरोप है. दोनों अशोका यूनिवर्सिटी के संस्थापक कमेटी के सदस्यों में शामिल हैं.

फर्जी दस्तावेज पर लिया लोन

यह रेड सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और 11 अन्य बैंकों से धोखाधड़ी से संबंधित है. आरोपियों ने कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करते हुए भारी लोन लिया और धन का दुरूपयोग किया. अशोका यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर विनीत को संस्थापक और ट्रस्टी और प्रणव को सह-संस्थापक के रूप में दिखाया गया है. दोनों ही यूनिवर्सिटी के संस्थापक कमेटी के सदस्य हैं.

2022 में सीबीआई ने इस मामले में हाथ डाला था

बता दें कि 2022 में सीबीआई ने इस मामले में हाथ डाला था. जनवरी 2022 में अशोका यूनिवर्सिटी के 12 लोकेशन पर सीबीआई की टीम ने छापा मारा था. सूत्रों के अनुसार छापेमारी के क्रम में महत्वपूर्ण सबूत और दस्तावेज हाथ लगे थे. अशोका यूनिवर्सिटी से जुड़े महत्वपूर्ण इनपुट्स जांच एजेंसी ने जमा किये थे. मामला गंभीर होने के कारण जांच एजेंसी ईडी ने (चंडीगढ़ जोन) ने इस केस को टेकओवर किया.

विवि व पैराबोलिक ड्रग्स लि. का कनेक्शन सामने आया

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज कर इस मामले में तफ्तीश शुरू की. खबरों के अनुसार ईडी की जांच में अशोका यूनिवर्सिटी और पैराबोलिक ड्रग्स लिमिटेड का कनेक्शन सामने आया. पैराबोलिक ड्रग्सके निदेशकों का कुछ राजनीतिक हस्तियों से जुड़ा कनेक्शन भी ईडी को नजर आया. थोड़ा पीछे जाएं तो केस दर्ज होने और सीबीआई जांच शुरू होने पर अशोका यूनिवर्सिटी के कई संस्थापक सदस्यों ने वहां अपना पद छोड़ दिया था. बता दें कि उस समय सोनीपत में स्थित अशोका यूनिवर्सिटी की ओर से एक बयान सामने आया था कि यूनिवर्सिटी के निदेशकों और पैराबोलिक ड्रग्स फार्मा कंपनी से जुड़े निदेशकों का आपस में कोई संबंध नहीं है.

गुमला: सेंट जॉन पैरिश के फादर का शव कुएं से बरामद

संवाददाता। गुमला

चैनपुर के संत जॉन पैरिश के फादर रजत एक्का का शव शुक्रवार को पारिस परिसर में कुएं से बरामद किया गया है. फादर की मौत कैसे हुई इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं. स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी.

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल के शीतगृह में रखवा दिया है. पुलिस मामले में जांच में जुटी है. बताया जा रहा है कि रात को खाना खाने के बाद फादर सोने चले गए. सुबह देर तक नजर नहीं आये. इसके बाद उनकी खोज शुरू की गई. खोजने के दौरान उनकी चप्पल, नाइट लाइट कुएं के पास मिली. जब कुएं के पास जाकर देखा गया, तो उनकी टोपी कुएं में तैरती दिखी. जिसके बाद लोगों ने कुएं में झांगर डाल कर तलाश शुरू की. इसके बाद उनका शव पानी से बाहर दिखा. पुलिस ने लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला. इधर कुएं से फादर के शव मिलने की खबर जंगल की आग की तरह पूरे इलाके में फैल गई. जिसके बाद उन्हें देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी.

पुलिस जांच

- फादर रजत एक्का की मौत को ले तरह-तरह की चर्चाएं
- रात को खाना खाने के बाद गये सोने, दिन में कुएं में मिली लाश

अंतिम राउंड की काउंसलिंग के आधार पर बीएड नये सत्र की एडमिशन की अंतिम तिथि 20 अक्तूबर थी

जेसीईसीईबी की लेट-लतीफी ने रोकी नए सत्र की क्लास

आनंद मिश्रा। जमशेदपुर

जेसीईसीईबी (झारखंड कंबाइंड एंट्रांस कंपिटेटिव एग्जामिनेशन बोर्ड) की लेट-लतीफी के कारण बीएड नये सत्र (2023-25) की कक्षाएं अभी तक आरंभ नहीं हो सकी हैं. चौथे व अंतिम राउंड की काउंसेलिंग खत्म होने का बाद भी कॉलेजों में सीटें खाली हैं. बावजूद बोर्ड की ओर से अभी तक ओपन एडमिशन अथवा इससे संबंधित निर्देश या अधिसूचना जारी नहीं की गयी है, जबकि, अंतिम राउंड की काउंसलिंग के आधार पर एडमिशन की अंतिम तिथि 20 अक्तूबर ही थी. ओपन एडमिशन की प्रतीक्षा में इच्छुक विद्यार्थी भी परेशान हैं.

फिलहाल चार महीने लेट है सत्र : कॉलेजों की ओर से बताया गया है कि एडमिशन पूरा नहीं होने की वजह से अभी तक नये सत्र की कक्षाएं आरंभ नहीं हो सकी हैं. जबकि बोर्ड की ओर से एडमिशन की प्रक्रिया पिछले फरवरी माह से ही आरंभ कर दी गयी है. मार्च में प्रवेश परीक्षा हुई थी और मई में रिजल्ट निकला था. उसके बाद से अंतिम राउंड की काउंसलिंग पूरी होते-होते अक्टूबर माह भी बीतने को है, जबकि जुलाई-अगस्त तक हर हाल में कक्षाएं आरंभ हो जानी चाहिए थीं. अब इस साल को खत्म होने में करीब दो महीने शेष हैं. सत्र के हिसाब से अब तक प्रथम सेमेस्टर की पढ़ाई चार महीने बाद भी आरंभ नहीं हो सकी है.

खास बातें

- ओपन एडमिशन की प्रतीक्षा में इच्छुक विद्यार्थी परेशान
- चार महीने बाद भी आरंभ नहीं हो सकी प्रथम सेमेस्टर की पढ़ाई

अंतिम काउंसेलिंग में तीन हजार से अधिक की सूची

चौथे व अंतिम राउंड की काउंसेलिंग में बोर्ड की ओर से 3 हजार 733 उम्मीदवारों की सूची जारी की गयी थी. इसमें लगभग आधी सीटों को एससी से एसटी, एसटी से एससी अथवा बीसी-1 वगैरह में कन्वर्ट भी किया गया था. बावजूद कॉलेजों में सीटें खाली हैं. प्राइवेट कॉलेजों की बात की जाये, तो वहां रिक्तियों की संख्या सरकारी कॉलेजों की तुलना में अधिक है.

अधिक फीस है कारण

सरकारी कॉलेजों की तुलना में प्राइवेट कॉलेजों में प्रति सेमेस्टर फीस अधिक है. इसके अलावा समय-समय पर अन्य तरीके से भी कई तरह के शुल्क लिये जाते हैं. इस वजह से विद्यार्थी वहां एडमिशन नहीं लेना चाहते हैं. सभी की पहली प्राथमिकता सरकारी कॉलेज ही होते हैं. ऐसे में सरकारी कॉलेज नहीं मिलने की स्थिति में अनेक विद्यार्थी एडमिशन नहीं लेते हैं.

पिछले वर्ष भी खाली रह गयी थी सीटें

पिछले वर्ष भी अंतम राउंड की काउंसलिंग एवं ओपन एडमिशन के बाद राज्य भर के कॉलेजों में अनेक सीटें खाली रह गयी थीं. इस संबंध में शुभम संदेश की ओर से रिपोर्ट भी प्रकाशित की गयी थी, जिसमें कॉलेजवार रिक्तियों की संख्या का उल्लेख किया गया था. तब भी प्राइवेट कॉलेजों में ही रिक्त सीटों की संख्या अधिक थी.

आपकी बात

नाम : प्रवीण सोनी
पेशा : फिल्म और टीवी सीरियल प्रोड्यूसर
निवास : लोहरदगा, मुंबई

> प्रवीण ने काफी मेहनत कर फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई

लोहरदगा के रहने वाले प्रवीण कुमार फिल्म और टीवी जगत में झारखंड का नाम आगे बढ़ा रहे हैं. 1990 के दशक में लोहरदगा से रंगमंच की दुनिया में कदम रखने वाले प्रवीण सोनी आज मुंबई में कई फिल्मों, टीवी सीरियल और वेब सीरिज में प्रोडक्शन कंट्रोलर और लाइन प्रोड्यूसर की भूमिका निभा रहे हैं. दिल्ली के नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा और क्षितिज नाट्य संस्था से जुड़े प्रवीण ने काफी मेहनत कर फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई. प्रवीण 1997 तक रांची और लोहरदगा में नाटक और थियेटर करते रहे. इसके बाद मुंबई चले गये. वहां पहले फिल्मों में स्टील फोटोग्राफी की. इसके बाद सिनेमेटोग्राफर बने और फिर कैमरामैन बने. बालाजी फिल्म से शुरूआत की. क्योंकि सास भी कभी बहू थी. कुमकुम जैसी टीवी सीरियल में कैमरा किया. प्रवीण ने 2003 में उलगुलान एक क्रांति नाम की फिल्म में काम किया. मुंबई से 40 कलाकारों को झारखंड लेकर आये. इस फिल्म में उन्होंने कलाकार की भूमिका निभाई, लाइन प्रोड्यूसर और प्रापर्टी मैनेजमेंट का भी काम किया. फिल्म अच्छी बनी और काफी सराही गई. 2004 में वे दोबारा मुंबई वापस गये. इस बार वे प्रोडक्शन लाइन में चले गये. यहीं से उनकी टीवी की असली जर्नी शुरू हुई. प्रवीण आईएनएक्स मीडिया के रात अकेली है, सुप्रभात, धुम पिचक झूम, मां, चांदनी रातें, मां जैसे कार्यक्रमों में प्रोडक्शन कंट्रोलर का काम कर चुके हैं. स्टार प्लस में गुलाम, क्रिएटिव आई प्राइवेट लिमिटेड के लिए नीम नीम शहद शहद, स्टार प्लस के लिए मेरी दुर्गा जैसे कार्यक्रमों का प्रोडक्शन कंट्रोल कर चुके हैं. वहीं रुखसती, अनवांटेड, मन्नू का सरेंडर, युवा, रतिया, धुमकुड़िया जैसी फिल्में और कई शॉर्ट फिल्मों के लिए भी काम कर चुके हैं.

ब्रीफ खबरें

डीएवी के छात्रों ने चलाया स्वच्छता अभियान

रामगढ़ । डीएवी बरकाकाना के सप्तम के बच्चों ने स्वच्छता अभियान कार्यक्रम को चलाते हुए स्वच्छ विद्यालय और स्वच्छ आसपास के तहत नया नगर बड़काकाना के दुर्गा मंडप के आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया. दुर्गा पूजा के बाद लगे मेला के कारण इस क्षेत्र में गंदगी पसर जाता है बच्चों ने इस क्षेत्र को स्वच्छ बनाने के लिए अपने हाथों में झाड़ू पकड़ा और सफाई अभियान चलाया. इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या सह क्षेत्रीय अधिकारी उर्मिला सिंह ने कहा कि हमें अपने समाज में स्वच्छता पर ध्यान देना चाहिए.

एमजीएम बोकारो की टीम जूडो लिए पटना रवाना

बोकारो। नॉलेज ग्राम इंटरनेशनल स्कूल पटना में 28 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक सीबीएसई पटना एवं इलाहाबाद रीजन टेस्ट जोन जूडो प्रतियोगिता में हिस्सा लेने एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल के 39 खिलाड़ी शुक्रवार को पटना रवाना हुए. खिलाड़ियों में अंडर 11 बालक वर्ग में शुभम कुमार एवं बालिका वर्ग में प्रियांशी गौरव अंडर 14 बालक वर्ग में प्रिंस कुमार, यश राज, सिद्धार्थ सिंह, अर्पित टोप्पो बालिका वर्ग में श्रेया, प्रियदर्शनी सिंह, आकृति कुमारी, रिचा नंदा, स्पर्श राज शामिल है.

एक नवंबर की परीक्षा कैंसिल, अब दो को होगी

धनबाद। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) के यूजी सेमेस्टर-4 (ओल्ड सेशन) के एक नवंबर 2023 को द्वितीय पाली में होने वाली कॉमर्स (जनरल) इंडियन इकोनॉमिक्स : परफॉर्मेंस एंड पॉलिसीज की परीक्षा को कैंसिल कर दिया गया है. अब यह परीक्षा दो नवंबर 2023 को दूसरी पाली में दोपहर दो बजे से पांच बजे तक ली जाएगी. परीक्षा पहले से निर्धारित परीक्षा केंद्रों में ही लिए जाएंगे. बीबीएमकेयू के परीक्षा नियंत्रक डॉ सुमन कुमार बरनवाल ने इस बाबत नोटिफिकेशन जारी कर दिया है.

जेएनवी में टेस्टिंग कैम्प का आयोजन

तेनुघाट। जवाहर नवोदय विद्यालय तेनुघाट बोकारो में पांच दिवसीय राज्य पुरस्कार टेस्टिंग कैंप का आयोजन किया गया. यह आयोजन 26 से 30 अक्टूबर तक चलेगी. कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह द्वारा झंडोत्तोलन के साथ किया गया. प्राचार्य विपिन कुमार द्वारा पुष्प गुच्छ देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया. जवाहर नवोदय विद्यालय गोपालगंज से पहुंचे लीडर ऑफ ट्रेनर रामशंकर गुप्ता एवं राज्य सचिव विपिन कुमार को भी पुष्प देकर प्राचार्य ने स्वागत किया.

खेलो इंडिया में एमजीएम को मिले 16 पदक

बोकारो। आरके आनंद लॉन बॉल ग्रीन स्टेडियम नामकुम रांची में भारत सरकार द्वारा वूमेन जूडो प्रतियोगिता का आयोजन झारखंड जूडो संघ के द्वारा किया गया. इस प्रतियोगिता में एमजीएम ने 16 पदक अपने नाम किया. जिसमें 5 स्वर्ण पदक, 7 रजत पदक और 4 कांस्य पदक शामिल है. पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में अदिति सिंह, साक्षी श्रीवास्तव, कुमारी अदिति, सुरभि कुमारी एवं श्रेया को स्वर्ण पदक, प्रियदर्शनी सिंह, आकांक्षा कुमारी, अंशिका कुमारी, गौरवी शर्मा, वनिता पांडेय, नेहा, आयशा रंजन को रजत पदक मिला.

पांच माह में पांच सेमिनार और तीन क्विज का होगा आयोजन

कुलपति ने बैठक में गिनाईं प्राथमिकताएं

संवाददाता। धनबाद

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) के कुलपति प्रो पवन कुमार पोद्दार ने छुट्टियों के बाद विवि खुलने के दूसरे दिन ही विवि में अधिकारियों, डीन, विभागाध्यक्ष व प्राचार्य के साथ बैठक कर विवि के विकास के रोडमैप को धरातल पर उतारने के प्रयास तेज कर दिए. बैठक में अगले पांच महीनों में सेमिनार, क्विज व अन्य गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगिण विकास की जमीन तैयार की.

स्थानीय संस्थानों से एमओयू कर शुरू किए जाएंगे रोजगारपरक कोर्सेस : कुलपति ने बीबीएमकेयू के भेलाटांड स्थित परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि वे विवि में रोजगारपरक शिक्षा का बढ़ावा देने का काम करेंगे. इसके लिए छह माह के सर्टिफिकेट कोर्सेस शुरू किए जाएंगे.

इसके लिए वे चार्टड एकाउंटेंसी, आईसीडब्ल्यूए जैसे संस्थानों से एमओयू किया जाएगा. उनके सहयोग से जीएसटी, टैली और ई-कामर्स जैसे कोर्सेस शुरू किए जाएंगे. इसके अलावा फायर सेफ्टी और इंडस्ट्रियल सेफ्टी जैसे कोर्सेस शुरू किए जाने की भी योजना है.

फोटोः प्रेस वार्ता को संबोधित करते कुलपति प्रो पवन कुमार पोद्दार.

खास बातें

- विवि के विकास को धरातल पर उतारने के प्रयास तेज
- फायर सेफ्टी जैसे कोर्सेस शुरू करने की योजना
- एसएसएलएनटी महिला कॉलेज में कॉमर्स क्विज का आयोजन होगा

बिना लैब विद्यार्थी हो रहे पोस्ट ग्रेजुएट

वहीं कुलपति ने स्वीकार किया कि अब तक विवि के नए कैंपस में लेबोरेटरी नहीं है. जिसकी वजह से विद्यार्थी बिना प्रैक्टिकल के ही पोस्ट ग्रेजुएट हो रहे हैं. हालांकि कुलपति ने कहा कि वे जल्द ही लेबोरेटरी निर्माण और लाईब्रेरी को 12-बी स्तर का बनवाने के लिए फंड आवंटन का प्रयास करेंगे.

पांच विभागों में होगा सेमिनार का आयोजन

कुलपति ने बताया कि अगले पांच महीनो में विवि के अर्थशास्त्र, अंग्रेजी और मैनेजमेंट स्टडीज विभाग समेत पांच विभागों में सेमिनार आयोजित किया जाएगा. इसके साथ ही पीके रॉय मेमोरियल कॉलेज में इंटर कॉलेज साइंस क्विज, आरएस मोर कॉलेज गोविंदपुर में स्पोर्ट्स क्विज और एसएसएलएनटी महिला कॉलेज में कॉमर्स क्विज का आयोजन किया जाएगा.

विवि में बनाए जाएंगे प्लेसमेंट व काउंसिलिंग सेल

कुलपति ने बताया कि विवि और फेकल्टी की प्रोफाईल व सीवी बनाकर वेबसाईट पर अपलोड किया जाएगा. साथ ही विभिन्न कारपोरेट कंपनियों को कैंपस सेलेक्शन के लिए आमंत्रित किया जाएगा. इसके साथ ही विवि व कॉलेजों में प्लेसमेंट व काउंसिलिंग सेल बनाया जाएगा.

45 साल बाद गिरिडीह हाईस्कूल दुबारा आएंगे केके खंडेलवाल

संवाददाता। गिरिडीह।

आईआईटी की तैयारी पर शनिवार को गिरिडीह हाईस्कूल में केके खंडेलवाल का लेक्चर होगा. मालूम हो कि खंडेलवाल ने इसी स्कूल से पढ़ाई की है. यह पहला अवसर होगा जब वह लगभग 45 साल बाद अपने स्कूल में दुबारा आएंगे. लेकिन इस बार वह एक स्टूडेंट के बतौर नहीं बल्कि आईआईटी विशेषज्ञ के बतौर स्कूल परिसर में आएंगे. जानकारी के अनुसार दोपहर एक बजे उनका लेक्चर होगा. मालूम हो कि झारखंड के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी पद से रिटायर खंडेलवाल खुद भी आईआईटीयन हैं. उन्होंने इसी स्कूल से मैट्रिक तक पढ़ाई की. श्री खंडेलवाल को गिरिडीह जिले का प्रथम आईआईटीयन और प्रथम आईएएस होने का गौरव प्राप्त है. गिरिडीह प्लस टू हाईस्कूल के प्राचार्य मनोज रजक ने इसे विद्यालय परिवार के लिये गर्व का विषय बताया है. उन्होंने कहा कि हमारे विद्यालय के विद्यार्थी रहे केके खंडेलवाल की सफलता से सभी स्टूडेंट्स को प्रेरणा मिलेगी.

रोटरी क्लब में दंत जांच शिविर का हुआ आयोजन

बोकारो। डॉ एस राधाकृष्णन बीएड कॉलेज में शुक्रवार को रोटरी क्लब चास के सहयोग से दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में दंत विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अध्यनरत सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को दांतों की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया. बोकारो एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश कोठारी ने सभी डॉक्टरों, आगुन्तकों, स्कूल के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों का स्वागत करते हुए कहा कि जांच शिविर से छात्र-छात्राओं में अपने दांतों एवं स्वास्थ्य के प्रति नई चेतना विकसित होगी.

इस अवसर पर दंत रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अमरेश ने छात्र-छात्राओं को सुबह शाम नियमित रूप से दांतों की सफाई करने की सलाह दी. डॉ अमरेश ने कहा की मुंह और दांतों से संबंधित बीमारियों से पेट और दिल पर भी असर पड़ता है, इसलिए हर व्यक्ति को 6 माह में एक बार विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा जांच करवानी चाहिए.

अभिभावकों ने री-एडमिशन के नाम पर ढाई हजार रुपए मांगने का आरोप

सरकारी आदेश को ठेंगा दिखा रहा स्कूल

प्रमोद उपाध्याय । हजारीबाग

हजारीबाग के दीपूगढ़ा हाउसिंग कॉलोनी में संचालित रोजबड स्कूल सरकार के आदेश को ठेंगा दिखा रहा है. सरकारी प्रावधान दिखाकर बीपीएल परिवार के बच्चों का निःशुल्क नामांकन लेते हैं. बाद में उन्हीं बच्चों से फीस वसूलते हैं. फीस नहीं देने पर बच्चों को लाइन में खड़ा कर बच्चों को अंक पत्र नहीं देने की शिकायत कई अभिभावकों ने की है. जिन बच्चों के साथ ऐसा किया गया उनके अभिभावकों का कहना है कि नामांकन के समय निःशुल्क शिक्षा देने की बात कही गई थी. इसके लिए सभी कागजात स्कूल को उपलब्ध करा चुके हैं. कुछ माह पढ़ने के बाद जब छमाही परीक्षा का समय आया, तो उन बच्चों का रिजल्ट रोक दिया गया. वहीं अभिभावकों का कहना है कि उनसे ढाई-ढाई हजार रुपए री-एडमिशन के नाम पर मांग की गई.

अभिभावक परेशान

- दीपूगढ़ा हाउसिंग कॉलोनी में है रोजबड स्कूल
- पहले नि :शुल्क शिक्षा देने की बात कही गई थी

केस-1

रोजबड स्कूल के विद्यार्थी के अभिभावक पदमा रोमी निवासी राकेश महतो ने बताया उनका बच्चा यूकेजी में पढ़ता है. बीपीएल नंबर के आधार पर सरकार के आदेश अनुसार नामांकन कराया. आठ माह के बाद छमाही परीक्षा देने के पश्चात स्कूल प्रबंधन ढाई हजार रुपए मांग रहा है. स्कूल में बच्चों के माध्यम से अभिभावकों को बुलाया जा रहा है. उन्होंने बताया कि उनके पास पैसे नहीं हैं. परीक्षा का रिजल्ट भी नहीं दिया जा रहा है.

केस-2

इचाक अलौंजा के जीतेंद्र महतो ने बताया कि गरीबी के कारण बच्चे का नाम सरकारी स्कूल में लिखवाया था. सरकार का गाइडलाइन आने के बाद रोजबड स्कूल में नामांकन कराया. नामांकन तो हुआ अब ढाई हजार रुपए मांगा जा रहा है.

केस-3

जगदीशपुर के जागेश्वर महतो ने बताया कि उनका बच्चा यूकेजी में पढ़ता है. बीपीएल परिवार के कारण नि :शुल्क नामांकन की बात कही गई थी. पूरी कागजात बनाकर दिए. लेकिन अब री-एडमिशन के नाम पर ढाई हजार रुपए मांगे जा रहे हैं. ऐसे में हम पैसे कहां से लाएंगे.

प्रो. आरके उपाध्याय को नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज फेलोशिप

संवाददाता। धनबाद

आईआईटी-आईएसएम के गणित और कंप्यूटिंग विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष प्रो आरके उपाध्याय को केंद्र सरकार की ओर से दिए जाने वाले वर्ष 2023 के प्रतिष्ठित नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज फेलोशिप के लिए चुना गया है. उनके नॉन-लिनियर डिफरेंशियल इक्वेशन के क्षेत्र में किए गए शोध के लिए उन्हें यह फेलोशिप दिया गया. यह जानकारी आईआईटी-आईएसएम की मीडिया एंड ब्रांडिंग की डीन प्रो रजनी सिंह ने दी. उन्होंने बताया कि प्रो उपाध्याय 24 वर्षों से शिक्षण के क्षेत्र में कार्यरत हैं. वर्ष 2000 में उनकी नियुक्ति आईआईटी-आईएसएम में वरिष्ठ लेक्चरर के पद पर हुई. अक्टूबर 2021 से वे गणित और कंप्यूटिंग विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं.

अमेरिकन मैथमेटिकल सोसायटी के वार्षिक सदस्य हैं प्रो उपाध्याय

प्रो रजनी ने बताया कि प्रो उपाध्याय यूरोप के एसोसिएशन कंपैटिबिलिटी, इंडियन मैथमेटिकल सोसायटी, इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज, बायो मैथमेटिकल सोसायटी ऑफ इंडिया, इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ कंप्यूटेशनल इकोलॉजी हॉन्गकांग के आजीवन सदस्य हैं. साथ ही अमेरिकन मैथमेटिकल सोसायटी के वार्षिक सदस्य हैं. प्रो उपाध्याय को इस उपलब्धि के लिए संस्थान के निदेशक प्रो जेके पटनायक, उपनिदेशक प्रो धीरज कुमार सहित अन्य वरिष्ठ शिक्षकों व अधिकारियों ने बधाई दी है.

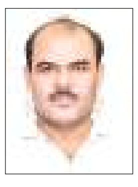

साहित्यिक संस्था सहयोग ने किया विजया मिलन

जमशेदपुर। बहुभाषीय साहित्यिक संस्था सहयोग एवं संस्कार भारती के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को बेल्डीह नागा मंदिर प्रांगण में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विजया मिलन समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ सहयोग की संरक्षिका एवं संस्कार भारती की अध्यक्ष डॉ. रागिनी भूषण के आशीर्वचन से हुआ. इसके पश्चात नीलांबर चौधरी एवं निवेदिता ने मां भगवती की भजन की प्रस्तुति से भक्तिमय वातावरण बना दिया. वहीं वीणा पांडे ने भोजपुरी भजन भवानी राऊर बिछिया रुनझुन बाजेला गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. शीला कुमारी एवं उमा के द्वारा गरबा नृत्य का प्रस्तुत किया गया. इस दौरान पूर्वी घोष द्वारा बांग्ला कविता आनंद तथा ममता आहूजा ने बुराई पर अच्छाई की जीत हिंदी कविता का पाठ किया.

सरस्वती विद्या मंदिर सिनीडीह में सम्मान समारोह का आयोजन

आज का समय प्रतियोगिताओं का है

संवाददाता। कतरास

34वें क्षेत्रीय खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सरस्वती विद्या मंदिर सिनीडीह ने शुक्रवार को सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मानित किया. यह प्रतियोगिता 17 से 19 अक्टूबर 2023 तक रजरप्पा में आयोजित की गयी थी. इस प्रतियोगिता में सिनीडीह के 10 छात्राओं ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 14 गोल्ड, सात सिल्वर और दो ब्रॉन्ज मेडल जीते. स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं (अंशु, वंदना, निर्जला, रेणु, श्वेता, पूजा और संजना) का चयन राष्ट्रीय खेलकूद के लिए हुआ है, जो 4 से 8 नवंबर 2023 तक बेतिया में आयोजित किया जायेगा.

आज का समय प्रतियोगिताओं का है : मौके पर प्राचार्य सुनील कुमार सिंह ने कहा कि प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त करना जीवन की सफलता मानी जाती है. आज का समय प्रतियोगिताओं का है और वर्तमान समय में इसमें लोग अपना भविष्य देख रहे हैं. अतः आवश्यकता इस बात की है कि हम लगातार परिश्रम करते रहे और सफलता के सोपान पर चढ़ते रहें. इस अवसर पर विद्यालय के उप प्राचार्य दुर्गेश नंदन सिन्हा, आचार्य अशोक कुमार सिंह, नवल किशोर झा, मदन मोहन राय, धर्मेंद्र कुमार तिवारी, अरविंद कुमार के साथ-साथ सभी आचार्य उपस्थित रहे.

खास बातें

- रजरप्पा में आयोजित की गयी थी प्रतियोगिता
- छात्राओं ने 14 गोल्ड, 7 सिल्वर व 2 ब्रॉन्ज मेडल जीते

सरकारी स्कूलों के बच्चों को मिलेगा इंटर्नशिप का मौका

रांची। झारखंड के सरकारी स्कूलों में इंटर्नशिप, इंडस्ट्रियल विजिट और गेस्ट लेक्चर का कॉन्सेप्ट शुरू होने जा रहा है. सरकारी स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह पहल की गई है. राज्य में वर्तमान में 11 तरह की व्यावसायिक शिक्षा वोकेशनल के छात्रों को दी जा रही है. जॉब रोल की प्राथमिकता के आधार पर बच्चों को इंटर्नशिप के लिए अलग-अलग संस्थाओं में भी भेजा जा रहा है. झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने हेडमास्टरों को निर्देश दिया है कि जरूरत पड़ने पर बच्चों को सरकारी संस्थाओं में भी इंटर्नशिप कराने के लिए प्रस्ताव तैयार करें. इंटर्नशिप केवल कक्षा 11वीं और 12वीं के वोकेशनल बच्चों के लिए ही मान्य होगा. व्यावसायिक शिक्षा को लेकर शुक्रवार को झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के ऑफिस में जिला स्तरीय शिक्षा पदाधिकारियों की कार्यशाला आयोजित की गई.

कार्यशाला | डॉ संजय भुइयां ने जेंडर प्ररिपेक्ष्य से पाठ्य पुस्तक विश्लेषण पर दिए व्याख्यान

बीएड कार्यशाला में जेंडर से जुड़ी कुरीतियों पर हुई चर्चा

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के लर्निंग स्पोर्ट्स सेंटर में चल रहे इग्नू बीएड कार्यशाला-2 के आठवें दिन शुक्रवार को प्रथम सत्र की शुरुआत यूनिवर्सिटी की इग्नू बीएड प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर डॉ त्रिपुरा झा ने प्रार्थना के साथ की. विषय प्रवेश कराते हुए व्यक्तिगात्मक शोध प्रतिवेदन के प्रति शिक्षार्थियों को उन्होंने सजगता प्रदान की. कार्यशाला के प्रथम एवं द्वितीय सत्र का संचालन वीमेंस यूनिवर्सिटी शिक्षा संकायक के डॉ संजय भूइयां ने किया. कार्यशाला में डॉ संजय भुइयां ने जेंडर प्ररिपेक्ष्य से पाठ्य पुस्तक विश्लेषण पर व्याख्यान दिए एवं समूह कार्य के माध्यम से व्यक्तिगत प्रतिवेदन तैयार करवाया.

कार्यशाला में मंच पर उपस्थित वक्तागण.

कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी.

कार्यशाला का शीर्षक 'जेंडर एवं सामानता' : शुक्रवार की कार्यशाला का शीर्षक ''जेंडर एवं सामानता'' था. इसमें संसाधन सेवी डॉ भुइयां ने इस शीर्षक का विचार, महत्व एवं अपने समाज में छिपी स्टीरियोटाइप के विभिन्न प्रकार के जेंडर से जुड़ी कुरीतियों से अवगत कराया. साथ ही यह भी बताया कि समाज में अमन एवं समानता किस प्रकार लाई जा सकती है. लिंग विषमता एवं क्षमताओं से जुड़े शीर्षक पर उन्होंने दत्त कार्य करने पर बल दिया, ताकि कार्यशाला का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके. कार्यशाला में तृतीय एवं चतुर्थ सत्र का संचालन अजीत दुबे ने किया. इसके शीर्षक लैंगिक समानता में रुकावट लाने वाली सामाजिक प्रथाओं पर उन्होंने प्रभावकारी पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन दिया. उन्होंने प्रशिक्षुओं को समाज में चल रही विभिन्न प्रथाओं से अवगत कराया. आठवें दिन कार्यशाला के संचालन में डॉ त्रिपुरा झा, नेहा सुरुचि मिंज की सराहनीय भूमिका रही.

खास बातें

- विभिन्न जिलों व राज्यों से आए प्रतिभागी हो रहे हैं शामिल
- समाज में चल रही विभिन्न प्रथाओं से अवगत हुए प्रशिक्षु

आईआईटी-आईएसएम धनबाद में खुलेगी 5-जी यूज केस लेबोरेटरी

संवाददाता। धनबाद

आईआईटी-आईएसएम धनबाद में 5-जी यूज केस लेबोरेटरी बनेगी. नई दिल्ली के प्रगति मैदान के भारत मंडपम में आयोजित मोबाइल कांग्रेस 2023 के सातवें संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईआईटी धनबाद को यह सौगात दी. कार्यक्रम में आईआईटी-आईएसएम के निदेशक प्रो जेके पटनायक के नेतृत्व में संस्थान का प्रतिनिधिमंडल भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुआ. घोषणा के बाद से आईआईटी में हर्ष का माहौल है. उपनिदेशक प्रो धीरज कुमार ने बताया कि इस प्रयोगशाला के विकास से दक्षता निर्माण में मदद मिलेगी और छात्रों, ग्रामीण और दूरदराज के छात्रों को भी मदद मिलेगी. इससे स्वदेशी डिजाइनों और प्रौद्योगिकी विकास में मदद मिलेगी.

धनबाद लोकसभा क्षेत्र समन्वय समिति की बैठक में संगठन की मजबूती सहित हर बिंदु पर विचार-विमर्श

कांग्रेस में कोई अनबन नहीं, देश में बदलाव की लहर : अविनाश

संवाददाता। धनबाद

कांग्रेस के झारखंड प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि जनता केंद्र केंद्र की मोदी सरकार से त्रस्त है. पूरे देश में बदलाव की लहर चल रही है. कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजे इसका प्रमाण है. जनता जमीनी मुद्दों से जुड़ रही है. प्रदेश प्रभारी शुक्रवार को शहर के ब्लेसिंग हॉल में पार्टी की धनबाद लोकसभा समन्वय समिति की समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे. कहा कि जिला संगठन में किसी तरह की अनबन नहीं है. सभी लोग एकजुट होकर पार्टी के एजेंडा पर काम कर रहे हैं.

कार्यों की जानकारी ली गई : अविनाश पांडे ने कहा कि बैठक में पूर्व में दिए गए कार्यों की जानकारी ली गई. कुछ खामियां मिली हैं, जिसे सुधारने के लिए स्थानीय कमेटी को दिशा-निर्देश दिए गए हैं. धनबाद लोकसभा क्षेत्र में संगठन का पूर्ण गठन हो चुका है. अगली बैठक में मतदाता सूची और स्थानीय मुद्दों की समीक्षा की जाएगी. धनबाद में यह तीसरी बैठक है. मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, स्वास्थ्य मंत्री सह धनबाद के प्रभारी मंत्री बन्ना गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष जलेश्वर महतो, जिला अध्यक्ष संतोष सिंह सहित कांग्रेस के अन्य वरीय नेता उपस्थित रहे.

इंडिया गठनबंधन का संयुक्त उम्मीदवार : प्रदेश प्रभारी ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में सूबे की 14 में से प्रत्येक लोकसभा सीट पर इंडिया गठबंधन का संयुक्त उम्मीदवार होगा.

देश में अघोषित आपातकाल

केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए प्रदेश प्रभारी ने कहा कि देश में अघोषित आपातकाल की स्थिति है. संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग हो रहा है. पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के समय कांग्रेस नेताओं को ईडी, सीबीआई के जरिए परेशान किया जा रहा है. कांग्रेस इससे डरने वाली नहीं है. पिछले साढ़े नौ साल में देश में एक भी उद्योग स्थापित नहीं हुआ. युवाओं को स्थाई नौकरी नहीं मिल रही है. महंगाई चरम पर है. इन मुद्दों को लेकर इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव में जनता के बीच जाएगा.

विधायक पूर्णिमा सिंह के भाजपा से संपर्क में रहने की बातें गलत

यह पूछे जाने पर कि झरिया विधायक पूर्णिमा सिंह राम कथा के बहाने बीजेपी से संपर्क बढ़ा रही हैं. समन्वय समिति की बैठक में तीसरी बार भी अनुपस्थित रहीं, के ज़वाब में पांडे ने कहा कि इस तरह की बातें निराधार हैं. वह लगातार हमलोगों के संपर्क में हैं. आज भी उनसे बातचीत हुई है. आपलोग (पत्रकार) बीजेपी का एजेंडा नहीं चलाएं, संगठन अपना काम कर रहा है, कहीं कोई किंतु-परंतु नहीं है.

आओ जानें

खरसावां से कब कौन जीतकर पहुंचे झारखंड विधानसभा

वर्ष	पार्टी	विधायक
2000	भाजपा	अर्जुन मुंडा
2005	भाजपा	अर्जुन मुंडा
2009	भाजपा	मंगल सिंह सोय
2010	भाजपा	अर्जुन मुंडा
2014	झामुमो	दशरथ गागराई
2019	झामुमो	दशरथ गागराई

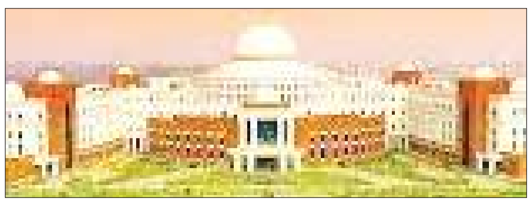

ब्रीफ खबरें

आज हरमू मैदान में जेपी नड्डा की सभा

रांची । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा आज रांची के हरमू मैदान में संकल्प सभा को संबोधित करेंगे. जेपी नड्डा बाबूलाल मरांडी के निकाले गये संकल्प यात्रा के समापन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे. सभा में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी और संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह समेत पार्टी के सांसद-विधायक मौजूद रहेंगे.

झारखंड बचाओ मोर्चा का सम्मेलन 29 को

रांची । झारखंड बचाओ मोर्चा के बैनर तले राज्यस्तरीय सम्मेलन 29 अक्टूबर को किया जाएगा.शुक्रवार को झारखंड बचाओ मोर्चा के केंद्रीय संयोजक विजय शंकर नायक ने कहा कि झारखंड बचाओ मोर्चा का राज स्तरीय सम्मेलन 29 अक्टूबर को डीबाडीह में किया जाएगा.जिसमें हजारों की संख्या में राज्य भर के लोग शामिल होंगे.उन्होंने कहा कि झारखंड को एक नई दिशा देने पर काम किया जाएगा.

विधायक ने पोताला मार्केट का किया शुभारंभ

रांची। ठंड के दस्तक देते ही राजधानी में गर्म कपड़ों के बाजार सजने लगे हैं. हर साल की तरह इस वर्ष भी तिब्बत से आये लोगों द्वारा पोताला स्वेटर मार्केट का शुभारंभ लालपुर स्थित सर्कुलर रोड में महेंद्र प्रसाद महिला महाविद्यालय के निकट किया गया है.शुक्रवार को इसका उद्घाटन रांची के विधायक सीपी सिंह ने किया. पिछले 53 साल से रांची में तिब्बत के लोगों द्वारा बाजार लगाया जा रहा है. इस बार कुल 58 स्टॉल लगाये गये हैं.

भाजपा शिष्टमंडल ने किया निरीक्षण

चौपारण । हजारीबाग के सांसद जयंत सिन्हा के निर्देशानुसार गुरुवार को भाजपा के शिष्टमंडल ने चौपारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया. प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ भुनेश्वर गोप ने प्रतिनिधिमंडल को अस्पताल की गतिविधियों से विस्तार से अवगत कराया. साथ ही एंबुलेंस, चिकित्सक तथा स्टॉफ आवास उपलब्ध कराने का आग्रह किया.

विधायक ने बीएलओ के साथ ली सेल्फी

चौपारण । मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के तहत मतदाता सूची प्रारूप प्रकाशन के अवसर पर चौपारण के केबीएसएस प्लस टू हाई स्कूल बूथ संख्या-56 मतदान केंद्र पहुंच कर बरही विधायक उमाशंकर अकेला यादव ने बीएलओ मीना कुमारी के साथ सेल्फी ली. साथ ही उन्होंने कहा कि हमें सभी बीएलओ पर गर्व है, क्योंकि जिस समर्पण भाव से इन लोगों ने मतदाता पुनरीक्षण का कार्य करती हैं.

समस्याओं पर आजसू नेता हरेलाल ने की चर्चा

चांडिल । चांडिल
कपाली के ताजनगर स्थित मदरसा आयशा में मुस्लिम समाज के लोगों के के साथ आजसू पार्टी के नेता हरेलाल महतो ने बैठक कर समस्याओं पर चर्चा की. मौके पर मुस्लिम समाज के प्रबुद्ध लोगों ने हरेलाल महतो से समस्याओं के समाधान में सहयोग की अपील की. बैठक में कपाली क्षेत्र में मूल रूप से जर्जर सड़क, बजबजाती नाली और पेयजल संकट की समस्या मुख्य रूप से उभरकर सामने आई.

प्रधानमंत्री मोदी ने गरीब, किसान व मां-बहनों का किया सम्मान

गरीबों का अनाज तक खा रही हेमंत सरकार : मरांडी

संवाददाता। चांडिल

सब्जबाग दिखाकर सत्ता में आने वाली हेमंत सरकार वास्तव में गरीबों का अनाज भी खा रही है. चुनाव के दौरान किए गए एक भी वादे को हेमंत सरकार ने अबतक पूरा नहीं किया है. रोजगार नहीं तो बेरोजगारी भत्ता युवाओं के लिए सपना बन गया है. उक्त बातें राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहीं. शुक्रवार को वह ईचागढ़ प्रखंड के टीकर हाई स्कूल मैदान में संकल्प यात्रा के तहत आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार पिछले पौने चार साल से सिर्फ बड़ी-बड़ी घोषणाएं करती रही है. चुनावी घोषणा पत्र में ही नहीं बल्कि विधानसभा में भी युवाओं को रोजगार देने, कानून व्यवस्था सुधारने सहित विकास कार्यों के कई दावे किए. लेकिन किसी भी बातों का अनुपालन नहीं किया. हेमंत सरकार ने जनता को ठगकर और दिग्भ्रमित कर सत्ता हासिल की है. बाबूलाल मरांडी ने कहा कि लोगों के जीवन को दूभर करने वाली इस सरकार को झारखंड से उखाड़ फेंकना होगा. इसके लिए लोगों को संकल्प लेना होगा. देश और राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सुशासन वाली सरकार बनानी है.

अपराध मुक्त झारखंड बनाएंगे : बाबूलाल मरांडी ने कहा कि संकल्प यात्रा अंतिम पड़ाव पर है. 73 विधानसभा क्षेत्र में कार्यक्रम करने के बाद अब यह संकल्प यात्रा न रहकर जन संकल्प यात्रा का रूप धारण कर चुका है.

बाबूलाल मरांडी को मां दुर्गा की प्रतिमा भेंट करते सांसद संजय सेठ व अन्य.

खास बातें

- सिर्फ बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर रही हेमंत सरकार
- चार साल में एक भी वादा पूरा नहीं कर सकी सरकार
- बेहतर जिंदगी के लिए इस सरकार को उखाड़ फेंकना है

मरांडी ने कहा कि आने वाले दिनों में राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो राज्य की तस्वीर और तकदीर बदली जाएगी. झारखंड को अपराधमुक्त झारखंड बनाया जाएगा. राज्य की बुनियादी ढांचा को मजबूत किया जाएगा. संकल्प यात्रा कार्यक्रम को रांची के भाजपा सांसद संजय सेठ ने भी संबोधित किया. उन्होंने राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए जमकर कोसा और केंद्र सरकार की योजनाओं की तारीफ की. कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष विजय महतो, रमेश हांसदा, गणेश महली, विनोद सिंह, कुलवंत सिंह बंटी, मधु गोराई, तरु सिंह मुंडा, अनिता पारित, ठाकुर दास महतो, दिवाकर सिंह मौजूद थे.

भाजपा की देन है झारखंड

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपानीत एनडीए सरकार की देन है. अलग राज्य के साथ भाजपा की सरकार ने राज्य के गांव-गांव में सड़कों का जाल बिछाया है. नदी-नालों में पुल-पुलिया बनाया है. अगर भाजपा की सरकार नहीं बनती तो न झारखंड अलग राज्य बनता और न गांव-गांव में सड़क व पुल-पुलिया बनता. अलग राज्य के नाम पर आंदोलन करने वालों को कांग्रेस सरकार गोद में बैठाकर खिलाती थी. उन्होंने कहा कि यहां आदिवासी-मूलवासियों के विकास के लिए अलग राज्य बनाया गया था, लेकिन आज सत्ता में बैठे लोग खुद की तिजोरी भरने में लगे हैं. उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि गरीबों की जिंदगी भाजपा सरकार ने बदली है. मां और बहनों की तकलीफ मोदी सरकार ने ही समझा है. प्रधानमंत्री ने जो कहा वह कर दिखाया है. गरीबों को जनधन खाता खुलवाकर उन्हें बैंक की चौखट पार कराया है. हर गरीब को पांच किलो अनाज दिया ताकि कोई भूखा न रहे. अच्छा स्वास्थ्य मिले इसे लेकर आयुष्मान भारत कार्ड बनाकर चिकित्सा सुविधा दी. उज्जवला योजना के तहत महिलाओं को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया. राजनीति में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया है.

नारायणपुर बस स्टैंड के पास लगेगा सीसीटीवी कैमरा : इरफान अंसारी

जामताड़ा । विधायक डॉ. इरफान अंसारी ने शुक्रवार को नारायणपुर प्रखंड के तीन अलग-अलग जगहों पर हाईमास्ट लाइट का उद्घाटन किया. मुरली पहाड़ी मोड़, जुम्मन मोड़ एवं नारायणपुर बस स्टैंड के पास नया हाईमास्ट लाइट लगाया गया है. इस मौके पर इरफान ने कहा कि हाईमास्ट लाइट लग जाने से राहगीरों को सहूलियत होगी. यहां के बस स्टैंड के यात्रियों को रात अंधेरे का सामना नहीं करना पड़ेगा. वहीं फुटपाथ पर व्यवसाय करने वाले गरीब दुकानदारों को भी रात में अपना व्यवसाय कर सकेंगे. उन्होंने कहा कि अंधेरा हो जाने पर रात में नारायणपुर बस स्टैंड पर यात्री बस नहीं रुकती थी. अब लाइट लग जाने से रात्रि बसें रुकेंगी. साथ उन्होंने कहा की मुरली पहाड़ी मोड में काफी दिनों से मांग थी कि हाई मास्ट लाइट लगाई जाए, जो पूरी हुई. उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हर चौक-चौराहों पर लाइट लगाई जाएगी.

सीएम बनने की चाह में मरांडी कर रहे अनर्गल बयानबाजी : समीर

- झामुमो जिला प्रवक्ता ने बाबूलाल मरांडी के बयान पर किया पलटवार

संवाददाता। धनबाद

समीर रवानी, झामुमो जिला प्रवक्ता

झामुमो के धनबाद जिला प्रवक्ता समीर रवानी ने बाघमारा में एक दिन पहले प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा दिए गए बयान पर पलटवार किया है. शुक्रवार को जारी प्रेस बयान में उन्होंने कहा कि जनता जानती है कि बाघमारा क्षेत्र में कोयला चोरी कौन करा रहा है. गुरु, चेला की जोड़ी को सब देख रहे हैं. मरांडी आखिरी बार मुख्यमंत्री बनने की चाहत में राज्य सरकार के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं. भाजपा हेमंत सरकार को गिराने के लिए साजिश रच रही है. लेकिन उसकी इच्छा कभी पूरी नहीं होगी.

संकल्प यात्रा पूरी तरह फ्लॉप रही : समीर रवानी ने कहा कि बाघमारा विधानसभा क्षेत्र में एक दिन पहले हुई मरांडी की संकल्प यात्रा पूरी तरह फ्लॉप रही है. वह हर जगह ईडी का प्रवक्ता बनकर बयान देते फिर रहे हैं. कह रहे हैं कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन डर कर सुप्रीम कोर्ट चले गए. उनके कथन का मतलब यह है कि देश की न्याय प्रणाली में विश्वास करने वाले सभी लोग डरपोक हैं. राज्य की जनता इनके झांसे में नहीं आने वाली है. 2019 की तरह 2024 में राज्य में पुनः हेमंत सोरेन के नेतृत्व में आदिवासी-मुलवासियों की सरकार बनेगी.

आदिवासी-मूलवासी एकता संघर्ष समिति ने निकाली विशाल रैली

वन संशोधन बिल रद्द करने की मांग

संवाददाता। किरीबुरू

वन संरक्षण संशोधन अधिनियम 2023, वन क्षेत्र में निवास करने वाले आदिवासी-मूलवासियों की आपत्ति आवेदन एवं सूचना का अधिकार संशोधन अधिनियम 2023 को रद्द करने की मांग तेज हो गई है. शुक्रवार को इस मांग को लेकर आदिवासी-मूलवासी एकता संघर्ष समिति के बैनर तले दिरीबुरु पंचायत के मुखिया गंगाधर चातोम्बा के नेतृत्व में जगन्नाथपुर में विशाल रैली निकाली गई. यह रैली जगन्नाथपुर कॉलेज से शुरू होकर अनुमंडल कार्यालय पहुंची. समिति के पदाधिकारियों ने एसडीओ को इससे संबंधित एक मांग पत्र राष्ट्रपति के नाम सौंपा.

वन पर आश्रितों के लिए खतरा : मंगल सिंह बोबोंगा ने कहा कि वन संरक्षण संशोधन अधिनियम 2023 एवं वन अधिकार अधिनियम 2006 पूर्णरूप से एक-दूसरे में विरोधाभास है. साथ ही पेसा कानून और भूमि अधिग्रहण कानून 2013 में प्रदत्त अधिकारों को सीमित करता है.

खास बातें

- एसडीओ को राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा
- वन संरक्षण संशोधन बिल पेसा कानून को प्रभावित करता है

रांची में आज कांग्रेस का लीडरशिप डेवलपमेंट मिशन प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रभारी समेत कई राष्ट्रीय नेता हिस्सा लेंगे

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस द्वारा 28 अक्टूबर को लीडरशिप डेवलपमेंट मिशन प्रशिक्षण कार्यकम का आयोजन किया गया है. यह कार्यक्रम सुबह 11.30 बजे से गीतांजलि बैंक्वेट हॉल चिरौंदी में होगा. कार्यक्रम में झारखंड प्रभारी अविनाश पांडेय, नेशनल कोऑर्डिनेटर के राजू, अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश लिलोठिया और प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर शामिल होंगे. प्रदेश महासचिव सह प्रवक्ता राकेश सिन्हा ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित उदयपुर चिंतन शिविर में निर्णय लिया गया था कि एससी और एसटी आरक्षित संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों में वंचित वर्गों के बीच नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए लीडरशिप डेवलपमेंट मिशन यानी नेतृत्व विकास ध्येय चलाया जाएगा. इसमें एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों की सक्रिय भूमिका होगी.

खास बातें

- कार्यक्रम सुबह 11.30 बजे से चिरौंदी में शुरू होगा
- वंचित वर्गों के बीच नेतृत्व को बढ़ावा दिया जाएगा

पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव घर वापसी करेंगी

राकेश सिन्हा ने बताया कि कांग्रेस द्वारा चलाये जा रहे आ अब लौट चले अभियान के तहत कई पुराने और नये लोगों का कांग्रेस में वापसी हो रहा है. इसी के तहत पूर्व शिक्षा मंत्री गीताश्री उरांव शनिवार को दिन के 3 बजे इटकी रोड मेजर कोठी के पास आगमन बैंक्वेट हॉल में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करेंगी. कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर उपस्थिति रहेंगे.

लालू ने जेल से सोनिया को किया था फोन

बाबूलाल मरांडी ने यूं कसा तंज- देख रहे हो न बिनोद...

प्रमुख संवाददाता। रांची

राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव के एक बयान के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर सवाल खड़े हो रहे हैं. दरअसल, लालू यादव ने कहा कि उन्होंने जेल से सोनिया गांधी और कांग्रेस के बड़े नेताओं को फोन कर डॉ.अखिलेश कुमार सिंह को राज्यसभा सदस्य बनवाया था. लालू के इस बयान को लेकर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मंराडी ने सीएम हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है. उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट कर तंज कसा कि देख रहे हो न बिनोद. ये हेमंत सोरेन सरकार में जंगलराज का नमूना है. जेल में अपराधियों को फोन देती है यह सरकार. पहले भी और आज भी, और कैसे फोन पर सोनिया गांधी सजा काट रहे अपराधी की बात मान लेती है.

खास बातें

- लालू के बयान पर मरांडी ने हेमंत पर निशाना साधा
- अखिलेश सिंह को जबरन राज्यसभा सदस्य बनाया गया

क्या बोले थे लालू प्रसाद

आपको बता दें कि बिहार के पहले मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह की जंयती पर कांग्रेसियों के बुलावे पर राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव भी पहुंचे थे. इस दौरान लालू यादव ने कहा कि डॉ. अखिलेश कुमार सिंह मांग कर राज्यसभा सदस्य नहीं बने, बल्कि उन्हें जबरदस्ती राज्यसभा सदस्य बनाया गया है. लालू ने आगे कहा कि वो उस समय जेल में थे. तब डॉ. अखिलेश कुमार सिंह उनसे मिलने आए थे, किसी दूसरे को राज्यसभा सदस्य बनाए जाने को लेकर, तब उन्होंने ही कहा कि तुम खुद राज्यसभा सदस्य बन जाओ.

अन्य कांग्रेसी नेताओं को भी किया था फोन

लालू यादव ने कहा कि इसके बाद उन्होंने सोनिया गांधी और अन्य कांग्रेसी नेताओं को फोन कर कहा कि आप डॉ. अखिलेश कुमार सिंह उम्मीदवार बनाइए, हम भी उनको सपोर्ट करेंगे. इसके बाद अखिलेश कुमार राज्यसभा सदस्य बन गए, जो आज भी हैं. आपको बता दें कि जेल से लालू प्रसाद के फोन करने को लेकर पहले भी कई बार विवाद खड़े हो चुके हैं. यह पहली बार है जब लालू प्रसाद ने खुद स्वीकार किया है कि उन्होंने जेल में रहने के दौरान फोन का इस्तेमाल किया था.

साक्षात्कार 2024 चुनाव में अहम बदलाव दिखेंगे ,आजसू चौपाल स्तर तक पैठ सुनिश्चित करेगी

आजसू पार्टी भाजपा के साथ मिलकर लड़ेगी चुनाव : सुदेश

नमिता तिवारी । रांची

ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) के प्रमुख सुदेश कुमार महतो ने कहा है कि उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी. झारखंड की राजनीति में अहम स्थान रखने वाले महतो ने कहा कि 2024 के चुनाव में 'अहम बदलाव' दिखाई देंगे और उनकी पार्टी चुनाव और निर्णायक नीतियों में जनभागीदारी के लिए ग्राम चौपाल स्तर तक पैठ सुनिश्चित करेगी.

सुदेश महतो ने भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा है कि भाजपा के साथ गठबंधन होगा, लेकिन पूरा ध्यान विभिन्न स्तरों पर नेतृत्व तैयार करने पर होगा. जिसकी राज्य के गठन के 20 वर्ष होने के बाद भी कमी है. उन्होंने कहा कि पार्टी की दीर्घकालिक मांग होगी कि विधानसभा की सीटें 81 से बढ़ाकर 160 की जाएं.

राज्य में शिबू सोरेन तथा अर्जुन मुंडा सरकार में उप मुख्यमंत्री रहे महतो ने कहा कि झारखंड में सबसे मूलभूत बाधा है नेतृत्व की कमी. मेरा दृष्टिकोण ऐसा नेतृत्व तैयार करना है जिसमें सत्ता की नहीं बल्कि विकास की ललक हो. कहीं भी, जो भी परिवर्तन और विकास होता है वह उसके नेताओं के कारण होता है. वर्ष 2000 में बिहार से अलग होकर राज्य बनने के बाद से यहां मुख्य रूप से खंडित जनादेश मिला और अल्पकालिक सरकारें रही हैं. उन्होंने कहा कि केवल पिछली भाजपा सरकार ने पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा किया. अच्छे नेतृत्व से ही सतत विकास संभव है और अब हम चौपाल के लोगों को भी शामिल कर रहे हैं. अगले चुनावों में परिवर्तन स्पष्ट दिखाई देगा. सिल्ली से विधायक महतो ने कहा कि हम भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे, लेकिन हमने पहले ही नेतृत्व के विकेन्द्रीकरण की कवायद शुरू कर दी है. हमारे लिए सीटों का बंटवारा इतना अहम मुद्दा नहीं है जितना कि गांव के स्तर पर भी नेतृत्व तैयार करना है. 32,000 गांवों में भारी कवायद शुरू हो गई है.

खास बातें

- विधानसभा की सीटें 81 से बढ़ाकर 160 की जाएं
- झारखंड में मूलभूत बाधा नेतृत्व की कमी है

सदन में आजसू के तीन विधायक हैं

81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा में सत्तारूढ़ संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के 47 विधायक हैं, झारखंड मुक्ति मोर्चा के 29, कांग्रेस के 17 और राजद का एक विधायक है. सदन में भाजपा के 26 और आजसू पार्टी के तीन सदस्य हैं. दो निर्दलीय विधायकों के अलावा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी) के एक-एक विधायक हैं.

जदयू के प्रमंडलीय प्रभारियों की घोषणा संगठन को मजबूत बनाने का निर्देश

संवाददाता। रांची

झारखंड जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया है. इसी कड़ी में विभिन्न प्रमंडलों में संगठन प्रभारी मनोनीत किए गए हैं. प्रभारियों को निर्देश दिया गया है कि पार्टी को पंचायत से लेकर बूथ स्तर तक मजबूत करें.

इन्हें किया गया प्रभारी मनोनीत

- हाजी हसिब खां : पूर्व उपाध्यक्ष, प्रभारी, दक्षिण छोटनागपुर प्रमंडल
- अशोक चौधरी : पूर्व उपाध्यक्ष, प्रभारी, संथाल परगना प्रमंडल
- शैलेंद्र महतो : पूर्व संयोजक, प्रभारी, पलामू प्रमंडल
- मुन्ना मल्लिक : प्रदेश महासचिव प्रभारी, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल
- श्रवण कुमार : प्रदेश महासचिव, प्रभारी, कोल्हान प्रमंडल

▼ ब्रीफ खबरें

आयुष सोसायटी के साथ डीसी ने की बैठक

पाकुड़। उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने शुक्रवार को उपायुक्त कार्यालय में जिला आयुष सोसायटी के सदस्यों के साथ बैठक की. साथ ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. आयुष गतिविधियों के बारे में चर्चा करते हुए सोसायटी के सदस्यों को निर्देश दिया कि आयुष गतिविधियों को बढ़ाया जाए तथा राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत अधिक से अधिक कैंप लगाकर लोगों को आयुष के प्रति जागरूक किया जाए व संपूर्ण स्वास्थ्य के बारे में लोगों को बताया जाए.

अपर समाहर्ता ने जनता दरबार में सुनी शिकायतें

धनबाद। अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने शुक्रवार को समाहरणालय में जनता दरबार लगाया. जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों की फरियाद सुनी. जनता दरबार में पारिवारिक मामले, स्वास्थ्य संबंधित मामले, रोजगार एवं शिक्षा से संबंधित मामले, जमीन से जुड़े मामले, प्रमाण पत्र निर्गत करने, बीपीएल कोटा में बच्चों के एडमिशन, काम कराकर वेतन नहीं देने के मामले, रास्ता रोकने के मामले सहित अन्य शिकायतें आई. उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को शिकायतों के निष्पादन करने का निर्देश दिया.

34 लाभुकों के बीच पेंशन स्वीकृति पत्र बंटा

चाकुलिया। प्रखंड के लोधाशोली पंचायत भवन परिसर में शुक्रवार को पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ. पंचायत के विभिन्न गांवों से पहुंचे वृद्ध, विधवा, एकल महिला, दिव्यांग, सर्वजन पेंशन, परित्यक्ता योजना के तहत 34 लाभुकों के बीच पंचायत की मुखिया मंजू टुडू ने पेंशन स्वीकृति पत्र का वितरण किया. मुखिया ने कहा कि गांव के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही उनकी प्राथमिकता है.

भ्रष्टाचार को न कहें, राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें : गुप्ता

बेरमो। सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत शुक्रवार को सीसीएल के कथारा महाप्रबंधक कार्यालय के सभागार कक्ष में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया. सेमिनार ''भ्रष्टाचार को ना कहें राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें'' विषय पर आयोजित किया गया. कथारा क्षेत्र के महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता खास तौर मौजूद थे. कार्य प्रणाली में भ्रष्टाचार को रोकने तथा भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले मुखबिरों के संरक्षण के लिए पारित संकल्प पर विस्तृत चर्चा हुई.

अनुकंपा समिति और स्थापना समिति की बैठक

साहिबगंज। शुक्रवार को उपायुक्त राम निवास यादव की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला अनुकंपा समिति एवं स्थापना समिति की बैठक आयोजित की गई. जिला स्थापना शाखा अंतर्गत अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति हेतु 23 मामलों को उपायुक्त के समक्ष रखा गया. जिस पर समिति द्वारा विचार-विमर्श किया गया. इस क्रम में उपायुक्त ने सभी मामलों की आवश्यक डॉक्यूमेंट की जांच की एवं इससे संबंधित आवश्यक निर्देश दिए.

परियोजना निदेशक ने किया निरीक्षण

बहरागोड़ा। प्रखंड क्षेत्र में स्थित एनएच 49 तथा एनएच 18 के संगम स्थल पर बने फ्लाईओवर का निरीक्षण एनएचएआई के परियोजना निदेशक पूर्ण चंद्र काहिली ने अपनी टीम के साथ किया. उन्होंने फ्लाईओवर का मेजरमेंट और सड़क की मापी की. वहीं उपस्थित लोगों ने बताया कि एनएचएआई की गलत रोड डिजाइनिंग के कारण सर्विस रोड को मेन रोड बना दिया गया है. इससे आए दिन यहां के स्थानीय लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं.

जन औषधि केंद्र से मरीजों को मिलने लगी दवाएं

धनबाद। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक बार फिर जन औषधि केंद्र शुरू हुआ. अब यहां से मरीजों को सस्ती जेनरिक दवा उपलब्ध होने लगी है. बताते चलें कि केंद्र के फार्मासिस्ट का तबादला गोविंदपुर किए जाने के बाद से दवा केंद्र बंद था. इससे मरीजों को परेशानी हो रही थी. मरीजों की परेशानी को देखते हुए फार्मासिस्ट अरविंद शर्मा को पुनः जन औषधि केंद्र स्थानांतरित किया गया. दवा केंद्र शुरू होने से अस्पताल के मरीजों को राहत मिल रही है.

धनबाद-चंद्रपुरा लाइन का वैकल्पिक रूट तैयार कर रहा रेलवे

संवाददाता । धनबाद

भूमिगत आग के खतरे को देख रेलवे धनबाद-चंद्रपुरा रेल लाइन का वैकल्पिक रूट तैयार कर रहा है. रेल सूत्रों के अनुसार मतारी-तेलो- दुग्दा के बीच रेलवे ऑन रेल लाइन ब्रिज के साथ-साथ पटरी बिछाने का काम भी शुरू हो चुका है. मतारी से तेलो और दुग्दा तक रेल लाइन बिछाने और ब्रिज बनाने में रेलवे को चार-पांच वर्ष लग सकते हैं. मतारी से तेलो और तेलो से दुग्दा के बीच जमीन समतल नहीं होने से निर्माण कार्य में दिक्कत हो रही है. रेलवे को डीसी लाइन की ट्रेनें चलाने के लिए 13 किमी तक लाइन बिछानी होगी. जिसमें 500 करोड़ का बजट मिला है. अभी धनबाद-चंद्रपुरा रेल लाइन के बीच दो दर्जन एक्सप्रेस-पैसेंजर ट्रेनें अप-डाउन में चल रही है. आनेवाले दिनों में ये सभी वाया मतारी-तेलो-दुग्दा-चंद्रपुरा के रास्ते चलायी जाएंगी.

यात्रियों को होगी दिक्कत, 13 किमी बढ़ जाएगी दूरी

धनबाद से चंद्रपुरा तक कुल 16 स्टेशन व हॉल्ट है. जबकि दूरी 34 किमी है. डीसी लाइन बंद होने और नई लाइन बिछने के बाद 13 किमी दूरी बढ़ जाएगी. धनबाद से चंद्रपुरा के बीच 34 किमी की सफर 47 किमी हो जाएगी. रूट बदलने से धनबाद के साथ-साथ कुसुंडा, बांसजोड़ा, बसेरिया, सिजुआ, अंगारपथरा हॉल्ट, कतरासगढ़, तेतुलिया हॉल्ट, सोनारडीह हॉल्ट, टुण्डू हॉल्ट, बुदौरा हॉल्ट, फुलवारटाँड़, जमुनी हॉल्ट, जमुनियाटांड़, दुग्दा व चंद्रपुरा स्टेशन के आसपास रहनेवाले बड़ी आबादी को काफी दिक्कतों का सामना करना होगा. धनबाद-चंद्रपुरा के यात्रियों को कतरासगढ़ या अन्य स्टेशन जाना है, तो उन्हें भी परेशानी होगी.

19 मई 2017 में बंद हुई थी ट्रेनें और मालगाड़ियां

डीजीएमएस (खान सुरक्षा महानिदेशालय) धनबाद की रिपोर्ट पर रेल मंत्री और पीएमओ कार्यालय के निर्देश पर 19 मई 2017 में 20 महीने के लिए डीसी लाइन पर 26 जोड़ी ट्रेनों व मालगाड़ियों का परिचालन बंद कर दिया गया था. उस समय बताया गया था कि सबसे अधिक भूमिगत आग से खतरा बांसजोड़ा, अंगारपथरा और सोनारडीह स्टेशन के आसपास रेललाइन को है.

आओ जानें

राज्य के पुरापाषाणकालीन स्थान

- 1865 में बोकारो से हरा अभ्रकीय - स्फतिक हस्तकुठार प्राप्त किया गया.
- हज़ारीबाग ज़िले में विभिन्न पुरातात्त्विक स्थलों जिनमें बाँदा क्षेत्र से हस्तकुठार, रामगढ़ में पुरापाषाण काल के औज़ार, करहरबरी और बरगुंडा में तांबा निर्मित वस्तुएं प्राप्त हुई हैं.
- पश्चिमी सिंहभूम क्षेत्र में अमाईनगर, चाईबासा, धोरांगी, दहिगाड़ा, गोपालपुर, गालूडीह, मुरगॉन हाता, नरसिंहगढ़ आदि में पुरापाषाणकालीन सामग्रियाँ प्राप्त हुई हैं.
- देवहार में कर्णकोलाजोर नदी सतह से पाषाणयुगीन औज़ार प्राप्त हुए हैं.
- दुमका के पहाड़पुर में गोमई नदी के दक्षिणी किनारे से स्फटिक के धारदार औज़ार प्राप्त हुए हैं.
- इसके अलावा रांची, पूर्वी सिंहभूम आदि स्थानों से पुरापाषाणकालीन तथ्य मिले हैं.

कांग्रेस ने को-ऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक के बहाने तीन लोकसभा सीटों में नापी ताकत

अविनाश पांडेय के बयान से इंडिया गठबंधन में राजनीतिक तपिश बढ़ी

कौशल आनंद। रांची

लोकसभा चुनाव को देखते हुए झारखंड में इंडिया गठबंधन की राजनीतिक तपिश बढ़ गयी है. कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सह झारखंड प्रभारी अविनाश पांडेय ने धनबाद में कोऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक के बाद बयान दिया है कि झारखंड में कांग्रेस 9 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी झारखंड में 9 लोकसभा सीटों पर लड़ी थी और इस बार भी उतनी ही सीटों पर लड़ेगी. कांग्रेस प्रभारी का बयान झामुमो के उस बयान से बिल्कुल उलट है, जिसमें झामुमो 2019 के बाद से झारखंड में खुद को बड़ा भाई कहता रहा है. झामुमो कई मौकों पर कह चुका है कि झारखंड इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दल जानते हैं कि 2019 के बाद राजनीतिक परिस्थितियां बदल चुकी हैं. इसलिए झामुमो इस बार लोकसभा में अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगा. मगर अविनाश पांडेय के ताजा बयान ने सीट शेयरिंग के पहले ही राजनीतिक तपिश बढ़ा दी है.

खास बातें

- झारखंड में कांग्रेस 9 सीटों पर लड़ेगी लोस चुनाव : पांडेय
- यह कांग्रेस का बयान, गठबंधन का नहीं : झामुमो

कांग्रेस के तीन राष्ट्रीय नेताओं ने तीन लोकसभा सीटों में नापी ताकत : मिशन 2024 को लेकर कांग्रेस ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है. शुक्रवार को कांग्रेस के तीन राष्ट्रीय नेता कांग्रेस महासचिव व झारखंड प्रभारी अविनाश पांडेय, नेशनल को-ऑर्डिनेटर के राजू, अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश लिलोटिया झारखंड दौरे पर आए. पहले दिन पांडेय ने धनबाद लोकसभा क्षेत्र में, जबकि अन्य दो नेताओं ने खूंटी और लोहरदगा संसदीय सीट की को ऑर्डिनेशन कमेटी के साथ बैठक की. बैठक के जरिए न केवल चुनावी तैयारी पर चर्चा की, बल्कि संगठन की स्थिति और संबंधित लोकसभा क्षेत्र में अपनी ताकत भी आंकी.

सीट शेयरिंग गठबंधन की कमेटी करेगी : झामुमो

इधर झामुमो ने अविनाश पांडेय के बयान पर पलटवार किया है. झामुमो ने इसे कांग्रेस प्रभारी का निजी बयान करार दिया है. झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि हमारा गठबंधन है और ऐसे बयानों से फर्क नहीं पड़ता .सीटों का बंटवारा गठबंधन की कमेटी तय करेगी. पार्टी प्रवक्ता विनोद पांडेय ने कहा कि अविनाश पांडेय ने जो कहा है, वह गठबंधन का नहीं बल्कि कांग्रेस प्रभारी का बयान है. कांग्रेस पार्टी यह दावा कर सकती है, लेकिन गठबंधन की कमेटी सबकुछ तय करेगी. उन्होंने कहा कि गठबंधन के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर बनी कमेटी में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हैं. वे सीट बंटवारे को लेकर फैसला लेने के लिए अधिकृत हैं.

कमेटी का गठन हो चुका है : कांग्रेस प्रभारी

धनबाद में कोर्डिनेशन कमेटी की बैठक के बाद कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि बैठक में समिति द्वारा पूर्व में दिए गए कार्यों की जानकारी ली गई है. कुछ कुछ स्थानों पर काम में खामियां भी मिली है, उसमें सुधार लाने का निर्देश दिया गया है. उन्होंने दावा किया है कि धनबाद लोकसभा क्षेत्र में पूर्ण रूप से संगठन को मजबूत बनाते हुए कमेटी का गठन हो चुका है. अगली कड़ी में मतदाता सूची और स्थानीय मुद्दों की समीक्षा की जाएगी. राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय समिति का गठन हुआ है. धनबाद में यह तीसरी बैठक है. संगठन मजबूती से अपना काम करे, आपस में सभी लोगों का तालमेल बना रहे, इन सभी बिंदुओं पर हमारी नजर है. हमारे नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित अन्य कई स्टार प्रचारक हैं.

योग्य व्यक्ति के ही आयुष्मान कार्ड बनाने है का निर्देश

मरीजों के आयुष्मान कार्ड की हो स्क्रीनिंग

संवाददाता। रांची

जिन व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड नहीं बना है, अगर वो योग्य हैं, तो उनका आयुष्मान कार्ड बनाया जाए. उक्त बातें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन परिसर के सभागार में आयोजित बैठक के दौरान भारत सरकार के संयुक्त सचिव सह परामर्श गयासुद्दीन अहमद ने कही. बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि अस्पताल में आने वाले सभी मरीजों के आयुष्मान कार्ड की स्क्रीनिंग की जाए.

जिन व्यक्तियों का कार्ड नहीं बना है, अगर वह इसके योग्य हैं तो उनका आयुष्मान कार्ड बनाया जाए. सहियाओं को प्रोत्साहित करें ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों का आयुष्मान कार्ड बन सके.

मौके पर एनएचएम के अभियान निदेशक आलोक त्रिवेदी, निदेशक प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएं डॉ वीरेंद्र कुमार, निदेशक वित्त मनोज कुमार, प्रशासी पदाधिकारी लक्ष्मी नारायण किशोर, नोडल पदाधिकारी डॉ राकेश दयाल समेत विभिन्न को कोषांगों के परामर्शी, आयुष्मान परामर्शी एवं एड्स कंट्रोल के परामर्शी उपस्थित हुए.

सभी लोगों के आभा कार्ड बनाने का निर्देश

बैठक के दौरान गयासुद्दीन अहमद ने निर्देश दिया कि झारखंड के सभी लोगों का आभा कार्ड बनाया जाए. साथ ही बीमारी का डिजिटल रिकॉर्ड भी अस्पतालों में उपलब्ध रखें. ताकि इलाज में आसानी हो सके. उन्होंने बताया कि दिल्ली, मुंबई, केरल जैसे शहरों में यह काम हो रहा है. राज्य के 70 लाख 71 हजार लोगों का आभा कार्ड बनाया जा चुका है. समीक्षा के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय समीक्षा की गई.

टाटा मोटर्स में 29 अक्टूबर की छुट्टी रद्द

जमशेदपुर। टाटा मोटर्स के जमशेदपुर प्लांट में गाड़ियों की डिमांड को देखते हुए प्रबंधन द्वारा रविवार 29 अक्टूबर की छुट्टी रद्द कर दी गई है. वहीं 29 अक्टूबर के बदले 1 नवंबर को प्लांट में छुट्टी रहेगी. इस संबंध में टाटा मोटर्स जमशेदपुर प्लांट हेड रविंद्र कुलकर्णी द्वारा शुक्रवार को नोटिस जारी किया गया है. जारी नोटिस के अनुसार कार्य की अधिकता को देखते हुए जनरल ऑफिस सहित प्लांट के सभी डिपार्टमेंट के विभागीय अधिकारी को छुट्टी रद्द होने एवं रविवार को प्लांट में नियमित रुप से कार्य करने का निर्देश दिया गया है.

रन फोर फिटनेस में कर्मियों व अधिकारियों ने लिया भाग

संवाददाता। कतरास

बीसीसीएल बरोरा एवं ब्लॉक-2 क्षेत्र के द्वारा संयुक्त रूप से फिट इंडिया स्वच्छता रन 4.0 अभियान के तहत शुक्रवार के दिन रन फोर फिटनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में दोनों क्षेत्र के अधिकारी, कर्मचारी एवं बरोरा डीएवी स्कूल के बच्चे इत्यादि शामिल हुए. मौके पर बरोरा क्षेत्र के जी एम पियूष किशोर एवं ब्लॉक-2 के जीएम चितरंजन कुमार ने सभी प्रतिभागियों का अभिवादन किया तथा इस कार्यक्रम के उद्देश्य की जानकारी दी. यह कार्यक्रम हरिणा कॉलोनी गेस्ट हाउस से प्रारंभ कर बरोरा बस्ती एवं नावाडीह बस्ती होते हुए मुराईडीह कोलियरी कार्यालय जाकर समाप्त हुआ. इस कार्यक्रम में अपर महाप्रबंधक, ब्लॉक-2 क्षेत्र काजल सरकार, एएमपी कोलियरी के पीओ पीके सिन्हा, एके झा, मुकेश कुमार, हेमंत कुमार हेना, ए के सिंह, कृष्ण रंजन एवं अन्य लोग उपस्थित थे.

धान की फसल रौंद रहे हैं 27 हाथी, किसानों में आक्रोश

संवाददाता। चाकुलिया

प्रखंड में जंगली हाथियों ने धान की फसल से लहलहाती खेतों को रौंदकर तबाही मचा रखी है. इससे किसान चिंतित और निराश हो गए हैं. किसानों में आक्रोश देखा जा रहा है. हाथियों से धान की फसल को बचाने के लिए उनके पास कोई उपाय नहीं है. किसान धान की फसल से लहलहाते खेतों की बर्बादी देख रहे हैं. गुरुवार रात्रि भातकुंडा पंचायत के धोबाशोल और दक्षिणाशोल गांव में जंगली हाथियों ने भारी उत्पात मचाया.

ग्रामीणों के मुताबिक 27 हाथियों के दल ने खेत में धान की फसल को रौंद दिया और खा भी गए. इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है. जानकारी के मुताबिक 27 जंगली हाथी सुनसुनिया जंगल से निकलकर गांव के पास आ पहुंचे और खेत में धान की फसल को रौंदने लगे. हाथियों ने धोबाशोल के

बबलू नायक, छत्तीस नायक, रासबिहारी नायक, मोती नायक, दीपंकर नायक के खेत में खड़ी धान की फसल को बर्बाद कर दिया. झुंड से कुछ हाथी अलग होकर दक्षिणाशोल गांव में भी घुस आए और गांव में भारी उत्पात भी किया. ग्रामीणों ने मशाल जलाकर हाथियों को भगाया. धान की फसल को बर्बाद कर हाथी हवाई पट्टी की ओर चले गए. यहां हाथियों के आने से कई गांव के किसान चिंतित हैं. हाथी दिन भर जंगलों में रहते हैं और शाम होते ही उपद्रव मचाने लगते हैं.

मुआवुजा नहीं मिलने पर ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

डुमरी। बालुटुंडा पंचायत के केंदुआडीह में शुक्रवार को स्थानीय ग्रामीणों की बैठक हुई. बैठक का नेतृत्व बिरेंद्र प्रसाद यादव ने किया. बैठक में उपस्थित ग्रामीणों से बिरेन्द्र यादव ने कहा कि रेलवे द्वारा अधिग्रहण किये गए कई लोगों की जमीन का मुआवजा अभी तक बकाया है. साथ ही डीएफसीसीआईएल कंपनी ने रेलवे लाइन की बाउंड्री कर दी जबकि कंपनी ने कहा था कि पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना योजना के तहत संबंधित ग्रामीणों को उसके भूमि के एवज में 50 हजार रुपये से 5 लाख तक का मुआवजा दिया जाएगा लेकिन मुआवजा नहीं दिया गया. वहीं इस संबंध में कंपनी से बात की जाती है तो जवाब मिलता है कि आपलोगों की मुआवजा राशि भू-अर्जन कार्यालय गिरिडीह भेज दी गई है. जबकि भू-अर्जन कार्यालय से जानकारी प्राप्त करने पर धनबाद जाने के लिए कहा जाता है, अब हमसब पीड़ित ग्रामीण कहां जायें, समझ में नहीं आ रहा है.

कार्यरत दैनिक वेतनभोगी 29 कर्मियों को बीते सात माह से मानदेय नहीं मिला

वेतन की मांग पर कर्मियों ने जड़ा ताला

संवाददाता। चांडिल

स्वर्णरेखा बहुद्देशीय परियोजना के विभिन्न विभागों में कार्यरत दैनिक वेतनभोगी 29 कर्मियों को बीते सात माह से मानदेय नहीं मिला है. मानदेय नहीं मिलने से नाराज कर्मियों ने गुरुवार को स्वर्णरेखा परियोजना अंचल एवं प्रमंडल कार्यालय के मुख्य गेट पर तालाबंदी कर दी. तालाबंदी करने के कारण कोई भी 3पदाधिकारी व कर्मी कार्यालय के अंदर नहीं जा सके. किसी को भी कार्यालय परिसर के अंदर नहीं जाने दिया गया. परियोजना के अंतर्गत रेडियल गेट मेंटेनेंस, गैलरी मेंटेनेंस, डैम आईबी मेंटेनेंस, बिजली मेंटेनेंस, पानी सप्लाई मेंटेनेंस, अंचल कार्यालय सह प्रमंडल कार्यालय सफाई कर्मचारी समेत अन्य विभागों में दैनिक वेतनभोगी 29 कर्मचारियों को अप्रैल माह से वेतन नहीं मिला है. इससे दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है.

वार्ता विफल, कर्मियों ने कहा - नहीं खोलेंगे ताला

दैनिक वेतनभोगी कर्मियों के तालाबंदी करने की सूचना मिलने के बाद सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता पास्कस टोप्पो वार्ता करने पहुंचे. उनके साथ कई अन्य पदाधिकारी भी मोजूद थे. पदाधिकारियों की आंदोलनरत कर्मियों से लंबी वार्ता चली. इस दौरान कर्मियों ने बताया कि वेतन नहीं मिलने के कारण दो कर्मियों की आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई थी. बीमारी का सही इलाज नहीं करा पाने के कारण दो कर्मियों की मृत्यु हो चुकी है. कई अन्य कर्मियों की पारिवारिक स्थिति विकट हो चुकी है. कर्मियों ने कहा कि पदाधिकारियों को वेतन निकाली की प्रक्रिया पूरी करने में आखिर क्या दिक्कत हो रही है. पदाधिकारी व कर्मियों का आखिरकर विफल रहा और कर्मियों ने गेट का ताला खोलने से इंकार कर दिया. इसके कारण शाम तक कार्यालय के मुख्य गेट पर ताला लटका रहा.

हर बार हमें मिलता है सिर्फ आश्वासन

कर्मियों ने बताया कि विभाग के पदाधिकारी हर बार वेतन देने का आश्वासन देते हैं, लेकिन सात माह से कर्मियों को वेतन नहीं मिला है. दुर्गा पूजा के पहले भी कर्मियों को आश्वासन दिया गया था. वेतन की मांग पर 20 अक्टूबर को भी कर्मियों ने कार्यालय में तालाबंदी की थी. उस समय बताया गया था कि बड़े अधिकारी ने मानदेय की फाइल पर हस्ताक्षर नहीं किया है, जिसके कारण मानदेय नहीं दिया जा सकता. लंबे समय से वेतन नहीं मिलने से परिवार के समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है. बताया गया कि सभी कर्मी परियोजना से विस्थापित हैं. ऐसे में लंबे समय से वेतन का नहीं मिलना उचित नहीं है.

जनसमस्या टाटा-हाता मुख्य मार्ग पर कई वाहन हो चुके है दुर्घटना का शिकार, अक्सर लगता है जाम

हादसे को आमंत्रण दे रहा मार्ग के बीच खड़ा पेड़

संवाददाता। जमशेदपुर

टाटा-हाता मुख्य मार्ग स्थिति लोको मोड़ के पास सड़क के बीच स्थित एक पेड़ दुर्घटना को खुला आमंत्रण दे रहा है. सड़क के दोनों ओर से आने वाली ट्रैफिक के लिए यह किसी खतरे से कम नहीं है. देर रात तक भीड़भाड़ रहने वाली इस सड़क पर यातायात का भी खासा दबाव रहता है. परसुडीह, सुंदरनगर, हाता, हल्दीपो खर व अन्य ग्रामीण क्षेत्र के काफी लोग इसी रास्ते का उपयोग रेलवे स्टेशन जाने के लिए करते हैं. इसके अलावा इस सड़क पर देर रात तक भारी वाहनों का भी आवागमन होते रहता है. ऐसे में लोको मोड़ के पास मौजूद यह पेड़ किसी खतरे से कम नहीं है. सड़क पर डिवाइडर नहीं होने के कारण दोनों ओर से आने वाले वाहनों के लिए यह काफी खतरनाक भी है. इस पेड़ के कारण कई लोग दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं. अच्छी बात यह रही है कि कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ. कई बार लोगों ने इसकी शिकायत भी की लेकिन यहां से पेड़ नहीं हटाया गया.

पेड़ में नहीं लगा है सावधान का बोर्ड : पेड़ में किसी तरह का कोई बोर्ड, रेडियम या रिफ्लेक्टर नहीं लगा है जिस कारण रात के समय इस सड़क से आवागमन करना बेहद ही जोखिम भरा होता है. चालकों को पेड़ दिखाई नहीं देता है, जिससे वाहन पेड़ से टकराकर दुर्घटना का शिकार हो जाते है. आसपास किसी तरह की रोशनी की भी व्यवस्था नहीं है. पिछले तीन महीने में इस पेड़ से टकराकर लगभग दर्जन भर लोग घायल हो चुके है. पेड़ के कारण इस सड़क में आये दिन जाम की स्थिति बनी रहती है, लेकिन जिम्मेदार चुप्पी साधे रहते हैं. अब आने वाले समय में ठंड बढ़ने के साथ जब कोहरे का प्रकोप बढ़ेगा तो दुर्घटना की संभावना भी यहां बढ़ जाएगी. लोगों ने बताया कि कई बार प्रशासन से इस पेड़ को हटाने का आग्रह किया गया लेकिन कोई पहल नहीं हुई. इस बार दुर्गा पूजा को लेकर हुई शांति समिति की बैठक में भी स्थानीय लोगों ने इस मुद्दे को उठाया था, जिस पर जिला प्रशासन ने जल्द ही इस पेड़ को हटाने का आश्वासन दिया था.

क्या कहते हैं लोग

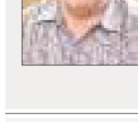

बीच सड़क पर खड़ा यह पेड़ लोगों के लिए खतरा है. यह पेड़ दुर्घटना का केंद्र भी बन गया है. आए दिन इस पेड़ से टकराकर वाहन दुर्घटनाग्रस्त होते रहते है, साथ ही लोग भी घायल होते है. इस पेड़ को जल्द से जल्द हटा दिया जाना चाहिए जिससे दुर्घटना को रोका जा सके.

कमलेश सिंह, मखदुमपुर निवासी

इस पेड़ के कारण अक्सर दुर्घटना की संभावना बनी रहती है. रात के समय में भारी वाहन चालक तेज रफ्तार में वाहन चलाते है जिस कारण यहां दुर्घटना होती रहती है. पूर्व में कई हादसे यहां हो चुके है. अक्सर हादसे का डर बना रहता है. छुटपुट मामले तो यहां प्रतिदिन होते हैं.

राजकिशोर शाह, परसुडीह निवासी

जलापूर्ति योजना जल्द होगी पूरी खर्च होंगे 900 करोड़ : डीसी

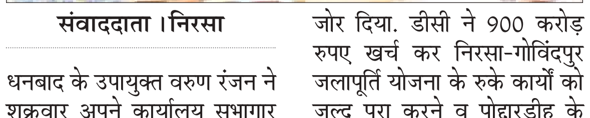

संवाददाता । निरसा

धनबाद के उपायुक्त वरुण रंजन ने शुक्रवार अपने कार्यालय सभागार में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की समीक्षात्मक बैठक की. बैठक में धनबाद के सांसद पशुपतिनाथ सिंह, निरसा विधायक अपर्णा सेनगुप्ता सहित कई अधिकारी शरीक हुए. विधायक अपर्णा ने निरसा-गोविंदपुर जलापूर्ति योजना सहित विधानसभा क्षेत्र की कुल 33 जनकल्याणकारी योजनाओं का मामला उठाते हुए उन्हें जल्द धरातल पर उतारने पर जोर दिया. डीसी ने 900 करोड़ रुपए खर्च कर निरसा-गोविंदपुर जलापूर्ति योजना के रुके कार्यों को जल्द पूरा करने व पोद्दारडीह के रानी तालाब का जीणोद्धार कर सौंदर्यीकरण कराने का आश्वासन दिया. विधायक ने पांड्रा मोड़ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक एप्रोच रोड का निर्माण, सिंदरी मोड़ से सीएचसी तक जलापूर्ति पाइपलाइन बिछाने, सीएचसी में अधूरे पड़े कार्यों व क्षतिग्रस्त चहारदीवारी का निर्माण जल्द शुरू करने, सहित अन्य योजनाओं पर विशेष ध्यान देने की मांग की.

जांच टीम ने जांच ठीक से नहीं की, संदेह : पूर्व मुखिया

संवाददाता।तोपचांची

शुक्रवार को तोपचांची प्रखंड के कुडामू से खरियो तक 7 किलोमीटर लंबी बनी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का जांच करने रांची से टीम पहुंची. कुडामू से खरियो तक 518.77 लाख रुपये की लागत से सड़क का निर्माण किया गया है. ग्रामीणों ने सड़क की गुणवत्ता व प्राक्कलन के अनुसार कार्य नहीं होने के बात पर आरटीआई आवेदन किया था. रांची से पहुंची जेएसआरआरडीए की जांच टीम ने सड़क की जांच की. जांच के दौरान सड़क की चौड़ाई, इस्तेमाल सभी मेटिरियल की जांच की गई.

सड़क निर्माण में काफी अनियमितता

तांतरी पंचायत के मुखिया द्वारिका प्रसाद महतो ने कहा कि सड़क निर्माण में काफी अनियमितता बरती गई है. पुल-पुलिया के निर्माण के दौरान आरओबी पत्थर का उपयोग किया गया है जो नियम विरुद्ध है. बारिश के दौरान सड़क का पिच किया गया है. रामाकुण्डा पुर्व मुखिया परशुराम महतो ने कहा कि सड़क निर्माण के दौरान दर्जनों बार विभाग के संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता के बारे में कई बार बोला गया था. गुणवत्ता को दरकिनार करके सड़क व पुल-पुलिया का निर्माण किया गया है. सड़क की जिस अनुरूप जांच होनी चाहिए उस अनुरूप जांच नहीं हो रही है. जांच में भी संदेह है. ग्रामीण दिनेश रजक ने कहा कि जांच टीम कुछ भी कहने से कतरा रही है, सड़क की फिर से जांच होनी चाहिए.

जांच टीम के सामने गिट्टी और अलकतरा हुए अलग

सड़क जांच करने पहुंची टीम ने जांच के लिए सड़क को काटने को कहा. कटे सड़क के पिच को हाथ लगाते ही जांच टीम के सामने गिट्टी और अलकतरा का जुड़ाव टीक नहीं पाया. अलकतरा और गिट्टी दोनों अलग हो गए. ग्रामीणों ने जांच टीम में उपस्थित जेई एजाद अहमद से पूछा कि कितना पहले इस रोड का पिच हुआ था, कुछ भी नहीं कहते हुए जेई सिर्फ मूक दर्शक बने रह गए. रोड की गुणवत्ता को लेकर जब पत्रकारों ने जेई साहब से पूछा तो किसी भी प्रश्न का उत्तर देना सही नहीं समझते हुए वह अपने चार पहिए गाड़ी के अंदर में बैठ गए.

एनएचएआई की टीम ने अंडरपास बनाने को लेकर किया निरीक्षण

घाटशिला। फुलडुंगरी चौक से अनुमंडल अस्पताल के बीच फोरलेन में अंडरपास बनाने के लिए शुक्रवार को सांसद प्रतिनिधि दिनेश साव के साथ एनएचएआई की टीम ने निरीक्षण किया. निरीक्षण के क्रम में एनएचएआई के डिप्टी जनरल मैनेजर पूर्ण चंद्र काहली एवं इंजीनियर चंदन कुमार ने अंडरपास की उपयोगिता एवं आबादी का आकलन किया. उन्होंने बताया कि सांसद विद्युत वरण महतो के द्वारा पब्लिक डिमांड के आलोक में अंडरपास बनाया जाएगा. नक्शा बनाकर काम शुरू किया जाएगा.

आओ जानें

भारत के 10 सबसे गरीब विधायक

विधायक का नाम	पार्टी	विधानसभा क्षेत्र
निर्मल कुमार धारा	भाजपा	इंडस (एससी)
मकरंदा मुदुली	निर्दलीय	रायगढ़
नरिंदर पाल सिंह सावना	आप	फाजिल्का
नरिंदर कौर भारज		संगरुर
मंगल कालिंदी	झामुमो	जुगसलाई
पुंडरीकाक्ष साहा	टीएमसी	नवद्वीप
राम कुमार यादव	कांग्रेस	चंद्रपुर
अनिल प्रधान	सपा	चित्रकूट
राम दांगोरे	भाजपा	पंधाना (एसटी)
विंदो भीवा निकोले	सीपीआई (एम)	दहानू (एसटी)

ब्रीफ खबरें

फॉर्म 6 भरकर मतदाता सूची में पंजीकरण करायें

गिरिडीह। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 का व्यापक प्रचार-प्रसार एवं बीएलओ का उत्साहवर्धन करने के निमित्त 32-गिरिडीह स्थित बूथ संख्या 38 एवं 39 सर जे.सी. बोस बालिका उच्च विद्यालय विजिट कर उपस्थित बीएलओ संग सेल्फी लिया तथा उनका उत्साहवर्धन किया तथा उनके महत्व को रेखांकित किया. उपायुक्त ने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निर्माण में आप सभी बीएलओ की भूमिका महत्वपूर्ण है.

अशोक कुमार सिन्हा ने पदभार ग्रहण किया

साहिबगंज। राजमहल प्रखंड में शुक्रवार को नव पदस्थापित सीओ अशोक कुमार सिन्हा ने बीडीओ सह सीओ उदय कुमार सिन्हा से राजमहल सीओ के रूप में प्रभार ग्रहण किया. इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी उदय कुमार ने स्वागत करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी. सीओ अशोक कुमार सिन्हा ने बताया कि क्षेत्र में जमीन संबंधी विवाद का निराकरण पहली प्राथमिकता होगी.

जनता दरबार में सुनी लोगों की समस्याएं

पाकुड़। जनता के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल के द्वारा समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया. इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा. उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी गयी एवं कहा गया कि सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा.

डीसी ने खेल मैदान बनाने का दिया निर्देश

गढ़वा। उपायुक्त शेखर जमुआर की अध्यक्षता में विभिन्न विकास योजनाओं को लेकर समीक्षात्मक बैठक हुई. बैठक में मनरेगा, आधार सीडिंग, बिरसा हरित ग्राम योजना, वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना के तहत खेल मैदान निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना, आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना समेत अन्य योजनाओं की एक-एक कर समीक्षा की गई. इस दौरान उपायुक्त ने विभिन्न योजनाओं की वर्तमान स्थिति से अवगत हुए.

बीडीओ ने की पीएम आवास की समीक्षा

जामताड़ा। नारायणपुर बीडीओ मुरली यादव ने शुक्रवार को प्रखंड सभागार में मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास की समीक्षा की. प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बैठक में मनरेगा के पुराने योजनाओं को क्लोज करने का निर्देश दिया. साथ ही खेल मैदान को लेकर जगह चयनित कर वर्ककोड खुलवाने का निर्देश रोजगार सेवक मुखिया एवं पंचायत सचिव को दिया गया. प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि वैसी योजनाओं का चयन करें जो पंचायत के लोगों को लाभ दे.

कसमार में मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशित

कसमार। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत कसमार प्रखंड के 15 पंचायतों के सभी 82 बूथों में मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन संबंधित बूथ के बीएलओ के द्वारा किया गया. इस अवसर पर कसमार के सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी सुरेश कुमार सिन्हा ने कसमार प्रखंड के ओरमो, कसमार, सुरजुडीह, फुटलाही, धधकिया, गर्री, मंजुरा, सपाहीटांड़ समेत अन्य कई बूथों में जाकर निरीक्षण किया.

मतदान केंद्रों पर बीएलओ उत्साहवर्धन कार्यक्रम का लिया जायजा

कोई भी योग्य व्यक्ति मतदाता सूची में पंजीकृत होने से न छूटे : बीडीओ

संवाददाता। मैथन

एग्यारकुंड प्रखंड क्षेत्र के सभी 162 मतदान केंद्रों पर शुक्रवार को बीएलओ उत्साहवर्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम के दौरान मतदाताओं ने बीएलओ के साथ सेल्फी ली और बीएलओ का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि मुझे अपने बीएलओ पर गर्व है. वहीं एग्यारकुंड बीडीओ विनोद कुमार कर्मकार ने विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा कर कार्यक्रम का अवलोकन किया.

बीडीओ ने मध्य विद्यालय एग्यारकुंड स्थित मतदान केंद्र संख्या 327, 328, 329, उत्क्रमित मध्य विद्यालय लायकडीह स्थित मतदान केंद्र संख्या 364,365, नंदलाल हाई स्कूल चिरकुण्डा स्थित मतदान केंद्र संख्या 348, 349, 350, 351 एवं 358 में कार्यक्रम का अवलोकन किया. कहा कि घर-घर सर्वेक्षण अवधि में शेष कार्य को शत प्रतिशत पूर्ण किया जाना है. प्रत्येक घर में 18 वर्ष की आयु से अधिक का कोई भी योग्य व्यक्ति मतदाता सूची में पंजीकृत होने से नहीं छूटे. मौके पर प्रमोद कुमार झा, अजय कुमार राम, अमित कुमार तिवारी, छत्रपति शाही किस्कू, रेखा बाउरी, सावित्री बाउरी, सीता बाउरी, इंद्राणी दत्ता, सविता बाउरी, कुंती कुमारी, आदि उपस्थित थे.

कार्यक्रम का जायजा लेते हुए एग्यारकुंड प्रखंड के बीडीओ

कार्यक्रम बीएलओ का मनोबल बढ़ायेगा : डीसी

मेदनीनगर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन मेदनीनगर नगर निगम में अवस्थित मतदान केंद्र संख्या 185,186 पहुंचे. यहां उन्होंने स्थानीय बीएलओ ममता कुमारी व ज्योतशाना कुमारी के साथ सेल्फी लेकर उनका उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पूरी निर्वाचन प्रणाली में हमारे बीएलओ की भूमिका बेहद ही महत्वपूर्ण है. इनके कार्यों को सम्मान देने के लिये ही आज यह कार्यक्रम आयोजित कया गया है. उन्होंने कहा कि आज पूरे देश के साथ ही पलामू के सभी

मतदान केंद्रों पर यह अभियान चलाया जा रहा है. कार्यक्रम से मतदाता जागरूकता में मदद तो मिलेगी ही साथ ही साथ बीएलओ का मनोबल बढ़ाने में भी यह लाभदायक साबित होगा. मौके पर नगर आयुक्त जावेद हुसैन,उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रिति किस्कु समेत अन्य मौजूद रहे.

डीसी ने बीएलओ संग सेल्फी लेकर बढ़ाया उत्साह

लातेहार। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के तहत 27 अक्टूबर को मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन का कार्यक्रम निर्धारित है. इसके तहत पूर्वाह्न 11 से 12 बजे के बीच विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विशेष अभियान हैशटैग मुझे मेरे बीएलओ पर गर्व है चलाया जा रहा है. इस क्रम में डीसी हिमाशु मोहन ने शहर के बुनियादी उच्च विद्यालय धर्मपुर के मतदान केंद्र संख्या 198 में पहुंचे और बीएलओ पूजा देवी के साथ सेल्फी लेकर उनका उत्साहवर्धन किया. डीसी ने कहा कि मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में बीएलओ की भूमिका अहम है. हिमाशु मोहन ने लोगों से अपने मतदान केंद्र में बीएलओ संग सेल्फी लेकर उनका उत्साहवर्द्धन करने की अपील की. मौके पर एसडीओ मो. परवेज मुख्य रूप से मौजूद रहे.

उपायुक्त ने बीएलओ को किया सम्मानित

साहिबगंज। शुक्रवार को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 की शुरुआत हुई जहां सभी मतदान केंद्रों में मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन किया गया. वहीं जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त राम निवास यादव ने मतदान केंद्र 88 एवं 89 का निरीक्षण किया तथा बीएलओ का उत्साहवर्धन करते हुए उनके साथ सेल्फी ली एवं उन्हें सम्मानित भी किया. उन्होंने मतदाता सूची से संबंधित अन्य जानकारियां भी ली तथा बीएलओ से कहा कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत योग्य मतदाताओं का नाम जोड़ने एवं मतदाताओं को सभी सेवाएं उपलब्ध कराएं ताकि हमारे जिले में स्वच्छ मतदाता सूची का निर्माण हो सके और निर्वाचन में पारदर्शिता बनी रहे. वहीं मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के तहत बीएलओ द्वारा 27 अक्टूबर से 9 दिसंबर तक योग्य मतदाताओं का नाम जोड़ने का कार्य किया जाएगा. वहीं ब्लैक एंड व्हाइट एवं पुअर क्वालिटी इमेज का सुधार फॉर्म 8 के माध्यम से किया जाएगा, 18 वर्ष के होने वाले युवाओं को चिन्हित कर फॉर्म भरा जाएगा, वह ऑनलाइन भी आवेदन कर सकते हैं. इस दौरान उपायुक्त रामनिवास यादव, अपर समाहर्ता विनय मिश्र, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुनीता किस्कू एवं अन्य उपस्थित थे.

डीसी ने विभिन्न मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

बेरमो। बोकारो के डीसी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी कुलदीप चौधरी ने 27 अक्टूबर को जिला मुख्यालय स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया. मौके पर निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) बोकारो सह चास के अनुमंडल पदाधिकारी दीलीप प्रताप सिंह शेखावत, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) सह चास के बीडीओ चास मिथिलेश कुमार, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) सह विशेष कार्य पदाधिकारी कुमार कनिष्क, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार आदि उपस्थित थे. जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चौधरी ने राजकीयकृत मध्य विद्यालय एसबीएस चास स्थित मतदान केंद्र का निरीक्षण किया. उन्होंने उपस्थित बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) से एकीकृत मतदाता सूची उपलब्ध होने की जानकारी ली. बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 की शुरूआत हो गई है. कार्यक्रम को सफल बनाने एवं मतदाता सूची को त्रुटिरहित तैयार करने में बीएलओ की अहम भूमिका है.

कोई भी मतदाता मताधिकार से वंचित न रहे : उपायुक्त

गढ़वा। समाहरणालय के सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, गढ़वा शेखर जमुआर की अध्यक्षता में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अध्यक्ष/ सचिव संग बैठक किया गया. बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए जिले भर में चलने वाले मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 की विस्तृत जानकारी दी. जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि जिले भर में 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के नए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने, नाम/पता में सुधार करने समेत अन्य विषयों को लेकर 21 जुलाई 2023 से लेकर 21 अगस्त 2023 तक सभी बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर वेरिफिकेशन कार्य किया गया है. उक्त वेरिफिकेशन कार्य के दौरान छुटे हुए मतदाताओं एवं दावा आपत्ति को लेकर द्वितीय भ्रमण के तहत 27 अक्टूबर से 9 दिसंबर तक जिलेभर में सर्वेक्षण कार्य किया जाएगा. जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने अपने दल का बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति करते हुए उसकी सूची संबंधित ईआरओ को अथवा निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करा दें.

एसिया उपाध्यक्ष सुधीर सिंह को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

संवाददाता। आदित्यपुर

आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमी और उद्यमी संगठन एसिया के उपाध्यक्ष सुधीर सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी सुमन कुमारी को शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए थावे विद्यापीठ बिहार ने डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया है. गुरुवार की देर शाम बिष्टुपुर स्थित श्रीकृष्ण सिन्हा संस्थान में आयोजित एक सादे समारोह में दोनों को यह उपाधि दी गई. बता दें कि सुधीर कुमार सिंह आदित्यपुर स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एसिया) के उपाध्यक्ष हैं. उनकी पत्नी सुमन कुमारी उड़िया मध्य विद्यालय आदित्यपुर की शिक्षिका हैं. दोनों पति-पत्नी को थावे विद्यापीठ बिहार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में निर्धन, असहाय बच्चों में शिक्षा का अलख जगाने एवं साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया. इस समारोह में डॉ. पीएस दयाल, प्रति कुलसचिव थावे विद्यापीठ एवं थावे विद्यापीठ के उप कुलसचिव और रांची विश्वविद्यालय के हिन्दी के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. जंग बहादुर पांडेय मौजूद थे.

खास बातें

- शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए थावे विद्यापीठ ने किया सम्मानित
- सुधीर सिंह की धर्मपत्नी सुमन कुमारी को भी मिला सम्मान

29 नवंबर को फोरलेन सड़क विस्थापित संघर्ष समिति की बैठक

लातेहार। फोरलेन सड़क विस्थापित संघर्ष समिति की बैठक 29 नवंबर को होने वाली है. यह बैठक डुडंगी कला ग्राम में पूर्वाह्न 11 बजे से आयोजित की जायेगी. इसकी जानकारी संघर्ष समिति के अध्यक्ष गुजर उरांव ने दी. उन्होंने बताया कि बैठक में फोरलेन सड़क निर्माण में एनएचएआई (नेशनल हाइवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया) द्वारा किये जा रहे भूमि अधिग्रहण व दी जा रही मुआवजा राशि को लेकर विचार-विर्मश किया जायेगा. संघर्ष समिति के अध्यक्ष ने सभी को इस बैठक में विस्थापितों (जिनकी जमीन अधिग्रहण किया जा रहा है) भाग लेने की अपील की है. कहा कि जिन रैयतों का ऑनलाइन रसीद नहीं कट रहा है या जिनका ऑफलाइन रसीद कटा है, सभी बैठक में पहुंच कर अपनी समस्याओं को रख सकते हैं. उरांव ने कहा कि एनएचएआई द्वारा रैयतों को भूमि का मुआवजा बहुत ही कम दिया जा रहा है. उस पर मुआवजा मे एकरूपता नहीं है.

विभिन्न प्रखंडों में चलाया जा रहा है विधिक जागरूकता अभियान

संवाददाता। लातेहार

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार लातेहार के अध्यक्ष अखिल कुमार के निर्देश पर जिले के विभिन्न प्रखंडों में विधिक जागरूकता सह आउटरीच कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है. प्राधिकार की सचिव स्वाती विजय उपाध्याय ने बताया कि विधिक जागरूकता अभियान विगत 17 सितंबर से चलाया जा रहा है और यह अभियान एक सौ दिनों तक चलाया जायेगा. इसके लिए पारा लिगल वॉलेंटियरों की प्रतिनियुक्ति किया गया है.

ग्रामीणों को अधिकारों कर्तव्य व दायित्वों की दी जा रही जानकारी

स्वाती विजय उपाध्याय ने बताया कि विधिक जागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीण व बच्चों को कानून की बुनियादी जानकारी दी जा रही है. अभिभावकों को अपने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने के लिए

प्रेरित किया जा रहा है. ग्रामीणों को शिक्षा के महत्व बताये जा रहे हैं. उन्हें शिक्षा का अधिकार कानून की जानकारी भी दी जा रही है. बताया जा रहा है कि छह से 14 वर्ष के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था इस कानून में की गयी है. ग्रामीणों को उनके अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्य व दायित्वों की भी जानकारी दी जा रही है. ग्रामीणों को बताया जा रहा कि एक विधिक निरक्षर व्यक्ति अज्ञानतावश कानून के विपरीत आचरण कर सकता है या कानून से सहायता प्राप्त करने में अक्षम होता है. जबकि विधिक रूप से साक्षर व्यक्ति अपने अधिकारों का प्रभावी ढंग से उपयोग कर पाता है. कार्यक्रमों में पैनल अधिवक्ताओं द्वारा बाल विवाह, नशामुक्ति, डायन प्रथा, जातिवाद, सांप्रदायिकता, दहेज प्रथा उन्मूलन तथा सरकार द्वारा चलाये जा रहे कल्याणकारी योजना के बारे में जानकारी दी जा रही है.

मुखिया व पंचायत सचिव को निर्देश, पीएम आवास को जल्द कराएं पूरा

घाटशिला। चलो करें आवास पूरा अभियान को लेकर शुक्रवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी युनिका शर्मा ने मुखिया तथा पंचायत सचिव के साथ प्रखंड सभागार में बैठक की. उन्होंने कहा कि अभियान की शुरुआत 31 अक्टूबर से की जाएगी तथा 10 नवंबर को अभियान की समाप्ति होगी. उन्होंने मुखिया, पंचायत सचिव को निर्देश दिया कि प्रखंड में कुल 69 पीएम आवास अधूरा है. इसे हर हाल में पूर्ण करना है. पैसे की कमी है या लाभुक के पास पैसा नहीं है, वैसी स्थिति में छत ढलाई ना करके ब्लूस्कोप देकर पूर्ण कराना होगा. उन्होंने कहा कि इसमें पंचायत प्रतिनिधि घर-घर जाकर आवास पूरा करने के लिए लाभुक पर दबाव बनाएं. उन्होंने बताया कि बाघुरिया पंचायत में 14, बनकटी में 12, कालचिती में 10, बड़ाखुर्सी में 6, झांटीझरना में 4, उत्तरी मऊभंडार में 4 तथा उल्दा पंचायत में 4 सहित अन्य पंचायत में भी आवास अधूरा पड़ा है.

प्रेस वार्ता धनबाद बाजार समिति की हालत काफी दुखद, जल्द होगा निदान

विपणन पर्षद के सचिव पर लगे आरोपों की हो रही जांच : सिंह

संवाददाता। धनबाद

विपणन पर्षद के सचिव राकेश सिंह पर दुकानों को बेच देने के आरोप की जांच जारी है. मामला कृषि सचिव के संज्ञान में है. हालांकि जब नियम ही नहीं लागू हो तो नियमों की क्या बात की जाए. बाजार समिति भंग है, ऐसे में कोई देखने वाला नहीं है. उक्त बातें बाजार समिति के निरीक्षण के लिए आए झारखंड राज्य कृषि विपणन पर्षद के अध्यक्ष रवीन्द्र सिंह ने कही. व्यापारियों पर एक से अधिक दुकान हथियाने के सवाल पर उन्होंने कहा की अगर ऐसा है तो यह जांच का विषय है. सभी व्यापारियों को समान अधिकार मिलना चाहिए. जिससे वे भी आर्थिक रूप से मजबूत बन सकें. नियमावली आने के बाद सभी विषयों की जांच होगी. दूसरी ओर उन्होंने कहा की किसानों को ई-पॉर्टल से जोड़ने का काम किया जा रहा है. राज्य भर में अब तक 2 लाख 60 हजार किसानों को ऑनलाइन पॉर्टल से जोड़ा गया है. वहीं धनबाद में 26836 किसान रजिस्टर्ड हैं. आने वाले दिनों में संख्या और बढ़ेगी. जिससे रोजगार बढ़े.

खास बातें

- धनबाद के 26836 किसान ई-पॉर्टल से जुड़े
- समिति गठन नहीं होने से किसान व व्यापारी कई लाभ से वंचित

बाजार समिति की हालत काफी दुखद

बाजार समिति के निरिक्षण के बाद विपणन पर्षद के अध्यक्ष ने कहा की स्थिति काफी दुखद है. दर्जनों समस्याएं बाजार समिति प्रांगण में हैं. बाजार समिति भंग होने के बाद व्यवस्थाएं चौपट हो गई हैं. नालियां जाम हैं, साफ-सफाई नहीं है, सुरक्षा के दृष्टिकोण से सीसीटीवी नहीं हैं, यहां तक की माल रखने के लिए यार्ड तक की व्यवस्था नहीं है. ऐसी दर्जनों खामियां बाजार समिति में दिखी. उक्त बातें खुद बाजार परिसर की वस्तुस्थिति से वे नाखुश दिखें. हालांकि वर्तमान स्थिति का ठिकरा उन्होंने भाजपा सरकार पर फोड़ दिया. कहा कि भाजपा सरकार ने घोर अन्याय किया. अब हेमंत सरकार राज्य के सभी बाजार समिति में दुकानें, हाट, कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था करने में जुटी हुई है. जल्द ही व्यापारियों की समस्याओं का निदान होगा. उन्होंने बाजार शुल्क लागू करने पर भी समर्थन दिया. कहा कि यह दुख की बात है कि अब तक बाजार समिति का गठन नहीं हो सका है. समिति के गठन से छोटे व्यापारियों और किसानों को लाभ मिलता. सरकार यह चाहती है कि समिति का पुनर्गठन हो जिससे उचित लागत निकले. व्यापारियों को सुरक्षा और उचित सुविधा मिले.

दक्षिणाशोल में पांच माह से खराब पड़ा है जलमीनार

संवाददाता। चाकुलिया

प्रखंड की भातकुंडा पंचायत के दक्षिणाशोल गांव के ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा जनप्रतिनिधियों की लापरवाही से पेयजल जलसंकट से जूझ रहे हैं. गांव में स्थापित सोलर जलमीनार विगत पांच माह से खराब है. दो माह पूर्व जलमीनार के पैनल की भी चोरी हो गई. इस स्थिति में ग्रामीणों को पेयजल के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है, पेयजल के लिए एक चापाकल के भरोसे 60 परिवार हैं.

ग्रामीणों ने बताया कि जलमीनार की मरम्मत के लिए संबंधित विभाग और स्थानीय विधायक समीर कुमार मोहंती को भी आवेदन दिया गया परंतु अब तक इस दिशा में पहल नहीं की गई है. ग्रामीणों के मुताबिक पांच

माह पूर्व वज्रपात से जलमीनार के उपकरण खराब हो गए थे. दो माह पूर्व जलमीनार के पैनल की चोरी अज्ञात लोगों ने कर ली. जलमीनार खराब रहने के कारण यहां के 60 परिवार पेयजल संकट से जूझ रहे हैं. गांव के देव मुंडा, जितेन मुंडा, राहुल सिंह, मोहन मुंडा, सोनिया मुंडा, भरत मुंडा ने बताया कि 16 मीनार की मरम्मत आवश्यक है. जनप्रतिनिधि इस मामले को संज्ञान में लें और मरम्मत के लिए पहल करें.

ब्रीफ खबरें

कार की टक्कर से साइकिल सवार घायल

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के एनएच 49 पर शासन गामारिया चौक के निकट कार ने साइकिल को ठोक दिया. इस हादसे में साइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया. वहीं साइकिल भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये. प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने पीआरएम मेडिकल कॉलेज बरीपदा रेफर कर दिया. घायल की पहचान माटिहाना निवासी हीरा लाल दास (65) के रूप में हुई है.

स्कूटी के धक्के से किशोर व स्कूटी सवार घायल

चाकुलिया । चाकुलिया धालभूमगढ़ मुख्य मार्ग पर कमारीगोड़ा के पास एक स्कूटी सवार ने पैदल जा रहे किशोर सोमेन पाल को धक्का मार दिया. घटना शुक्रवार सुबह की है. घायल सोमेन पाल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया है. आंशिक रूप से घायल स्कूटी सवार का भी इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हो रहा है. जानकारी के मुताबिक सुजाता पाल नामक महिला अपने पुत्र सुमन पाल के साथ अपने घर जा रही थी.

मेला देखते गए युवक की बाइक चोरी

देवघर । चांदपुर में मेला देखने गए एक व्यक्ति की मोटरसाइकिल चोरी हो गई. इसे लेकर भुक्तभोगी ने जसीडीह थाने में मामला दर्ज कराया है. घटना जसीडीह-देवघर मुख्य सड़क पर चांदपुर मेले की है. जानकारी के अनुसार, जसीडीह थाना क्षेत्र के कुंजीसार मुहल्ले निवासी मोहम्मद मुस्तफा ने थाने में मामला दर्ज कराते हुए बताया कि 26 अक्टूबर को अपनी अपाची मोटरसाइकिल से चांदपुर मेला देखने गया था. मोटरसाइकिल को सड़क के किनारे खड़ी कर मेला देखने चला गया. आधे घंटे के बाद जब वापस लौटा तो बाइक गायब थी. काफी खोजबीन करने पर भी बाइक नहीं मिली.

नाबालिग लड़की घर से गायब, प्राथमिकी

देवघर । जसीडीह थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले से सत्रह वर्षीय नाबालिग लड़की लापता हो गई है. लड़की के पिता ने इसे लेकर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है. इसमें उन्होंने बताया कि लड़की 26 अक्टूबर को पूजा करने घर से निकली, काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिली, थक हारकर थाने में गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज करायी है. पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है.

डीएवी कपिलदेव का 8वीं का छात्र लापता

रांची । डीएवी कपिलदेव स्कूल के 8वीं का छात्र लापता हो गया है. उसका नाम आर्यन सिंह है. 13 वर्षीय आर्यन हरमू निवासी मुकेश सिंह का पुत्र है. मुकेश सिंह पेशे से वकील हैं. मुकेश सिंह ने बताया कि शुक्रवार दोपहर छुट्टी के बाद वे अपने बेटे को स्कूल से लाने गये. स्कूल गेट पर काफी देर तक बेटे के इंतजार में खड़े रहे. जब बेटा स्कूल से बाहर नहीं आया, तो उन्होंने स्कूल के अंदर जाकर खोजबीन की. नहीं मिलने पर अरगोड़ा थाने में लिखित आवेदन दिया है. पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है.

धनबाद में बंद घर से लाखों की चोरी

धनबाद । सरायढेला थाना क्षेत्र के रघुवर नगर में चार दिन बाद लाखों की चोरी हो गई. चोरों ने गुरुवार की रात विनय नारायण राय के बंद घर का ताला तोड़कर नकद सहित लाखों रुपए की संपत्ति की चोरी हो गई. चोरों ने कमरे में रखे आलमारी का लॉकर तोड़कर नकद समेत करीब 6 लाख रुपए के सोने व चांदी के जेवरात की चोरी कर ली और भाग निकले. गृहस्वामी विनय नारायण परिवार के साथ देवघर गए हुए थे. शुक्रवार सुबह पड़ोसी ने उन्हें फोन पर घटना की जानकारी दी.

विकास सिंह को लिया 48 घंटे के रिमांड पर

धनबाद । अवैध हथियार रखने व प्रिंस खान के गुर्गों को सप्लाई करने के आरोप में गोविंदपुर थाने में दर्ज मामले में जेल में बंद अंबिकापुरम निवासी विकास सिंह की जमानत अर्जी पर शुक्रवार को सुनवाई हुई. वरीय अधिवक्ता जया कुमार की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने विकास की जमानत खारिज कर दी. वहीं दूसरी ओर गोविंदपुर थाने के आवेदन पर अदालत ने विकास को पूछताछ के लिए 48 घंटे की हिरासत में देने का आदेश दिया है.

ट्रांसफर-पोस्टिंग के सवाल पर घिरे डीएसपी, वेतन वृद्धि रुकी

संवाददाता । रांची

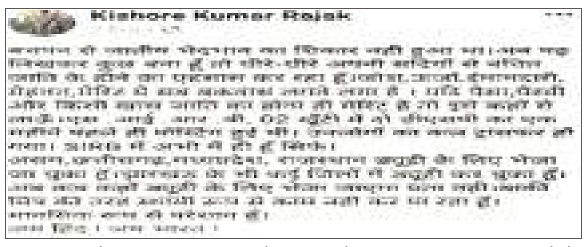
Kishore Kumar Rajak

पुलिस में ट्रांसफर-पोस्टिंग पर सवाल उठाने वाले डीएसपी की वेतन वृद्धि रोकी गयी है. रामगढ़ जिले में पदस्थापित डीएसपी किशोर रजक ने साल 2019 में फेसबुक अकांउट पर ट्रांसफर संबंधी सरकार के निर्णय के खिलाफ अवांछनीय टिप्पणी की थी. उनपर लगे आरोपों को प्रमाणित मानते हुए राज्य सरकार ने उनकी दो वेतन वृद्धि असंचयात्मक प्रभाव से रोकने का आदेश दिया है.

साथ ही 27 सितंबर 2019 को शुरू किए गये विभागीय कार्रवाई को निस्तार भी कर दिया है. पूरे मामले पर विभागीय कार्रवाई भी चलायी गयी. साथ ही डीएसपी से स्पष्टीकरण भी लिया गया है, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने सोशल मीडिया पर कोई टिप्पणी नहीं की है, यह फेसबुक अकाउंट किसी दूसरे के द्वारा संचालित हो रहा है.

सरकार ने इसकी समीक्षा में यह भी पाया कि इतने गंभीर मामले पर पुलिस मुख्यालय की ओर से भी कोई त्वरित कार्रवाई नहीं की गई और न ही कोई प्राथमिकी दर्ज हुई. जांच में विभागीय जांच पदाधिकारी की रिपोर्ट में आरोप प्रमाणित पाया गया है. जिसके बाद उनकी वेतन वृद्धि रोकने संबंधी दंड उन्हें दिया गया है. गृह विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है.

स्थानांतरण-पदस्थापन नीति पर भी सवाल उठाया था

साल 2019 में खूंटी के स्पेशलाइज्ड इंडिया रिजर्व बटालियंस-2 (एसआइआरबी-2) के डीएसपी किशोर कुमार रजक ने लगातार तबादलों से परेशान होकर फेसबुक पोस्ट के माध्यम से अपनी पीड़ा साझा की थी. उन्होंने सरकार की स्थानांतरण-पदस्थापन नीति पर भी सवाल उठाया था. ट्रांसफर पोस्टिंग में जाति-धर्म, पैसा-पैरवी का आरोप लगाया था. उन्होंने लिखा था कि बचपन से जातीय भेदभाव का शिकार तो नहीं हुआ, लेकिन अब महसूस होने लगा है. जोश, ऊर्जा, ईमानदारी, मेहनत व मेरिट बकवास लगने लगा है. हालांकि डीएसपी के इस पोस्ट से महकमे में जब सरगर्मी तेज हुई तो डीएसपी ने तत्काल उक्तपोस्ट को हटा दिया था.

आओ जानें

देश में महिला पुलिस की कितनी है भागीदारी

आंध्रप्रदेश	21.8%	पंजाब	9.9%
बिहार	21.2%	पश्चिम बंगाल	9.9%
तमिलनाडु	19.1%	सिक्किम	9.0%
महाराष्ट्र	17.8%	कर्नाटक	8.6%
गुजरात	16.3%	तेलंगाना	8.5%
हिमाचल प्रदेश	14.0%	हरियाणा	8.2%
उत्तराखंड	12.08%	केरला	7.8%
उत्तरप्रदेश	10.7%	मध्यप्रदेश	7.4%
अरुणाचल प्रदेश	10.7%	मिजोरम	7.1%
गोवा	10.6%	झारखंड	6.2%
ओडिशा	10.5%	मेघालय	6.0%
राजस्थान	10.4%	त्रिपुरा	5.3%

कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी जानकारी

प्रदीप पंडित की अपहरण कर हत्या मामले में 5 गिरफ्तार

संवाददाता । कोडरमा

झुमरीतिलैया के गांधी स्कूल रोड निवासी प्रदीप पंडित की अपहरण कर हत्या करने के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार लोगों में दलजीत सिंह भी शामिल है, जिसकी गाड़ी का प्रदीप पंडित चालक था. इस मामले की जानकारी कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है. बताया गया कि यह कांड वादिनी सुनीता देवी के लिखित आवेदन पत्र के आधार पर अपहरण के संबंध में दलजीत सिंह एवं अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध दर्ज कराया गया था. घटना के उद्भेदन के लिए पुलिस उपाधीक्षक दिवाकर कुमार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया, जिसमें सहयोग के लिए तकनीकी शाखा के पुलिसकर्मी भी शामिल किए गए.

तकनीकी साक्ष्य के आधार पर घटना में शामिल सूरज कुमार राणा (ग्राम सिंगलोडीह, थाना डोमचांच) को गिरफ्तार किया गया. उसके स्वीकारोक्ति बयान एवं निशानदेही के आधार पर प्रदीप पंडित के शव को गुरुवार को डोमचांच अंबादाह खदान से बरामद कर पोस्टमार्टम करा कर अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंपा गया. घटना में प्रयोग किए गए मोबाइल, सफेद रंग की आल्टो कार, काला रंग का हुंडई वेन्यू कार जब्त किया गया है. इस घटना में शामिल दलजीत सिंह, जगदीश महतो, सूरज कुमार सिंह उर्फ बादल और विवेक कुमार को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है. एसपी ने बताया कि घटना में शामिल सभी अन्य व्यक्तियों की पहचान कर दी गई है और सभी के विरुद्ध छापामारी की जा रही है. जल्द ही सभी की गिरफ्तारी हो जाएगी. गिरफ्तार लोगों में सूरज कुमार राणा (सिंगलोडीह, डोमचांच), दलजीत सिंह (भादोडीह, तिलैया), जगदीश महतो (मंगुरा, थाना इचाक), सूरज कुमार सिंह उर्फ बादल (लारियाडीह, कोडरमा) और विवेक कुमार (न्यू कॉलोनी, कोडरमा) शामिल है.

खास बातें

- पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया था
- घटना में प्रयोग किया गया सामान बरामद किया गया

पिस्टल के साथ दो अपराधी गिरफ्तार

रांची । जगन्नाथपुर थाना पुलिस ने हथियार के साथ दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधियों में अभिषेक सिंह और सोनू सिंह उर्फ सोनू सरदार शामिल हैं. इनके पास से दो पिस्टल, दो गोली और दो स्मार्टफोन बरामद किए गए हैं. सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा के नेतृत्व में छापेमारी कर हथियार और गोली के साथ गिरफ्तार किया. दोनों ने 26 अक्टूबर की रात जगरनाथपुर थाना क्षेत्र के हटिया में दो अपराधियों की ओर से अवैध रूप से हवाई फायरिंग करने की सूचना प्राप्त हुई थी, जिसमें दोनों अपराधियों की पुलिस तलाश कर रही थी. इस संबंध में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी. इस घटना में भी दोनों ने अपनी संलिप्तता स्वीकार की है. एसपी ने बताया कि अभिषेक सिंह के खिलाफ जिले के गोंदा, तुपुदाना और बिहार के मुंगेर में आपराधिक मामले दर्ज हैं.

वादी को अपमानित कर सिरस्ता में बैठाने वाले दारोगा-सिपाही पर होगी कार्रवाई

संवाददाता । रांची

शिकायत लेकर गये वादी को अपमानित कर सिरस्ता में बैठाने वाले दारोगा और सिपाही के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई होगी. इसको लेकर सीआइडी ने रांची एसएसपी को पत्र लिखा है. सीआईडी ने एसएसपी को लिखे गये पत्र में बताया है कि धुर्वा थाना के दारोगा तीर्थराज तिवारी और आरक्षी अमित कुमार के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई होगी.

बताया कि धुर्वा थाना के दारोगा तीर्थ राज तिवारी और आरक्षी अमित कुमार के खिलाफ सीआईडी को शिकायत मिली थी. जांच कराने पर दोनों के खिलाफ लगाये गये आरोप सही पाये गये. इन पर आरोप था कि धुर्वा निवासी बद्रीनाथ शाहदेव अपने गोतिया से आपसी विवाद को लेकर 17 सितंबर को धुर्वा थाना गये थे. विवाद के संबंध में थाना के कर्मियों को जब जानकारी दी गयी तो बद्रीनाथ का बेल्ट व अन्य सामान खुलवाकर उन्हें अपमानित करते हुए सिरस्ता में बैठा दिया गया.

धुर्वा थाना प्रभारी जब थाना में आये तो उन्हें समझा कर वापस घर जाने के लिए कहा गया. इस मामले की शिकायत लेकर बद्रीनाथ शाहदेव ने सीआईडी से की थी. जिसकी जांच सीआईडी टीम (ग्रामीण क्षेत्र) से करायी गयी.

दारोगा और सिपाही ने काफी जलील किया

सीआईडी को दिये शिकायत में बद्रीनाथ ने बताया था कि जब वे अपनी शिकायत लेकर धुर्वा थाना गये तो दारोगा तीर्थराज तिवारी और आरक्षी अमित कुमार ने उन्हें काफी जलील किया. कहा कि वे सुधांशु के रास्ते से हट जाये नहीं तो अंदर सड़ा देंगे. जबकि यह मामला लाल बद्रीनाथ शाहदेव का अपने गोतिया से पैतृक संपत्ति को चल रहे विवाद का था.

बालू के अवैध कारोबार में शामिल सिल्ली थाना प्रभारी सस्पेंड

संवाददाता । रांची

बालू के अवैध कारोबार में संलिप्त होने के आरोप में जिले के सिल्ली के थाना प्रभारी आकाशदीप को एसएसपी ने सस्पेंड कर दिया है. इस संबंध में शुक्रवार को आदेश जारी कर दिया गया है. जारी आदेश में कहा गया है कि अवैध बालू के कारोबार पर रोक के आदेश के बाद भी पाया गया कि सिल्ली के थाना प्रभारी आकाशदीप इसमें संलिप्त हैं. इस संबंध में सिल्ली डीएसपी से जांच कराने के बाद मामला सही पाया गया. इसके बाद उन्हें निलंबित किया गया है. निलंबन अवधि में उन्हें जीवन यापन भत्ता मिलेगा. इस अवधि में उनका मुख्यालय पुलिस केंद्र रांची रहेगा.

मोबाइल चोरी के आरोप में युवक को लोगों ने पकड़ा

- एक अन्य युवक भागने में रहा सफल
- अभी तक किसी ने लिखित शिकायत दर्ज नहीं की है
- पुलिस गिरफ्तार युवक से कर रही है पूछताछ

संवाददाता । जमशेदपुर

शुक्रवार सुबह परसुडीह बाजार से लोगों ने मोबाइल चोरी करने के आरोप में एक युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया. हालांकि उसके साथ मौजूद एक अन्य युवक मौके से भागने में सफल रहा. इधर, पुलिस थाने में युवक से पूछताछ कर रही है.

लोगों ने बताया कि एक दिन पूर्व रतन ज्वेलर्स के मालिक टुनटुन प्रसाद का भी एक मोबाइल दुकान से चोरी हो गया था.

शुक्रवार की सुबह दो युवक बाजार में संदिग्ध अवस्था में घूमते देखे गए. थोड़ी देर बाद इन लोगों ने एक व्यक्ति की जेब से मोबाइल चुराने का प्रयास किया. इसी दौरान कुछ लोगों की नजर इन पर पड़ गई, तभी दोनों वहां से भागने लगे. लोगों ने खदेड़ कर इनमें से एक को पकड़ लिया और पिटाई कर दी. परसुडीह थाना प्रभारी रामकुमार वर्मा ने बताया कि इस संबंध में किसी ने भी लिखित शिकायत नहीं की है. पकड़ा गया युवक गुलगुलिया है, जो अपने अन्य साथियों के साथ जमशेदपुर आया हुआ है.

बैंक मोड़ में युवक ने फांसी लगा दे दी जान

धनबाद । धनबाद के बैंक मोड़ इलाके में रहने वाले 28 वर्षीय युवक पप्पू स्वामी ने पंखे के सहारे फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली. घटना गुरुवार देर रात की है. पप्पू पेशे से सीसीटीवी कैमरा लगाने का काम करता था. परिजनों ने बताया कि गुरुवार को काम से लौटने के बाद रात का खाना खाकर वह अपने कमरे में सोने चला गया. सुबह जब वे लोग उठे तो देखा कि वह पंखे के सहारे फंदे से झूल रहा है. यह देख घर के लोगों के होश उड़ गए और चीख-पुकार मच गई. शोर सुनकर आसपास के लोग जुट गये. बैंक मोड़ थाना पुलिस को भी सूचना दी गई. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया. आत्महत्या के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है.

पूजा में हर जगह तैनात थी पुलिस

फिर भी शहर में चोरी हो गईं 25 से ज्यादा गाड़ियां

- रांची के अलग-अलग हिस्सों में करीब 1000 अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी

विनीत आभा उपाध्याय । रांची

राजधानी रांची में गाड़ी चोरी करने वाले गिरोह का आतंक काफी बढ़ गया है. पूजा के दौरान लगभग हर दिन चोरों ने रांची के अलग-अलग इलाकों में गाड़ी पर हाथ साफ किए हैं. आलम यह है कि आम लोगों को अपना दो पहिया वाहन सुरक्षित नहीं लग रहा.

आंकड़े बताते हैं कि बीते एक सप्ताह में सिर्फ कोतवाली थाना क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों से 6 और धुर्वा थाना क्षेत्र से भी 6 गाड़ियां चोरी हो चुकी हैं. इसमें मोटरसाइकिल, स्कूटी और अन्य कीमती वस्तुएं भी शामिल हैं. चोरों का मनोबल इतना बढ़ा हुआ है कि एक ही दिन में अलग-अलग इलाकों में तीन-चार गाड़ियों की चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं. 19 अक्टूबर को चोरो ने रांची के अलग-अलग थाना क्षेत्र से चार मोटरसाइकिल उड़ा ली. 20,21 और 22 अक्टूबर को भी चोरों ने अलग-अलग इलाकों से चार मोटरसाइकिल और स्कूटी पर हाथ साफ किया. 22 अक्तूबर से लेकर 26 अक्तूबर के बीच चोरों ने करीब सात वाहन चोरी कर लिए.

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे: राजधानी में दुर्गा पूजा को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे. रांची के अलग-अलग हिस्सों में करीब 1000 अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी. वहीं दूसरी तरफ जिले के एसएसपी समेत कई पुलिस अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए भी रांची की सड़कों पर भी देखे गए. इसके बावजूद चोरी की इतनी ज्यादा घटना होना, पुलिस और शहर के लोगों के लिए चिंता की बात है.

बाइक दुर्घटना में नासुस महासचिव समेत 3 घायल

डुमरिया । डुमरिया थाना क्षेत्र के स्वर्गछिड़ा पुल के पास शुक्रवार को दो बाइक की टक्कर में नागरिक सुरक्षा समिति के महासचिव शैलेंद्र बास्के और उनका बॉडीगार्ड अनिल सोरेन घायल हो गए. साथ ही चाइडीहा निवासी सूरज सिंह को गंभीर चोट लगी है. उसका दाहिना पैर टूट गया है. तीनों को डुमरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक इलाज किया जा रहा है. जानकारी के मुताबिक एक बाइक सवार तेज गति के साथ बाइक चला रहा था. तेज गति के कारण बाइक अनियंत्रित होकर विपरीत दिशा से आ रही बाइक से टकरा गई. जिसके कारण तीन बाइक सवार घायल हो गए.

चोरी की बाइक के साथ चोर गिरफ्तार

लोहरदगा के कुड़ू शहरी क्षेत्र से हुआ था चोरी, भेजा गया जेल

संवाददाता । लोहरदगा

कुड़ू शहरी क्षेत्र के बाजारटांड़ से चोरी हुए बाइक को पुलिस ने बरामद कर लिया है. बाइक चोर भी पुलिस शिकंजे में फंसा है. पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर शुक्रवार को लोहरदगा जेल भेज दिया है. बताया जाता है कि गुरुवार को कुड़ू साप्ताहिक बाजार से कुड़ू निवासी विनय कुमार की बाइक सुपर स्पेलेंडर को अज्ञात व्यक्ति के द्वारा चोरी कर लिया गया था.

विनय कुमार के लिखित आवेदन के आधार पर कुड़ू थाना में मामला दर्ज किया गया था. पुलिस को सूचना मिली कि चोरी गयी बाइक को एक व्यक्ति लेकर टाटी चौक के पास खड़ा है. सूचना के बाद थाना प्रभारी विश्वजीत कुमार सिंह तथा सअनि सुकु सोरेन पुलिस जवानों के साथ टाटी चौक पहुंचे. टाटी चौक के पास जैसे ही पुलिस पहुंची तो एक युवक बाइक को जल्दबाजी में बाइक को स्टार्ट करके टाटी कैरो रोड की तरफ भागने लगा. पुलिस वाहन ने पीछा करते हुए टाटी नर्सरी के पास पकड़ा. बाइक को चैक किया गया तो उसके पीछे नम्बर प्लेट पर चोरी गई बाइक का नंबर मिल गया. बाइक की गहनता से जांच किया गया तो उसका चेचिस व इंजन नंबर चोरी गई बाइक से मिल गया. चोरी गई बाइक से पकड़े गए युवक की पहचान कुड़ू थाना क्षेत्र के लावागांई निवासी नईम खान के पुत्र अदनान अलतम उर्फ उम्र इदुल के रूप मे की गई. पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लोहरदगा जेल भेज दिया गया है.

सफलता | गांव में देसी कट्टा लहरा रहा था, गिरफ्तार युवक की पहचान लक्ष्मण हांसदा के रूप में हुई है

देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस के साथ युवक पकड़ाया

संवाददाता । गोड्डा

गांव में कट्टा लहराते हुए युवक के घूमने की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्यवाही करते हुए आरोपी युवक को दबोच लिया. घटना ललमटिया थाना अंतर्गत ग्राम बड़ा खैरबन्नी की है. पुलिस को यह सूचना मिली कि गांव में एक युवक हथियार लेकर घूम रहा है. इस सूचना के बाद ललमटिया थाना प्रभारी चंद्रशेखर सिंह अपने दल-बल के साथ गांव पहुंचे और मौके से युवक को गिरफ्तार कर लिया गया. युवक की तलाशी के दौरान इसके पास से एक देशी कट्टा एवं दो जिंदा कारतूस बरामद किया गया. पूछताछ में बरामद किए गए हथियार का कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया और ना कोई तार्किक बात ही बताई. युवक की पहचान लक्ष्मण हांसदा (42) पिता संझला हांसदा ग्राम फुलवड़िया के रूप में की गई है. सहायक अवर निरीक्षक प्रभात कुमार सिंह के बयान पर ललमटिया थाना कांड संख्या 93/23 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुए युवक को जेल भेज दिया गया है. छापेमारी दल में थाना प्रभारी के अलावा असी जितेंद्र वर्मा प्रभात सिंह सशस्त्र जवान एवं अन्य शामिल थे.

पुलिस ने दो साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

- गिरफ्तार आरोपियों में कुर्बान अंसारी और आसिफ अंसारी शामिल है

संवाददाता । गिरिडीह

जिले के गांडेय थाना क्षेत्र से दो साइबर ठग गिरफ्तार हुए हैं. बताया जाता है कि गिरिडीह एसपी दीपक कुमार शर्मा को गुप्त सूचना मिली थी कि गांडेय थाना क्षेत्र के ग्राम घाटकुल में (सरकारी स्कूल के पास) दो शातिर साइबर ठगी को अंजाम दे रहे हैं. सूचना पर सदर एसडीपीओ अनिल सिंह के निर्देश पर गांडेय पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन कुमार और गांडेय थाना प्रभारी साकेत प्रताप देव दलबल के साथ कार्रवाई की. इस छापेमारी के दौरान गांडेय के ही घाटकुल के रहने वाले 26 वर्षीय मो कुर्बान अंसारी और 28 वर्षीय मो आसिफ अंसारी को रंगेहाथ साइबर अपराध करते हुए गिरफ्तार किया गया. वहीं गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से पुलिस ने अलग-अलग कंपनियों के चार एंड्रॉयड फोन और जिसमें सिम लगा हुआ, जबकि एक आई फोन-8 बरामद किया गया है. सभी गिरफ्तार आरोपियों जेल भेज दिया गया.

कुएं से मिला पांच वर्षीय बच्चे का शव, घर से था लापता

संवाददाता । पलामू

जिले के पाटन प्रखंड के सूठा गांव स्थित एक कुएं से पांच वर्षीय बच्चे का शव बरामद किया गया. बच्चा गुरुवार शाम से लापता था. उसे खोजा जा रहा था. रात में छानबीन के दौरान स्थानीय लोगों एवं पुलिस ने गांव के कुएं में बच्चे का शव तैरता देखा और उसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमआरएमसीएच मेदिनीनगर भेज दिया. शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम किया गया. बच्चे की पहचान सूठा गांव निवासी अकबर अंसारी का पुत्र जुनैद आलम के रूप में हुई है. परिजन और ग्रामीणों के अनुसार खेल-खेल में कुएं में गिरने से बच्चे की मौत हुई. घटना गुरुवार शाम पांच बजे की है. जुनैद गुरुवार शाम 5 बजे से ही लापता था. ग्रामीणों ने पुलिस को इस संबंध में सूचना दी थी. जुनैद खेलते खेलते कुएं में गिर गया, जिससे उसकी डूबने से मौत हुई.

किशनपुर ओपी प्रभारी नीरज कुमार ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच में भेजा दिया. ओपी प्रभारी ने कहा कि परिजनों की ओर से इस संबंध में अबतक कोई आवेदन नहीं दिया गया है. परिजनों के अनुसार जुनैद घर से संध्या चार बजे खेलने के लिए निकला था. लापता होने के बाद उसकी खोजबीन करने पर रात करीब 10 बजे बच्चे का शव कुएं से मिला. मुखिया प्रतिनिधि इकबाल अंसारी के प्रयास से शव को कुएं से बाहर निकाला गया.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम से लग्न में चंद्र राहु गुरु का योग है. धन का आगमन होगा, पर किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है. यात्रा में सावधानी रखें, नुकसान हो सकता है. वाद-विवाद से प्रतिष्ठा में कमी आयेगी. जोखिम-जमानत के कार्य न करें.

वृषभ गलत जगह खर्च में वृद्धि होगी. विरोधी हार मानेंगे. राजकीय कार्यों में गति आएगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता मिलेगी. पुराण और बड़ा निवेशादि लाभ देंगे. संतान की तरक्की से मन प्रसन्न रहेगा. मंदिर में अन्न का दान करें.

मिथुन भाई के लिए शाम का समय ठीक है. पर जल्दबाजी में लिए हुए निर्णय ठीक नहीं होंगे. यह नुकसान का कारण बनेगा. सोच-समझकर निर्णय लें. सुख के साधनों की चिंता हो सकती है. संपत्ति के कार्य सफल होंगे.

कर्क घर परिवार में शुख शांति होगी. भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा. आपकी मेहनत के बल पर पराक्रम में वृद्धि होगी. विद्यार्थी वर्ग अल्प प्रयास से सफलता मिलेगी. निवेशादि से लाभ होगा. कोई बड़ा लाभ का योग है. मंदिर ने जल दान करें.

सिंह सोच विचार कर ही कार्य करें. ससुराल से लाभ होगा. भाग्य के बल पर कार्य होगा. कोशिश करने से कार्य बनेंगे. कठिन परिश्रम द्वारा सफलता मिलेगी, किसी वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें. व्यापार-व्यवसाय में अचानक लाभ के योग हैं.

कन्या कोई कार्य करने या बोलने से पहले सोच समझ लें. खर्च बढ़ सकता है. पराक्रम में वृद्धि होगी. निवेश करने के लिए समय सही है. आपको मेहनत के बल पर रोजगार की प्राप्ति हो सकती है. कोई छोटी यात्रा शुभ रहेगी. गौ माता का सेवा करें.

तुला प्रतिष्ठा बढ़ेगी. परिवार का सुख सहयोग मिलेगा. निवेशादि से लाभ होगा. रोजगार प्राप्ति हो सकती है. बौद्धिक कार्य सफल होंगे. दूसरों की देखादेखी नहीं करें. पार्टनर से मतभेद होगा. कृष्ण के बालरूप का पूजन करें.

वृश्चिक संतान के कार्य बनने से मन खुश होगा. अचानक कार्य बनने के योग उपस्थित होंगे. कोई छोटी यात्रा शुभ होगी. निवेशादि लाभदायक रहेंगे, व्यापार अच्छा चलेगा. मानसिक उलझन होगा. हनुमानजी का पूजन अर्चन करें.

धनु शिक्षा में कुछ अड़चन का योग है. कार्य सावधानी से करें. ज्यादा आत्मविश्वास घातक है. व्यय बढ़ने से क्लेश हो सकता है. निर्णय सोच समझ कर लें, जोखिम न लें. प्रतिष्ठित व्यक्ति से भेंट हो सकती है. कोई कार्य बनने से लाभ होगा.

मकर कार्य का विरोध हो सकता है. रुका हुआ धन प्रयास करने पर वापस आएगा. कोई छोटी यात्रा शुभ रहेगी. निवेशादि से लाभ होगा. कार्य व्यवसाय में सफलता की संभावना है. गाय का घी ब्राह्मण को दान करें.

कुंभ राजकीय कार्यों की रुकावटें दूर होंगी. निवेशादि से लाभ होगा. शेयर बाजार से लाभ का योग है. नौकरी-इन्टरव्यू में सफलता मिलेगी. रुके हुए काम बन सकते हैं. किसी गरीब को भरपेट भोजन दें. समय बहुत ही अनुकूल होगा.

मीन नेत्र रोग से बचे. कुछ क्रोध से भी हानि का योग है. किसी मंदिर में दर्शन-पूजन का योग है. अध्यात्म के प्रति खर्च होगा. बिगड़ते कार्य बनने लगेंगे. सोचा हुआ निवेशादि लाभ देंगे. कार्य व्यवसाय ठीक चलेगा. वाहन का प्रयोग सावधानी से करें.

भ्रष्टाचारमुक्त समाज पर नुक्कड़ नाटक

रांची। सीसीएल के सौजन्य से अटल स्मृति वेंडर मार्केट में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का अभियान चलाया, जिसमें नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया. कलाकारों ने समाज को भ्रष्टाचार के कारण समाज पर हो रहे नुकसान को अपनी प्रस्तुति के माध्यम से दर्शकों को अवगत कराया गया. गीत और संवाद के माध्यम से कलाकारों ने दर्शकों को जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया. भ्रष्टाचार मुक्त समाज का बनाने का संदेश भी दिया. मौके पर महाप्रबंधक (सतर्कता) अवध किशोर सिंह, विभागाध्यक्ष (जनसंपर्क) आलोक कुमार, शशांक शरण, विश्वास वत्स, मनीष कुमार समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल थे.

भारत नाम सम्मान पर विचार गोष्ठी कल

रांची। मैं भारत हूं फाउंडेशन एवं श्री माहेश्वरी सभा रांची के संयुक्त तत्वावधान में 29 अक्टूबर को अपराह्न 11:30 बजे से माहेश्वरी भवन रांची में 'भारत को केवल भारत ही बोला जाए इंडिया नहीं, एक देश एक नाम के तर्ज पर भारत नाम सम्मान' विषयक विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा. कार्यक्रम के संयोजक मुकेश काबरा ने बताया विचार गोष्ठी कार्यक्रम में मैं भारत हूं फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार जैन (मुंबई) तथा कई राष्ट्रीय पदाधिकारीगण भाग लेंगे. विचार गोष्ठी में रांची के सांसद संजय सेठ, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू , महुआ मांझी, पूर्व सांसद अजय मारू, महेश पोद्दार, नगर के विशिष्टगण एवं सभी सामाजिक संस्थाओं के अध्यक्ष, सचिव एवं अन्य प्रतिनिधि भाग लेंगे. कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. विचार-गोष्ठी के उपरांत अपराह्न 2 बजे से सहरुचि भोज एवं प्रेस वार्ता का भी आयोजन किया जाएगा.

शरद पूर्णिमा आज, चंद्र ग्रहण और गजकेसरी योग

संवाददाता।रांची

अश्विन माह की पूर्णिमा का व्रत 28 अक्तूबर को रखा जाएगा. इस पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा, कोजागरी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है. इस दिन महर्षि वाल्मीकि की जयंती भी मनाई जाती है. इस वर्ष की शरद पूर्णिमा में सालों बाद ऐसा संयोग मिल रहा है कि खंडग्रास चंद्रग्रहण और गजकेसरी योग एक साथ हो रहा है. यह चंद्र ग्रहण पूरे भारत में दिखाई देगा. शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा सोलह कलाओं से युक्त रहता है और ऐसे में चंद्र ग्रहण लगना विशेष है. यह चंद्र ग्रहण अश्विनी नक्षत्र और मेष राशि में होगी. इसलिए इस राशि और नक्षत्र में जन्मे लोगों को चंद्र, राहु और मंगल का जप करना चाहिए.

चंद्र ग्रहण का समय

प्रसिद्ध ज्योतिर्विद आचार्य प्रणव मिश्रा ने बताया कि ऋषिकेश पञ्चाङ्ग के अनुसार खंडग्रास चंद्र ग्रहण की अवधि 1 घंटा 18 मिनट का होगा. चंद्र ग्रहण 28 अक्तूबर दिन शनिवार की मध्य रात्रि एक बजकर पांच मिनट पर शुरू होगा और उसी रात दो बजकर चौबीस मिनट पर समाप्त होगा. चंद्रग्रहण का सूतक नौ घंटे पहले लगता है. चंद्र ग्रह का सूतक 28 अक्तूबर को संध्या 04 :05 मिनट पर शुरू हो जाएगा.

खीर बनाने की परंपरा बाधित

शरद पूर्णिमा के दिन चंद्र ग्रहण होने के कारण खीर बनाने की परंपरा बाधित हो जाएगी, किंतु अगर शुद्ध परंपरा का निर्वाह करना है तो 28 अक्तूबर शनिवार को रात्रि चंद्र ग्रहण समाप्त होने के पश्चात 02 :24 मिनट पर स्नान कर के खीर बना कर चांद की चांदनी में रख कर 29 अक्तूबर को सूर्योदय के बाद प्रसाद के रूप में ग्रहण करें.

राशि अनुसार ग्रहण का प्रभाव

- **मेष** : घात, शत्रुता हो सकती है
- **वृष**: धन हानि
- **मिथुन**: उन्नति, धन लाभ
- **कर्क**: सुख, लेकिन भय होगा.
- **सिंह**: संतान की चिंता, सम्मान में कमी.
- **कन्या**: शत्रु भय, कष्ट होगा
- **तुला**: पति/ पत्नी संबंध खराब
- **वृश्चिक**: गुप्त चिंता
- **धनु**: धन खर्च, चिंता
- **मकर**: कार्यों में सफलता, व्यथा
- **कुंभ**: उन्नति, धन लाभ
- **मीन**: धन की हानि, क्षति होगा.

आओ जानें

रामायण पर आधारित सामान्य ज्ञान

- उस धनुष का नाम बताइये जिसका उपयोग भगवान राम ने सीता स्वयंवर में किया था? – पिनाक
  व्याख्या: भगवान राम ने सीता स्वयंवर में भगवान शिव के धनुष पिनाक का उपयोग किया था.
- रावण किस वाद्य यंत्र को बजाया करता था? – वीणा
  व्याख्या: लंका का राजा रावण, वीणा वाद्य यंत्र बजाने में निपुण था.
- गायत्री मंत्र के लिए निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?– रामायण के हर 1000 श्लोक के बाद आने वाले पहले अक्षर से गायत्री मंत्र बनता है तथा गायत्री मंत्र में 24 अक्षर होते हैं.
  व्याख्या: गायत्री मंत्र में 24 अक्षर होते हैं और वाल्मीकि रामायण में 24,000 श्लोक हैं. रामायण के प्रत्येक 1000 श्लोक के बाद आने वाले पहले अक्षर से गायत्री मंत्र बनाता है. यह मंत्र इस पवित्र महाकाव्य का सार है. ऋग्वेद में सबसे पहले गायत्री मंत्र का उल्लेख किया गया है.
- उस जंगल का नाम बताएं जहाँ भगवान राम, लक्ष्मण और देवी सीता वनवास के दौरान रूके थे? – दंडकारण्य
  व्याख्या: दंडकारण्य में भगवान राम, देवी सीता और लक्ष्मण ने अपना वनवास बिताया.

नई पहल : व्यावसायिक शिक्षा को दिया जाएगा बढ़ावा

सरकारी स्कूलों में अब इंटर्नशिप, गेस्ट लेक्चर

प्रमुख संवाददाता।रांची

झारखंड के सरकारी स्कूलों में इंटर्नशिप, इंडस्ट्रियल विजिट और गेस्ट लेक्चर का कॉन्सेप्ट शुरू होने जा रहा है. सरकारी स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह पहल की गई है. राज्य में वर्तमान में 11 तरह की व्यावसायिक शिक्षा वोकेशनल के छात्रों को दी जा रही है. जॉब रोल की प्राथमिकता के आधार पर बच्चों को इंटर्नशिप के लिए अलग-अलग संस्थाओं में भी भेजा जा रहा है. झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने हेडमास्टरों को निर्देश दिया है कि जरूरत पड़ने पर बच्चों को सरकारी संस्थाओं में भी इंटर्नशिप कराने के लिए प्रस्ताव तैयार करें. इंटर्नशिप केवल कक्षा 11वीं और 12वीं के वोकेशनल बच्चों के लिए ही मान्य होगा. व्यावसायिक शिक्षा को लेकर शुक्रवार को झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के ऑफिस में जिला स्तरीय शिक्षा पदाधिकारियों की कार्यशाला आयोजित की गई. जिसमें बच्चों के अंदर व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 'इंटर्नशिप, इंडस्ट्रियल विजिट और गेस्ट लेक्चर ' पर जोर देने का निर्देश दिया गया.

446 स्कूलों में शुरू होने वाला है वोकेशनल इंटर्नशिप : राज्य के 446 स्कूलों में वोकेशनल की इंटर्नशिप अब शुरू होने वाला है. बच्चों को इंटर्नशिप में भेजने से पहले स्कूल प्रबंधन उनके कार्यस्थल की जांच करेंगे. निरीक्षण कर यह पड़ताल किया जाएगा कि कार्यस्थल बच्चों के कार्य करने के लिए सुगम और सुरक्षित है भी या नहीं. खास तौर पर बच्चियों की सुरक्षा की वहां क्या व्यवस्था है. संबंधित संस्था से बात कर बच्चों के आने-जाने और ठहरने की व्यवस्था की पूरी जानकारी ली जाएगी. हेडमास्टर और वोकेशनल ट्रेनर समय-समय पर कार्यस्थल का निरीक्षण भी करेंगे और इसकी निगरानी करेंगे कि बच्चे इंटर्नशिप के लिए जा रहे हैं या नहीं.

80 घंटे का इंटर्नशिप कराना अनिवार्य - स्वप्निल कुजूर

कार्यक्रम के स्टेट कोऑर्डिनेटर स्वप्निल कुजूर ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि बच्चों को 80 घंटे का इंटर्नशिप अनिवार्य रूप से कराया जाए. वोकेशनल के बच्चों का बैंक अकाउंट भी खोला जाए, ताकि बच्चों के खातों में डीबीटी के माध्यम से पैसे भेजे जा सकें. उन्होंने कहा कि वोकेशनल के बच्चों को इंटर्नशिप के लिए 1200 रुपये का स्टाइपेंड मिलेगा. साथ ही प्रशिक्षण खत्म होने के बाद प्रमाण पत्र के रूप में उन्हें सर्टिफिकेट दिया जाएगा. बच्चों को इंटर्नशिप कराने और व्यावसायिक शिक्षा देने में वीटी शिक्षकों का भी अहम योगदान होता है. इसे देखते हुए वीटी को भी प्रोत्साहन राशि के रूप में 75 रुपये प्रति छात्र दिया जाएगा.

इंडस्ट्रियल विजिट पिकनिक की तरह न मनाया जाए

कार्यशाला में पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि स्कूलों में किसी भी हालत में इंडस्ट्रियल विजिट को पिकनिक के रूप में नहीं मनाया जाए. बैनर, पोस्टर और फोटो खिंचवाने से ज्यादा शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाए. इंडस्ट्रियल विजिट के लिए प्रत्येक स्कूल को 7500 रुपये दिए गये हैं. वहीं कम से कम एक घंटे का गेस्ट लेक्चर आयोजित करने का निर्देश दिया गया है. स्कूलों में वॉल ऑफ फेम भी तैयार करने के लिए कहा गया है, ताकि स्कूल की उपलब्धियों को जन-जन तक उस दीवार के माध्यम से पहुंचाया जा सके.

श्री श्याम मंदिर में आज मनेगा शरद पूर्णिमा उत्सव

रांची। हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में शरद पूर्णिमा उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा. शरद पूर्णिमा के अवसर पर बाबा श्याम को श्वेत पोशाक (बागा) श्वेत आभूषण श्वेत फूलों का श्रृंगार किया जाएगा। श्वेत प्रसाद से बाबा को भोग लगाया जाएगा एवम श्वेत लाइट से पूरा मंदिर को सजाया जाएगा। इस बार चंद्र ग्रहण होने के कारण शनिवार को प्रातः ही श्रृंगार एवं श्वेत दर्शन भक्तों को हो पाएंगे. दोपहर 3:30 बजे के बाद मंदिर के पट बंद कर दिए जाएंगे जो कि रविवार 29 अक्टूबर को प्रातः नियमित समय पर खुलेंगे. पूरे झारखंड में एकमात्र हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में ही शरद पूर्णिमा उत्सव खाटूधाम के परंपरा अनुसार इसी रूप में मनाया जा रहा है. इस दिन बाबा श्याम का प्राकृतिक पंखा भी खुलता है.

लातेहार में सम्मानित किए गए डांडिया प्रतियोगिता के विजेता

संवाददाता।लातेहार

शारदीय नवरात्र के अवसर पर श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित डांडिया प्रतियोगिता में भाग लेने कलाकार शुक्रवार को यहां सम्मानित किये गये. इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सियाराम तथा पीयूष कुमार को सम्मानित किया गया. श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने सियाराम व पीयूष को प्रमाण पत्र व नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया. सचिव आशीष टैगोर ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया था. जिसमें सियाराम व ग्रुप को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया था. मौके पर संरक्षक त्रिभुवन पांडेय, विनोद कुमार साहु, कन्हाई प्रसाद, बद्री प्रसाद, रामप्यारे प्रसाद, रंजीत कुमार, रविंद्र प्रजापति, राजू रंजन सिंह, दीपक विश्वकर्मा, संतोष दुबे, पंकज प्रसाद, आकाश कुमार जायसवाल, संजय प्रसाद, चंदन कुमार व पारितोष ठाकुर आदि मौजूद थे.

कन्या पूजन एवं बाल भोज का आयोजन

संवाददाता ।जमशेदपुर

रोटी बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में शुक्रवार को साकची के स्लम बस्ती छाया नगर में कन्या पूजन एवं बाल भोज का आयोजन किया गया. इस अवसर पर 101 कन्याओं का पूजन एवं 251 बालकों को भोजन कराया गया. सभी बच्चों को गिफ्ट भी दिया गया.

मौके पर ट्रस्ट के चेयरमैन मनोज मिश्रा ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से झारखंड को कुपोषण मुक्त करने के अभियान की शुरुआत की गयी. राज्य में कुपोषण का ग्राफ तेजी से बढ़ता जा रहा है, जो बेहद ही चिंता का विषय है. यूनिसेफ की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड में 43 प्रतिशत बच्चे कुपोषित हैं और करीब 55 प्रतिशत महिलाएं एनेमिक हैं. कुपोषण में भी 29-30 प्रतिशत बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं. उन्हें तत्काल एमटीसी में भर्ती कराने की जरूरत है. राज्य में 95 एमटीसी सेंटर हैं. सरकार एमटीसी में आनेवाले माताओं को प्रतिदिन 100/- प्रदान करती है. रिपोर्ट के अनुसार झारखंड में कुपोषण के चलते जहां बच्चे नाटे हो रहे हैं, वहीं उनका वजन भी नहीं बढ़ रहा है. मनोज मिश्रा ने कहा कि जिस ऱाज्य के लगभग आधे बच्चे कुपोषित होंगे, उस राज्य में स्वस्थ मस्तिष्क वाले युवा कैसे मिलेंगे. राज्य में कुपोषण के सर्वाधिक शिकार बच्चे सरायकेला-खरसावां एवं पूर्वी सिंहभूम में मौजूद हैं. कार्यक्रम को सफल बनाने में सरोज देवी, मंजू शर्मा, रीना दास, अंजू देवी, अनीता, सोमवारी, पम्मी कुमारी, प्रियंका, किरण दत्ता, शुभम आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

परिमल विजया मिलन समारोह सह कवि सम्मेलन का आयोजन कल

संवाददाता । आदित्यपुर

सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं सामाजिक संस्था परिमल की ओर से 29 अक्टूबर को संध्या 6 बजे से वीर कुंवर सिंह मैदान रोड नंबर 7-8 में विजया मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा. इसमें कवि सम्मेलन भी होगा. बता दें कि यह संस्था आए दिन कई मौकों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती है. इस बार संस्था ने विजया मिलन के तहत छंदोत्सव अर्थात कवि सम्मेलन का आयोजन राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर के जन्मोत्सव पर उन्हें समर्पित कर रहा है. इसमें शहर के गणमान्य कविगण अपनी कविता और रचना से गुदगुदाएंगे. कवि सम्मेलन में हास्य, व्यंग्य, गीत और गजल प्रस्तुत करेंगे. आमंत्रित कवियों में जमशेदपुर और रांची के कवि शामिल हैं. उनमें श्यामल सुमन, दीपक वर्मा, बसंत कुमार, सूरज सिंह राजपूत, संतोष चौबे, शोभा किरण, निवेदिता श्रीवास्तव, नवीन अग्रवाल, शशि ओझा, उपासना सिन्हा, संजय सुरीला, भोगेंद्र नाथ झा, दिलशाद नज़मी शामिल हैं.

पार्वती शर्मा इंटर महिला कॉलेज के अध्यक्ष की विदाई

सिमडेगा। पार्वती शर्मा इंटर महिला कॉलेज सिमडेगा के एक्स प्रांगण में शुक्रवार को कॉलेज के शासी निकाय अध्यक्ष सह निवर्तमान एसडीओ महेंद्र कुमार को स्थानांतरण होने के उपरांत विदाई में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. उनका स्वागत पारंपरिक तरीके से मांदर नगाड़ा गीत व नृत्य के द्वारा किया गया. कॉलेज के प्राचार्य सत्यव्रत ठाकुर द्वारा बुके देकर शॉल ओढ़ाकर उन्हें सम्मानित किया गया. कॉलेज के शासी निकाय के पदेन सह सचिव सह अंचल अधिकारी इम्तियाज अहमद का स्वागत भी किया गया. मौके पर शिक्षक आरके काशी, वैदेही प्रसाद, सरिता केशरी, निशात अंजुम, सुमन लकड़ा, मनोरमा सुनीता मिंज, किरण माला, पुरण बडाईक,रवि पाढ़ी,सतीश सिंह, आदि मौजूद थे. धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य सत्यव्रत ठाकुर के द्वारा किया गया.

नम आंखों से दी गयी मां को विदाई, मेले का भी समापन

संवाददाता ।गावां (गिरिडीह)

गावां काली मंडा में दुर्गापूजा के मौके पर स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन शुक्रवार को गावां के नौका आहर में पूरे विधि-विधान के साथ हुआ. आज सुबह लगभग 11 बजे श्रद्धालुओं ने शोभा यात्रा निकालकर मां को नम आंखों से विदाई दी. मां की प्रतिमा के मुख मंडल पर भी उदासी साफ झलक रही थी. विसर्जन से पहले महिलाओं ने सिंदूर खेला कार्यक्रम का आयोजन किया. आरती के बाद सभी ने सिंदूर की होली खेली. महिलाओं ने मां को समर्पित होने वाले सिंदूर को अपनी मांग में भरा और एक दूसरे के गालों में लगाया.

विसर्जन के साथ छह दिवसीय मेले का भी समापन : दुर्गापूजा के मौके पर गावां में अयोजित भव्य मेले का भी विसर्जन के साथ समापन हुआ. बता दें कि गावां काली मंडा में दुर्गापूजा के मौके पर ही भव्य मेला लगता है, जिसमें दूर-दराज से दुकानदारों और खरीददारों की भीड़ उमड़ती है. महाअष्टमी को मां के पट खुलते ही गावां में मेला सज जाता है, जो मां की प्रतिमा विसर्जन के साथ ही समाप्त होता है. इस बार गावां में छह दिनों तक मेला लगा रहा.

प्रकाश पर्व पर 27 नवंबर को बिष्टुपुर में नगरकीर्तन

जमशेदपुर। सिखों के प्रथम गुरु नानक देव जी के 554वें प्रकाशपर्व के अवसर पर बिष्टुपुर जी टाउन गुरुद्वारा से नगरकीर्तन निकाला जायेगा. शुक्रवार को सीजीपीसी की अन्य सभी गुरुद्वारा प्रतिनिधियों संग की गयी आम बैठक में यह निर्णय लिया गया. बैठक में सर्वसम्मति से सेंट्रल सिख नौजवान सभा को भंग करते हुए टेल्को नौजवान सभा के प्रधान अमरीक सिंह तो नौजवान सभा का अंतरिम प्रधान बनाया गया. बैठक में तार कंपनी गुरुद्वारा, इंदिरानगर के प्रतिनिधियों ने वहां से नगरकीर्तन निकालने की इच्छा व्यक्त की थी. लेकिन बिष्टुपुर गुरुद्वारा के समर्थन में उनके द्वारा नाम वापस लिए जाने के बाद अमरजीत सिंह भामरा के प्रस्ताव पर बिष्टुपुर गुरुद्वारा से नगरकीर्तन निकालने का निर्णय लिया गया. इस दौरान कई अन्य फैसले लिए गए.

जागरूकता गढ़वा के जतपुरा गांव में एकजुट होकर शराबबंदी करने का लिया गया निर्णय

शराब बेचने वालों का सामाजिक बहिष्कार करेंगे ग्रामीण

संवाददाता।गढ़वा

गढ़वा जिले के बिशुनपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम जतपुरा में ग्रामीणों ने एकजुट होकर शराब बंद करने का निर्णय लिया. ग्रामीणों ने टोले मुहल्ले में घूम-घूमकर शराब नहीं बेचने की चेतावनी दी. ग्रामीणों ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जो लोग शराब बेचते पाएं जाएंगे तो उनका सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा एवं थाना में सूचना देकर उनको दंडित किया जाएगा.

ग्रामीण ने बताया कि जतपुरा गांव में शाम होते ही कुछ लोग अपने घरों में बैठाकर शराब पिलाते हैं तथा खुद पीते हैं. अक्सर लोग शाम को जब शराब पीते है और शराब पीकर लड़ाई झगड़ा करते हैं, जिससे गांव का माहौल खराब हो रहा है.

ग्रामीणों ने कहा कि जतपुरा ऐसा गांव बन गया है जहां दूसरे गांव से लोग आकर शराब पीते हैं और लड़ाई झगड़ा कर देते हैं. ग्रामीणो ने जतपुरा गांव मे शराब बेचने वालों को चेतावनी दी और कहा कि अगर लोग शराब बेचने से नहीं मानेंगे तो हम सभी ग्रामीण लोग एकजुट होकर कानूनी प्रक्रिया अपनाएंगे और सामाजिक बहिष्कार करेंगे. लोगों ने एकजुट होकर कहा कि आज के समय में कम उम्र के बच्चे भी शराब पीने की लत लगा रहे हैं, जिन्हें रोकना होगा. शराब बंद करने के लेकर यशवन्त प्रजापति, संजय राम, कुन्दन कुमार, विकाश कुमार, मनिश कुमार, अमित कुमार, सतिश कुमार, नागेन्द्र यादव, रामनाथ प्रजापति, रामलखन यादव, ललिता देवी, सरिता देवी, पुनम देवी, फुलझरी देवी, शान्ति देवी सहित ग्रामीण उपस्थित थे.

गढ़वा जिले के जतपुरा गांव में शराब विक्रेताओं और शराबियों के विरोध में प्रदर्शन करते ग्रामीण.

खास बातें

- टोले-मुहल्ले में घूम-घूम कर लोगों को दी गई चेतावनी
- शराब बेचते पाए जाने पर थाना में सूचना दे कर करेंगे दंडित

साकची गुरुद्वारा में अरदास के साथ शुरू हुआ तीन दिवसीय आयोजन

सिख बिरसा प्रदर्शनी का शुभारंभ

संवाददाता।जमशेदपुर

साकची गुरुद्वारा में शुक्रवार को तीन दिवसीय महिलाओं की हस्तनिर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी का शुभारंभ गुरु महाराज के अरदास के साथ हुआ. साकची गुरुद्वारा में आयोजित सिख बिरसा प्रदर्शनी का उद्देश्य महिला को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करना है. यह प्रदर्शनी 29 अक्टूबर तक चलेगी.

इस संबंध में आयोजनकर्ता संदीप कौर और चरणजीत कौर ने कहा कि महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है. महिलाएं जो अपने घर में सजावट आदि की वस्तुएं और अन्य कई प्रकार की वस्तुओं का निर्माण करती हैं. उनको एक उचित प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के साथ ही महिलाओं को अपनी कला के प्रदर्शन करने तथा उनके द्वारा बनायी गयी हस्तनिर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी सह विक्रय का लाभ उन्हें मिले. यही इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य है. इस दौरान लोग प्रदर्शनी में अपनी जरूरत के सामानों की खरीदारी करते हुए दिखे. इस अवसर पर मुख्य रूप से अध्यक्ष सरदार निशान सिंह, ट्रस्टी सरदार सतनाम सिंह सिद्धू , महासचिव सरदार परमजीत सिंह काले, कोषाध्यक्ष सरदार जसबीर सिंह गांधी, वरीय उपाध्यक्ष सरदार सतनाम सिंह घुम्मन, सरदार दलजीत सिंह, सरदार मनोहर सिंह मित्ते, सरदार त्रिलोचन सिंह तोची आदि उपस्थित थे.

साकची गुरुद्वारा में आयोजित प्रदर्शनी में पहले दिन खरीदारी करते लोग.

सात माह से राशन नहीं मिलने के कारण ग्रीन कार्डधारियों की परेशानी बढ़ती जा रही है. खरीद कर चावल, दाल खाना उनके लिए संभव नहीं हो पा रहा है. वे कहते हैं कि बेरोजगारी की समस्या है, साथ ही चीजों के दाम बढ़ते जा रहे हैं. ऐसे में घर चलाना मुश्किल हो रहा है. छोटा-मोटा काम कर गुजारा कर रहे हैं, अगर सरकारी राशन समय पर नहीं मिलेगा तो हमें अन्यत्र जाकर काम करना पड़ेगा. यानी हमें पलायन के लिए मजबूर होना पड़ेगा. ग्रीन कार्डधारी लाभुकों में अधिकतर वैसे लोग हैं जो रोज कमाने खाने या छोटा मोटा धंधा कर घरवार चलाते हैं. इन लोगों को सरकारी राशन का इंतजार रहता है. वे कहते हैं कि सरकारी चावल,दाल मिलने से घर चलाना आसान हो जाता है. खासकर पांच-छह सदस्यों वाला वैसा परिवार जिसमें कमाने वाला सिर्फ एक व्यक्ति हो. केन्द्र सरकार की ओर से राशन का चावल बंद करने के बाद राज्य सरकार की ओर से कई महीनों तक राशन उपलब्ध कराया गया. अभी ग्रीन कार्डधारियों को राशन नहीं मिल रहा है.सरकार को इस ओर ध्यान देने की जरुरत है. ताकि समय पर राशन उपलब्ध हो सके. **शुभम संदेश की टीम ने राज्य के विभिन्न जिलों में ग्रीन कार्डधारी लाभुकों से बात की है. पेश है रिपोर्ट.**

सात माह से राशन नहीं, बढ़ रही है ग्रीनकार्ड धारियों की परेशानी

सरकारी राशन से घर चलाने में होती है सहूलियत, समय पर मिले

हर माह दुकानों से चावल - दाल खरीदना हमारे वश की बात नहीं

हमलोग रोज कमाने-खाने वाले, सरकार हमारी परेशानियों पर ध्यान दे

राशन नहीं, तो पलायन को मजबूर

हजारीबाग

न राशन मिला, न दाल मिली : उषा देवी

इचाक की उषा देवी का कहना है कि अप्रैल से अबतक का राशन नहीं मिला है और न ही चना दाल ही दी गई है. कई बार डीलर से शिकायत की, लेकिन कोई असर नहीं हुआ. उनके पास ग्रीन कार्ड है. किसी प्रकार घर-परिवार चला रहे हैं. उन्हें अपना परिवार चलाने के लिए हर माह सरकार से दी जाने वाली राशन की जरूरत है.

राशन मिलता, तो राहत मिलती : शहजाद अंसारी

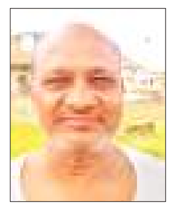

तिलरा के मो. शहजाद अंसारी ने बताया कि ग्रीन कार्ड से एक माह का राशन मिला है. इससे पहले जब से यह कार्ड बना है, मात्र पांच माह ही राशन मिला है. किसी प्रकार मजदूरी कर परिवार का गुजर-बसर कर रहे हैं. अगर राशन हर महीने मिलता, तो काफी राहत मिलती. सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए.

राशन नहीं, चना दाल का पता नहीं : आबिद अंसारी

इचाक तिलरा कवातू के आबिद अंसारी ने बताया कि उनका ग्रीन कार्ड बना है. इस कार्ड में इस साल में मार्च का राशन उठाव हुआ है. बीच-बीच में पहले भी एक-दो महीना राशन मिला है. उसके बाद से राशन नहीं मिल रहा है. चना दाल के बारे में जानकारी नहीं है. उन्होंने बताया कि माली हालत ठीक नहीं है. पैसे के अभाव में बच्चे की फीस जमा नहीं कर पा रहे हैं, तो राशन कहां से खरीदें.

मार्च के बाद नहीं मिला अनाज : मो. आजाद

कटकमसांडी स्थित पबरा के मो. आजाद ने बताया कि ग्रीन कार्ड पर अनाज नहीं मिल रहा है. मार्च के बाद से अनाज नहीं मिला है. चना दाल के बारे में तो जानकारी तक नहीं दी जाती है. कई बार डीलर से शिकायत की, लेकिन अनाज नहीं आने की बात कही जाती है. दौड़ लगाते-लगाते थक चुके हैं, अब उनसे नहीं दौड़ा जाता है. सरकार को इस ओर गंभीरता से ध्यान देने की जरुरत है.

सालभर से नहीं मिला है राशन : जागेश्वर मेहता

इचाक नावाडीह के जागेश्वर मेहता ने बताया कि ग्रीन कार्ड पर सालभर से राशन नहीं मिल रहा है. चना दाल के बारे में कोई जानकारी नहीं है. कई बार डीलर से शिकायत की, लेकिन अब तक राशन उपलब्ध नहीं हो पाया है. किसी प्रकार मजदूरी कर घर चला रहे हैं. राशन मिलता, तो थोड़ी सुविधा होती.

किरीबुरू

राशन से राहत मिलती है : उर्मिला देवी

हरा कार्डधारी उर्मिला देवी (कार्ड संख्या-202800314782) का कहना है कि मार्च 2023 का राशन अगस्त 2023 में मिला. उसके बाद राशन नहीं मिला. राशन नहीं मिलने से घर चलाना मुश्किल हो रहा है.हमारी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है. राशन मिलने से काफी राहत मिलती है. राशन से चना दाल भी नहीं दी जा रही है. राशन डीलर का कहना है कि अप्रैल माह का राशन आया है, पर अभी बांटने का निर्देश नहीं मिला है.

परिवार चलाना मुश्किल : बिनोद प्रसाद

हरा कार्डधारी बिनोद प्रसाद (कार्ड संख्या-202800360099) ने बताया कि सरकार सात माह से राशन नहीं दी है. ऐसे में हम गरीब कैसे जियेंगे, क्या खायेंगे. उन्होंने बताया कि मार्च माह का राशन अगस्त माह में मिला. मार्च के बाद का राशन नहीं मिला है. दुकान से 40-50 रूपये किलो चावल खरीद रहे हैं. ऐसे में हमारा घर-परिवार चलाना मुश्किल हो गया है. सरकार ऐसी व्यवस्था करें कि हर माह राशन मिल सके.

सरकार जल्द राशन उपलब्ध कराए : गीता कौर

हरा कार्डधारी गीता कौर (कार्ड संख्या-202800762469) का कहना है कि सरकारी राशन का हमें इंतजार रहता है. अगस्त में मार्च महीने का बकाया राशन दिया गया था. मार्च के बाद राशन नहीं मिला है. डीलर का कहना है कि अप्रैल माह का राशन आया है लेकिन आदेश मिलने के बाद ही बांटा जाएगा. इधर मंहगाई दिनों दिन बढ़ती जा रही है. सरकार जल्द राशन उपलब्ध करने का प्रयास ताकि हमारी मुश्किलें कम हो. राशन नहीं मिलने से बाजार से चावल-दाल खरीदना पड़ रहा है. यह हमलोगों के लिए काफी भारी पड़ रहा है.

हर चीज के दाम बढ़ गए हैं : मंजूश्री पूर्ति

हरा कार्डधारी मंजूश्री पूर्ति (कार्ड संख्या-202800698872) ने बताया कि मार्च के बाद राशन नहीं मिला है. आखिरी बार अगस्त में मार्च महीने का राशन दिया गया था. हाल के दिनों में चीजों के दाम काफी बढ़ गए हैं. दुकान से चावल खरीदना मुश्किल हो रहा है. डीलर कहते हैं कि जब सरकार राशन भेजेगी तो हम देंगे. सरकार से हर माह मिलने वाली राशन से काफी सहारा मिलता है. सरकार जल्द बकाया राशन उपलब्ध कराये.

सरकार समाधान निकाले : शोभा पासवान

हरा कार्डधारी शोभा पासवान (कार्ड संख्या-202800339406) ने बताया कि सरकार हम लोगों की ओर ध्यान नहीं दे रही है. समय पर राशन नहीं मिलने से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि मार्च माह के बाद का राशन अब तक नहीं मिला. दुकान में चावल 50 रूपये किलो बिक रहा है. इतना महंगा चावल खरीदना हमारे लिए मुश्किल हो रहा है. सरकार इस समस्या का जल्द समाधान निकाले. ताकि हमें राहत मिल सके.

गोड्डा

डीलर सही बात नहीं बताते हैं बात टालते हैं : राजेश हांसदा

ग्रामीण राजेश हांसदा का कहना है कि सरकारी राशन का लाभ ग्रामीणों से अधिक सरकारी बाबुओं को मिलता है. हम ग्रामीणों को तो पता ही नहीं चल पाता है कि कितनी मात्रा में अनाज सरकार देती है और कब देती है. डीलर भी सही बात नहीं बताते हैं. ग्रामीण के घर पर जब अनाज नहीं होता है तब डीलर के पास पहुंच जाता है. सबसे अधिक समस्या पहाड़ी क्षेत्रों में होती है. कोई देखनेवाला ही नहीं होता है. सब काम डीलर के जिम्मे ही रहता है.

जरूरी यह है कि अनाज नियमित और सही वजन में मिले : कलीमुद्दीन

ग्रामीण कलीमुद्दीन का कहना है कि ग्रीन कार्ड धारी को भी लाल कार्ड की भांति सुविधा दी जानी चाहिए. क्योंकि ग्रीन कार्डधारी भी ज्यादातर गरीब तबके से ही आते हैं. कार्ड किसी भी रंग का हो, सबसे प्रमुख बात यह है कि अनाज नियमित तौर पर बिना चोरी के सही वजन से मिले यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए. डीलर की मनमानी कैसे रुके इसके लिए उपाय किए जाने चाहिए.

ब्लॉक में भी हमारी कोई सुनने वाला नहीं है : मंजूर आलम

ग्रामीण मंजूर आलम कहते हैं कि राशन लेने के लिए डीलर के यहां प्रतिदिन हाजिरी लगानी पड़ती है. अगर एक दिन लेट हो गए तो डीलर तुरंत कह देता है कि लेट हो गए राशन खत्म हो गया. अब अगली बार अलॉटमेंट मिलेगा तब देंगे. कुछ वाद विवाद किए तो अनाज ही बंद करवा देने की धमकी देते हैं. ब्लॉक में भी कोई सुनने वाला नहीं है. दलाल के बिना कोई काम नहीं होता है. इसका समाधान निकाला जाना चाहिए.

डीलर ऊंची कीमत पर अनाज बाजार में बेच देते हैं: अब्दुल गनी

ग्रामीण अब्दुल गनी का कहना है कि सरकारी राशन दुकान पर मिलनेवाले अनाज की गुणवत्ता में सुधार हुआ है. अभी जो अनाज मिलता है वह साफ सुथरा और अच्छा रहता है. इसलिए डीलर कार्ड वाले के हिस्से की कटौती कर इसे खुले बाजार में ऊंची कीमत पर बेच देते है. अनाज बाहर बेचने पर डीलर को ज्यादा मुनाफा मिलता है. इसलिए ग्रामीणों को वजन में कम अनाज मिल पाता है.

धनबाद

नियमित रूप से राशन नहीं देना है तो योजना बंद कर दे : शीला देवी

तोपचांची प्रखंड के चैता पंचायत अंतर्गत खेड़ाबेड़ा गांव की शीला देवी जिनकी ग्रीन कार्ड संख्या 202800936585 है, ने बताया कि मार्च तक का चावल पिछले महीने मिला है. इस महीना अनाज नहीं मिला. पिछले साल से ही यह समस्या आ रही है., गेंहू चीनी,नमक चना दाल तो अभी तक नहीं मिला है. क्या करें, डीलर का कहना है कि सरकार ही अनाज नहीं दे रहा है, तो हम क्या करे. हम सरकार से यही कहना चाहते हैं कि राशन समय से नहीं देना है तो योजना बंद कर दे. बेकार के हमलोग हर माह आस लगाए रहते है. ।

लालकार्ड की तरह हमें भी पूरा राशन मिले : विनीत कुमार

तोपचाची प्रखंड के खेसमी ग्राम पंचायत निवासी विनीत कुमार जिनकी कार्ड संख्या 202800318 9533 है, का कहना है कि ग्रीन कार्ड योजना का लाभ तो हमलोग को नियमित रूप से नहीं मिल रहा है. धनबाद के सुदूरव्रती क्षेत्र में हमलोग रहते हैं. अनाज नहीं मिलने से काफी दिक्कत होती है. इस कार्ड से सिर्फ 5 किलो चावल मिलता है. लाल कार्ड की तरह हमलोग को भी चावल के साथ गेहूं, चीनी, नमक मिलना चाहिए.

ग्रीन कार्ड देकर सरकार हम सब को ठग रही है : निशा देवी

खेसमी ग्राम निवासी निशा देवी जिनका ग्रीन कार्ड संख्या संख्या 2028001895 है का कहना है कि नियमित राशन नहीं मिलता है जिससे हम गरीबों का मुश्किल का सामना करना पड़ता है. सरकार बड़ी बड़ी बातें कहती हैं. ग्रीन राशन कार्ड फालतू है, इससे कोई लाभ नहीं मिलता है. अगर समय पर राशन नहीं देना है तो इसे बंद कर देना चाहिए. हम लोगों को सरकार ग्रीन कार्ड देकर ठग रही है. ऐसा करना ठीक नहीं है.

जमशेदपुर

नियमित राशन उपलब्ध कराया जाए : मंजू देवी

ग्रीन कार्डधारी (कार्ड संख्या -20280091075) मंजू देवी का कहना है कि मार्च 2023 तक का राशन अक्टूबर माह में मिला है. नियमित रुप से राशन नहीं मिलने से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. पीडीएस डीलर द्वारा कहा जाता है कि सरकार की ओर से राशन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है. वहीं सरकार कह रही है सभी को राशन दिया जा रहा है. सरकार से हमारी मांग है कि हमें नियमित रुप से समय पर राशन उपलब्ध कराया जाए. ताकि हमारी तकलीफें कम हो सके.

ग्रीन कार्डधारियों के साथ सौतेला व्यवहार ठीक नहीं : नोरिन दास

ग्रीन कार्डधारी (कार्ड संख्या -202800630314) नोरिन दास का कहना है कि हमें नियमित रुप से राशन नहीं मिलने के कारण काफी परेशानी हो रही है. सरकार ग्रीन कार्डधारियों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है. नियमित रुप से राशन नहीं मिलने से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. सरकार ग्रीन कार्डधारियों को नियमित रुप से प्रत्येक माह राशन उपलब्ध कराने की व्यवस्था करें. विगत छह माह से राशन नहीं मिल रहा है. किन परस्थिति में हम गुजारा कर रहे हैं. इसे देखने वाला कोई नहीं है

किस से कहें, हमारी परेशानी सुनने वाला कोई नहीं है : चंद्रा देवी

ग्रीन कार्डधारी (कार्ड संख्या - 2028009267123) परसुडीह निवासी चंद्रा देवी का कहना है कि राशन डीलर द्वारा कहा जाता है कि सरकार की ओर से राशन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है. जबकि सरकार हर बार कहती है कि सभी को राशन दिया जा रहा है. अक्टूबर माह में मार्च महीने का राशन मिला है. ऐसे में हम अपने परिवार का किसी तरह से भरण पोषण कर रहे हैं. हमारी परेशानी को कोई सुनने वाला नहीं है. अप्रैल माह का राशन कब मिलेगा कोई गारंटी नहीं है. सरकार से हमारी मांग है कि ग्रीन कार्डधारियों को नियमित रुप से राशन उपलब्ध कराया जाए.

साहिबगंज

समय पर राशन नहीं तो बंद कर दें योजना : अनारकली

राजमहल प्रखंड वार्ड न 7 अनारकली खातून जिनकी ग्रीन कार्ड संख्या 202800273602 है, ने बताया कि मार्च तक का चावल पिछले महीने दिया गया है. इस माह का अनाज अभी तक नहीं मिला. पिछले साल से ही यह समस्या आ रही है.वहीं कार्ड धारी अनारकली खातून ने बताया कि सरकार ही हमलोगों को अनाज नहीं दे रही है. हम सरकार से यही कहना चाहते है कि राशन समय से नहीं देना है तो योजना बंद कर दे. बेकार के हमलोग हर माह आस लगाए रहते हैं. ऐसी योजना से किसी का भला नहीं होने वाला है.

जब राशन ही नहीं मिलता है तो इस कार्ड का क्या फायदा है: रूपा देवी

साहिबगंज राजमहल प्रखंड वार्ड न 7 दिग्गी तालाब निवासी रूपा देवी जिनकी ग्रीन कार्ड संख्या 202800273602 है. रूपा देवी ने बताया कि नियमित रूप से हम लोगों को राशन नहीं मिल रहा है. जिससे हमारे परिवार को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है. उन्होंने कहा कि सरकार तो बड़ी बड़ी बाते करती रहती है. पर मैं कहना चाहती हूं कि राशन नहीं मिलता है तो ग्रीन राशन कार्ड बेकार बना है. इस कार्ड में केवल चावल के अलावा कोई लाभ नहीं मिलता है. वह भी समय पर नहीं मिलता है.

घाटशिला

समय पर राशन नहीं मिलने से होती है दिक्कत : दुर्गा दंडपात

घाटशिला प्रखंड के पूर्णगोड़ा गांव निवासी दुर्गा दंडपात ने बताया कि राज्य सरकार ने ग्रीन कार्ड योजना का राशन मार्च 2023 तक का दिया है. हालांकि डीलर ने बताया कि अप्रैल माह का भी राशन उपलब्ध है, परंतु सरकार की तरफ से अभी वितरण करने की स्वीकृति नहीं मिली है. दुर्गा डांडुपथ ने कहा कि ग्रीन कार्ड का राशन नहीं मिलने से काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है लेकिन करें तो क्या करें, कोई सुनने वाला नहीं है . अगर ऐसा ही रहा तो और मुश्किल बढ़ जाएगी. पिछले 7 माह से चावल नहीं मिला है.

इडली बेचकर करते हैं परिवार का भरण पोषण : विकास महतो

घाटशिला प्रखंड के धरमबहाल गांव निवासी विकास महतो ने कहा कि 7 महीने से राशन नहीं मिलने से काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. इटली बेचकर किसी तरह परिवार का भरण पोषण करते हैं. सरकार से मांग करते हैं कि जल्द से जल्द बकाया राशन उपलब्ध कराया जाए. सरकार को इस दिशा में ध्यान देना चाहिए. सरकार की ओर से ग्रीन कार्ड धारी को जो दाल मिलती है वह आज तक नहीं मिली है. डीलर ने भी कभी इसकी जानकारी नहीं दी. कई बार डीलर से शिकायत की लेकिन बहाना बनाकर मामले को टाल दिया गया.

चाईबासा

तीन माह से राशन नहीं मिल रहा है : कपिल कालुंडिया

राशन कार्डधारी कपिल कालुंडिया ने कहा कि राशन कार्ड बन तो गया है. लेकिन पिछले तीन माह से राशन नहीं मिल रहा है. जिसके कारण स्थिति खराब हो गई है. जब इस मामले को लेकर शिकायत करने प्रखंड विकास पदाधिकारी के पास जाते हैं तो समाधान कर देने का आश्वसन दिया जाता है. लेकिन समाधान नहीं हो पा रहा है. डीलर फटकार लगाकर वापस भेज देते हैं. नाम नहीं होने की बात कही जाती है. जबकि राशन कार्ड में मेरा नाम दर्ज है. यहां का डीलर मनमानी पर उतर आए हैं. जिला प्रशासन से मांग है कि इसकी जांच कराई जाए ताकि लाभुकों को इसका लाभ मिल सके. पश्चिमी सिंहभूम जिले की अधिकतर प्रखंड में राशन वितरण में खानापूर्ति हो रही है. इसकी जांच होनी चाहिए.

न राशन न रोजगार दे रही : मधुसुधन कालुंडिया

राशन कार्डधारी मधुसुधन कालुंडिया ने कहा कि राशन नहीं मिल रहा है. परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है. 2 माह के अंदर यदि राशन नहीं मिल जाता है तो पूरे परिवार को पलायन करना पड़ेगा. फिर इसकी जिम्मेदारी सरकार होगी. सरकार एक तो रोजगार नहीं दे रही है, ऊपर से राशन वितरण में भी कटौती कर रही है. जिसके कारण काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. घर चलाने के लिए आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है. सरकार से सहयोग भी नहीं मिल पा रहा है. लगातार प्रयास करने के बावजूद भी डीलर से राशन नहीं मिल रहा है. एक तो राशन समय पर नहीं मिलता है, ऊपर से राशन का भी ठिकाना नहीं है. ग्रीन कार्डधारी को भी राशन वितरण बंद कर दिया है. पश्चिमी सिंहभूम के अधिकतर स्थानों में इस तरह की स्थिति बनी है.

चक्रधरपुर

दो माह से राशन नहीं, डीलर टालमटोल बातें करते हैं : ज्योति

चक्रधरपुर के वार्ड संख्या सात निवासी ग्रीन राशन कार्डधारी ज्योति देवी ने कहा कि पिछले दो महीने से उन्हें जन वितरण प्रणाली की दुकान से अनाज नहीं मिला है.उन्होंने कहा कि जब अनाज का उठाव करने जाती हूं तो राशन डीलर द्वारा आवंटन नहीं आने की बात कहकर वापस लौटा दिया जाता है.उन्होंने कहा कि राशन वितरण में जो भी समस्या आ रही हैं उसे सरकार द्वारा दूर करने की आवश्यकता है, ताकि गरीबों को समय पर राशन मिल सकें.

हमें तो दो साल से नहीं मिली चने की दाल : रमेश जामुदा

चक्रधरपुर के रमेश जामुदा का कहना है कि दो साल से राशन दुकान से चने की दाल नहीं मिली है.साथ ही पिछले महीने का चावल भी अब तक नहीं मिलने से परिवार में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.गांव के अधिकतर कार्डधारियों को समय पर अनाज नहीं मिल पाता है, पिछले कुछ सालों से यह समस्या ज्यादा बढ़ी है, पहले हर महीना समय पर राशन मिल जाता था.अब तो पर्व त्योहार के समय भी समय पर राशन नहीं मिलता है.

बोकारो

बकाया राशन मिलना चाहिए सहूलियत होगा : निखत परवीन

कसमार प्रखंड के सुरजुडीह निवासी ग्रीन कार्डधारी निखत परवीन जिनकी कार्ड संख्या 202800692866 है, ने बताया कि उन्हें मार्च तक का राशन पीडीएस डीलर से मिला है, जबकि अन्य पीएच कार्डधारी एवं अंत्योदय के लाभुकों को अक्टूबर तक राशन मिला है. सरकार को इसपर ध्यान देना चाहिए और ग्रीन कार्डधारियों को भी बकाया महीने का राशन मिलना चाहिए. इससे हमें घर चलाने में सहूलियत होगी.

सरकार को ग्रीन कार्डधारियों पर भी ध्यान दे : शबनम आरा

कसमार प्रखंड की सुरजुडीह निवासी शबनम आरा भी ग्रीन कार्डधारी है, जिनकी कार्ड संख्या 2028007076658 है. उन्होंने बताया कि उनके कार्ड में अब तक मार्च तक दो यूनिट राशन मिला है. सरकार को ग्रीन कार्डधारियों पर भी ध्यान देना चाहिए. महीने में 10 किलोग्राम चावल से घर चलाने में काफी सुविधा होती है. सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए. ताकि हमारी परेशानियों का समाधान हो सके.

देवघर : राशन नहीं,भाषण सुनने को मिलता है : कुसमी देवी

मार्च महीने के बाद अभी तक हरा कार्ड धारी लाभुकों को राशन नहीं मिल पाया है. सारठ प्रखंड की लाभुक कुसमी देवी जिनकी कार्ड संख्या 202800 350524 है, वह कहती है कि हर माह राशन नहीं मिलता है. सरकारी बाबू या जन प्रतिनिधि भले ही सुविधा की बात करे, लेकिन राशन पर भाषण जरुर सुनने को मिलता है. लेकिन राशन कम ही मिल पाता है. जब स्थानीय मार्किट अधिकारी अशोक यादव से इस बाबत फोने पर संपर्क साधा तो उन्होंने माना कि मार्च महीने के बाद का बकाया अनाज का वितरण नहीं हो सका है. हालांकि उन्होंने दावा किया कि नवबर माह में बकाये अनाज की आपूर्ति कर दी जायेगी. उधर अनाज के आभाव में लाभुकों की परेशानी बढस गई है.

▼ ब्रीफ खबरें

एनएच किनारे फैली गंदगी से लोग परेशान

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के एनएच 18 पर काली मंदिर के निकट शारदा कंपनी के गेट के सामने फैली गंदगी से एनएच पर चलने वाले राहगीरों को मुश्किलें होती हैं. वहां से कचरा सड़क पर फैल रहा है, जिससे सड़क पर आने- जाने वाले लोगों को कचरे की बदबू से उल्टी होने लगती है. इस कचरे के अंबार के आसपास कई सारे भोजनालय हैं, जिसमें आने वाले ग्राहकों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. कंपनी की ओर से भी स्वच्छता को ताक पर रखते हुए फैली गंदगी की ओर ध्यान नहीं दिया जाता है.

झारखंड में मिले डेंगू के 13 मरीज, सिमडेगा में 7

रांची। शुक्रवार को राज्य भर में डेंगू के 13 मरीज मिले हैं. इनमें सबसे ज्यादा सिमडेगा जिले में 7 मरीज मिले हैं. जबकि चतरा में 3 और पूर्वी सिंहभूम में 3 मरीज मिले हैं. बता दें कि राज्य भर में 194 संदिग्ध मरीज मिले थे. जांच के बाद 13 में डेंगू की पुष्टि हुई है.

बालू के अवैध स्टॉक को जब्त किया गया

रामगढ़। रामगढ़ जिले में अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक लगाने एवं दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने के उद्देश्य से डीसी चंदन कुमार ने अधिकारियों को योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने का निर्देश दिया है. इसी क्रम में शुक्रवार को गोला थाना अंतर्गत हेसापोड़ा, परसाडीह बालू घाट व अन्य क्षेत्रों में चलाए गए छापेमारी अभियान के दौरान पिपराटांड़ क्षेत्र से कुल 9000 घन फीट अवैध रूप से बालू के स्टॉक को जब्त किया गया. जब्त किए गए बालू के स्टॉक को गोला थाना को सुपुर्द किया गया. उक्त अभियान में खान निरीक्षक जितेंद्र कुमार, गोला थाना प्रभारी प्रभात कुमार सहित पुलिस बल के जवान उपस्थित थे.

शाह ने फ्रेंड्स क्लब को 120 रनों से हराया

चाईबासा। स्थानीय बिरसा मुंडा क्रिकेट मैदान में चल रहे 30वें एसआर रूंगटा बी डिवीजन क्रिकेट टूर्नामेंट शाह स्पोर्ट्स क्रिकेट अकादमी ने फ्रेंड्स क्लब को 120 रनों से पराजित किया. मैच का टॉस शाह स्पोर्ट्स ने जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. टीम की ओर से करण कुमार ने शानदार नाबाद 102 रनों की पारी खेली. वहीं नीतीश पासवान ने 32, शुभम राय ने नाबाद 22 रनों का योगदान दिया. निर्धारित 30 ओवरों में आठ विकेट खोकर 244 रन बनाए.

जुआरियों से नकाबपोश डकैतों ने लूटे 15 लाख !

हजारीबाग। हजारीबाग में अलग-अलग जगहों पर जुआ खेल रहे जुआरियों से नकाबपोश डकैतों ने करीब 15 लाख रुपए लूट लिये. जुआरी भयवश पुलिस के पास शिकायत लेकर नहीं जा रहे. बताया जा रहा है कि जुए के अड्डों पर डकैत पहले रेकी कर रहे और फिर घटना को अंजाम दे रहे हैं. डकैतों की संख्या 8 से 10 के करीब बताई जा रही है. हथियार के दम पर जुआरियों को लूटने की बात कही जा रही है. बताया जा रहा है कि कैश नहीं मिलने पर जुआरियों को पीटा भी जा रहा है. हजारीबाग के सदर प्रखंड के सिंदूर में दो बार, मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के ओरिया व सिंघानी में भी लुटेरों ने जमकर जुआरियों को लूटा. जुआरियों के साथ मारपीट कर मोबाइल भी छीन लिए गए. बताया जा रहा है कि चार बाइक पर आठ हथियारबंद नकाबपोश डकैतों ने घटना को अंजाम दिया.

तस्कर विनोद ने अपने घर के ही पूजा रूम में एक तहखाना बना रखा था, उसी में छुपा कर रखा था गांजा

पुलिस ने 10 लाख के गांजा के साथ छह को किया गिरफ्तार

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान की शुरुआत कर दी है. बीते दिनों उलीडीह पुलिस ने गांजा के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेजा था. पुलिस ने एक बार फिर शहर में गांजा की तस्करी करने वाले सिंडिकेट का खुलासा किया है. पुलिस ने शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर 10 लाख के गांजा (60 किलो 100 ग्राम) के साथ छह लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य तस्कर बारीडीह गंगा पथ निवासी गंगा सिंह, हुरलुंग निवासी गणेश महतो, शंकोसाई निवासी प्रमोद कुमार, विनोद चौरसिया और उसके दो बेटे सन्नी कुमार और रौशन कुमार को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपियों के पास से तस्करी में इस्तेमाल होने वाला एक स्कूटी, एक कार और एक ऑटो जब्त किया है.

ऑटो से गांजे की सप्लाई की जाती थी

एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि विनोद और उनके बेटों की गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से 16.60 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया. विनोद ने अपने घर के अंदर पूजा रूम में एक तहखाना बना रखा था जहां गांजा छुपाया हुआ था. पूछताछ में पता चला कि प्रमोद कुमार मल्लिक द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में ऑटो से गांजा की सप्लाई की जाती है. पुलिस ने जब प्रमोद को गिरफ्तार किया तो उसकी निशानदेही पर उसके घर से 10.20 किलो गांजा बरामद किया गया.

आजादनगर में ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

इधर, पुलिस ने आजादनगर थाना क्षेत्र के ओल्ड पुरुलिया रोड नंबर 1 करीम सिटी कॉलेज के पास बीती रात छापेमारी कर ब्राउन शुगर के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में दाईगुटू धोबी लाइन निवासी सूरज कुमार प्रसाद और ढीपासाही निवासी विक्की कुमार शामिल है. पुलिस ने दोनों के पास से कुल 75 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद किया है. फिलहाल दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

👉 आओ जानें

सामान्य ज्ञान

कोरा जनजाति की उपशाखा का क्या नाम है – **मुंडा**
किसे भारतीय महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनाया गया है – अमोल मजूमदार
सिंधु घाटी सभ्यता में विशाल अन्नागार कहां मिला है – **मोहनजोदड़ो**
लेगहीमोग्लोबिन किसमें पाया जाता है – **सोयाबीन**
राही रावण काना के लेखक कौन हैं – **भोगला सोरेन**
फिक्की महिला संगठन ने किस विश्वविद्यालय के साथ समझौता किया – **गुरु नानक देव**
शक राजा रुद्रसिंह तृतीय को किसने हराया था – **चंद्रगुप्त द्वितीय**
शैलेश कुमार किस खेल से जुड़े हैं – **ऊंची कूद**
418 फुट का सबसे ऊंचा राष्ट्रीय तिरंगा झंडा कहां स्थापित किया गया – **अटारी**
गंगा नारायण सिंह किस विद्रोह के नेता थे – **भूमिज विद्रोह**

दरबार में लगा ताला खुला, सनातन धर्मावलंबियों में खुशी की लहर

13 साल के बाद मंदिर के कपाट खुले, भक्त खुश हुए

संवाददाता । हजारीबाग

हजारीबाग के प्रसिद्ध और प्राचीन पंच मंदिर विवाद पर शुक्रवार को विराम लग गया. इसके साथ ही 13 साल के बाद पंच मंदिर के कपाट को खोलने का आदेश दिया गया. इसके तहत देव दरबार का ताला खोल दिया गया. इस निर्णय से सनातन धर्मावलंबियों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी. एसडीओ कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए किसी एक व्यक्ति विशेष के अधिकार को समाप्त करते हुए सभी मंदिर के कपाट और ताला खोलने का आदेश निर्गत कर दिया. साथ ही पुरानी कमेटी को भंग कर दिया गया. अब पंच मंदिर न्यास समिति के पदेन अध्यक्ष एसडीओ की देखरेख में पांचों मंदिर की व्यवस्था चलेगी. इस बात की जानकारी हजारीबाग पंच मंदिर परिसर में राधा कृष्ण पंच मंदिर विकास समिति के सदस्यों ने प्रेस वार्ता कर दी. उनका कहना है कि 13 साल से भगवान कैद में थे और अब आजाद हो गए. हजारीबाग के सभी हिंदू धर्मावलंबियों के लिए आज का दिन बेहद खास है. दरअसल पिछले 10 से 12 साल तक एक परिवार विशेष ने पंच मंदिर पर अपना एकाधिकार दिखाते हुए सभी देवता के कपाट पर ताला लगा दिया था. सावन में भी कोई भक्त शिव जी पर जल नहीं चढ़ा पाया और वहां अर्घ्य की वैकल्पिक व्यवस्था की गई थी. हिंदू राष्ट्र संघ ने इस बात को लेकर विरोध दर्ज किया और पूरा मामला एसडीओ कोर्ट में रखा गया. बता दें कि एसडीओ कोर्ट ने अपने 18 पेज का आदेश निर्गत किया.

जानिए इतिहास

सात अक्तूबर को 'शुभम संदेश' ने प्रमुखता से पंचमंदिर के बारे में 'कैद में देवता, भक्त परेशान' नामक शीर्षक से खबर को प्रकाशित किया था. पंच मंदिर लगभग 150 साल पुराना है. प्राचीन मंदिर (राधा कृष्ण मंदिर) 1963 से बिहार राज्य धार्मिक न्याय परिषद्, ताला खुलवाने को लेकर पटना के अधिकृत न्यास बोर्ड के अधीन था. इसके पदेन अध्यक्ष सदर अनुमंडल पदाधिकारी होते हैं. बताया जाता है 150 वर्ष पूर्व मंगल बाजार निवासी स्व. हरि साहू की पत्नी स्व. मैदा कुवंरी ने पंचमंदिर का निर्माण कराया गया था. उनकी कोई संतान नहीं थी. अपने जीवनकाल में उन्होंने हजारीबाग निबंधन कार्यालय में पांच दिसंबर 1901 को निबंधन सं. 1179, बुक नं. एक, वॉल्यूम नंबर 15, पेज नंबर 257 से 260 में महंत एवं पंच मंदिर के भक्तों की देखदेख में उक्त जमीन को श्री ठाकुर जी के नाम से केवाला कर दिया था. वहीं, 23 जून 2011 पत्रांक संख्या 546/2011 को राधा कृष्ण मंदिर न्यास समिति को पंजीकृत प्रमाण पत्र दिया गया.

सनातनियों के लिए यह खास दिन : बप्पी करण

समिति के सदस्य बप्पी कारण ने बताया कि कई कोर्ट के आदेश के आधार पर यह आदेश निर्गत किया गया है. इसमें मुंबई हाई कोर्ट, इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश का भी जिक्र है. ऐसे में जब तक ऊंची अदालत से कोई आदेश निर्गत नहीं किया जाएगा, तब तक एसडीओ कोर्ट का आदेश ही सर्वमान्य रहेगा. ऐसे में सनातनियों के लिए यह बेहद खास दिन है. वहीं प्रेसवार्ता में फलाहारी बाबा, संदीप कुमार, समिति के उपाध्यक्ष सुनील कुमार, सचिव मनोज मेहता, सदस्य दीपक कुमार, करण बप्पी, अरुण सोनी, दीपक नारायण समेत कई लोग मौजूद थे.

होगी पूजा

- एसडीओ कोर्ट के आदेश के बाद मंदिर का विवाद समाप्त
- अब मंदिर पर नहीं रहेगा विशेष परिवार का एकाधिकार

एसडीओ कोर्ट का फैसला ऐतिहासिक है : मनोज गुप्ता

समिति के अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि आज का दिन खास है. एसडीओ कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला हजारीबाग पंच मंदिर के पक्ष में दिया है. अब इस मंदिर में ताला नहीं लगेगा. अगर कोई व्यक्ति पूजा करने में अड़चन उत्पन्न करेगा, तो सदर थाने के इंस्पेक्टर उस पर प्राथमिक की भी दर्ज करेंगे, यह भी आदेश निर्गत किया गया है. वहीं हिंदू राष्ट्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष शशि भूषण केसरी अपनी बातों को रखते हुए कहा कि पिछले 13 साल से देवता कैद में थे. एसडीओ कोर्ट के आदेश के बाद अब यह विवाद समाप्त हो गया है. किसी परिवार विशेष का मंदिर पर अधिकार नहीं रहेगा. मंदिर का संचालन ट्रस्ट के पदेन अध्यक्ष सदर एसडीओ करेंगे. पूरे मंदिर का रख-रखाव महंत करेंगे.

चाकुलिया में नहीं थम रही साल पेड़ों की कटाई

चाकुलिया। चाकुलिया के जमुआ और उसके आसपास के साल जंगलों में साल पेड़ों की कटाई थम नहीं रही है. अनेक ग्रामीणों ने साल पेड़ों की कटाई और उसकी जलावन की लकड़ियों की बिक्री को अपने रोजगार का साधन बना लिया है. प्रतिदिन साल के सैकड़ों छोटे-छोटे पेड़ काटे जा रहे हैं. नगर पंचायत क्षेत्र में खुलेआम साल की जलावन की लकड़ियां बेची जा रही हैं. रोजाना दर्जनों पुरुष और महिलाएं अपने सिर पर साल लकड़ियों का गट्ठर लेकर बाजार क्षेत्र के गली मोहल्ले में फेरी लगाते फिरते हैं. इनमें अधिकांश महिलाएं होती हैं. जानकारी के मुताबिक रोजाना दर्जनों लोग साल जंगल में साल पेड़ों की कटाई कर लकड़ियों को अपने घर लाते हैं. ऐसे लोगों द्वारा साल के छोटे पेड़ों को काटा जाता ताकि लकड़ियों को आसानी से फाड़ कर बेचा जा सके. साल की जलावन की लकड़ियों को लेकर सुबह के वक्त दर्जनों महिलाएं चाकुलिया बाजार क्षेत्र में आती हैं और बेचती हैं.

घूस मांग रहे कर्मचारी को पकड़वाने वाले सम्मानित

संवाददाता। हुसैनाबाद (पलामू)

किसान ब्रिगेड ने हुसैनाबाद अंचल कार्यालय में घूसखोर कर्मचारी सचिन गुप्ता को रंगेहाथ पकड़वाने वाले दरुआ निवासी समाजसेवी राजेश तिवारी को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया. किसान ब्रिगेड के सदस्य बद्रीनारायण सिंह ने कहा कि किसान ब्रिगेड भ्रष्टाचार के खिलाफ हमेशा आवाज उठाती रही है. संगठन की तरफ से इस मुहिम में शामिल एसीबी की पूरी टीम को धन्यवाद देता हूं. संरक्षक कर्नल डॉ संजय कुमार सिंह ने कहा कि भ्रष्टाचारियों को इसी तरह से जेल भेजा जाना चाहिए. राजेश तिवारी जैसे व्यक्ति को आज साथ देने की जरूरत है. इनको सम्मानित करने का मुख्य उद्देश्य यही है कि समाज के लोग इन्हें देखकर जागरूक हो और भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक मुहिम छेड़ें. **कर्मचारियों में हो डर, तभी रुकेगी घूसखोरी : राजेश तिवारी**

राजेश तिवारी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी कार्यालय में घूस की मांग की जाती है तो डरने की जरूरत नहीं है. निडर होकर एसीबी को इसकी सूचना देनी चाहिए. जब तक भ्रष्टाचारियों के मन में डर पैदा नहीं होगा वे घूस लेना बंद नहीं करेंगे. बता दें कि राजेश तिवारी की शिकायत पर पिछले सप्ताह हुसैनाबाद प्रखंड कार्यालय में कार्यरत हल्का कर्मचारी सचिन गुप्ता को पलामू प्रमंडलीय कार्यालय की एसीबी की टीम ने 4000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया था.

नावाडीह में 30 टन कोयला जब्त

संवाददाता। बेरमो/बोकारो थर्मल

एसपी के आदेश पर नावाडीह प्रखंड अंतर्गत ऊपरघाट के विभिन्न इलाकों में शुक्रवार को छापेमारी में लगभग 30 टन कोयला जब्त किया गया है. वहीं धंधेबाज पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए. इस संबंध में दैनिक शुभम संदेश में 22 अक्टूबर को कोयला तस्करी को लेकर खबर प्रकाशित की गई थी. बता दें कि हाल के दिनों में ऊपरघाट के विभिन्न इलाकों में धंधेबाज अवैध रूप से कोयला एकत्रित कर बिहार की मंडियों में भेज रहे थे.

खबर प्रकाशित होने के बाद एसपी आलोक प्रियदर्शी ने इसे संज्ञान में लिया और छापेमारी कराई. एसपी ने एक टीम गठन कर गुरुवार की देर रात से ही छापामारी शुरू कर दी थी. इस दौरान पलामू पंचायत के अदलबेड़ा और पोखरिया पंचायत के बंशी जंगल से मुख्यालय की टीम ने लगभग 30 टन अवैध कोयला जब्त किया. मुख्यालय पुलिस की इस कार्रवाई से धंधेबाजों में हड़कंप मच गया है. मुख्यालय की टीम ने जब्त अवैध कोयले को पेंक-नारायणपुर पुलिस को सुपुर्द कर मामला दर्ज कर धंधेबाजों को पकड़ने के लिए छापामारी कर रही है. इस अभियान में मुख्यालय से इंस्पेक्टर नूतन मोदी, गोमिया सर्किल इंस्पेक्टर महेश सिंह, थाना प्रभारी मनीष कुमार सहित पुलिस के जवान शामिल थे. इस संबंध में बेरमो एसडीपीओ वशिष्ठ नारायण सिंह ने बताया कि उपरघाट क्षेत्र में अवैध कोयला तस्करी के विरुद्ध छापेमारी की गई है.

विकास सिंह की जमानत अर्जी खारिज

संवाददाता । धनबाद

अवैध हथियार रखने और गैंगस्टर प्रिंस खान के गुर्गों को सप्लाई करने के आरोप में जेल में बंद अंबिकापुरम निवासी विकास सिंह की जमानत अर्जी कोर्ट ने शुक्रवार को रद्द कर दी. वरीय अधिवक्ता जया कुमार की दलीलें सुनने के बाद धनबाद के अवर न्यायाधीश राजीव त्रिपाठी की अदालत ने विकास सिंह की जमानत याचिका खारिज कर दी. वहीं, दूसरी ओर गोविंदपुर थाना पुलिस के आवेदन पर अदालत ने विकास सिंह को पूछताछ के लिए 48 घंटे की रिमांड पर देने का आदेश दिया है. पुलिस ने अदालत से तीन दिनों की रिमांड मांगी थी. ज्ञात हो कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने इससे पहले बीस अक्टूबर को भी विकास सिंह की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी.

वकीलों की मारपीट का मामला पहुंचा हाईकोर्ट

रांची। हजारीबाग बार एसोसिएशन के चुनाव की मतगणना के दौरान वकीलों के बीच मारपीट की घटना हुई थी. ये मामला अब अदालत की दहलीज तक जा पहुंचा है. हजारीबाग सिविल कोर्ट के वकील और निवर्तमान कमिटी के सदस्य मनोज कुमार यादव ने हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिट दाखिल की है. जिसमें उन्होंने बार चुनाव करवा रहे रिटर्निंग ऑफिसर और हजारीबाग बार एसोसिएशन समेत अन्य को पार्टी बनाया है. याचिका में कहा गया है कि चुनाव को रद्द किया जाए और मतों की गिनती पर रोक लगाई जाए. अपनी याचिका में मनोज कुमार ने मतगणना के दौरान हुई मारपीट की घटना का वीडियो और अन्य साक्ष्य भी संलग्न किए हैं.

राजकुमार को विजयी घोषित करते ही हो गई थी मारपीट

बता दें कि हजारीबाग बार एसोसिएशन के चुनाव के बाद वकीलों में जमकर मारपीट हुई है. वोटों की गिनती के दौरान जैसे ही बार काउंसिल के सदस्य और अध्यक्ष पद के उम्मीदवार अधिवक्ता राजकुमार उर्फ राजू को 12 मतों से विजयी घोषित किया गया. वैसे ही कई अधिवक्ता उत्तेजित हो गए और आपस में मारपीट शुरू कर दी. मारपीट की घटना में कई वकीलों को चोट भी लगी है. 12 वोटों से मामूली अंतर से जीत दर्ज करने वाले अधिवक्ता राजकुमार उर्फ राजू के निकटतम प्रतिद्वंदी जवाहर प्रसाद थे.

पुलिस की खुद की गाड़ी पर नहीं है रजिस्ट्रेशन नंबर

संवाददाता। जमशेदपुर

औरों को नसीहत खुद मियां फजीहत वाली कहावत जमशेदपुर पुलिस पर सटीक बैठती है. जिला पुलिस वाहन चालकों के यातायात नियमों की अवहेलना करने पर दिनभर चालान काटने में व्यस्त रहती है, लेकिन खुद के वाहनों की तरफ ध्यान नहीं देती है. ऐसा ही नजारा जिला पुलिस मुख्यालय में देखने को मिलता है जहां पुलिस कर्मियों के कई ऐसे वाहन मिल जाएंगे जिनमें नंबर प्लेट पर नंबर ही नहीं है. इनपर कार्रवाई भी नहीं की जाती.

मुख्यालय में कई पुलिस पदाधिकारी आना-जाना करते है बावजूद इसके इन वाहनों पर उनकी नजर नहीं पड़ती. कई वाहन तो इतने पुराने है कि उनका रजिस्ट्रेशन तक भी फेल हो चुका होता है. सबसे बड़ी बात यह होती है कि इन्हें जांच में भी नहीं रोका जाता है. इन वाहनों में नंबर प्लेट मं नंबर की जगह पुलिस साइन (लाल-नीले रंग की पट्टी) लगी होती है जिस कारण इन्हें कहीं जांच में भी नहीं रोका जाता है.

जिला पुलिस मुख्यालय में खड़े पुलिसकमर्मियों के बिना नंबर के वाहन.

शिकायत पर ही कटता है चालान : पुलिस इन वाहनों के खिलाफ उस वक्त एक्शन लेती है जब कोई इनके खिलाफ शिकायत करता है. बीते दिनों ही ट्वीटर के माध्यम से जमशेदपुर पुलिस को बिना हेलमेट चल रहे एक आरक्षी की वीडियो सहित शिकायत की गई थी. त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उक्त आरक्षी का चालान काट दिया था. इसके पूर्व भी लोगों के शिकायत पर ही कार्रवाई की गई है.

बिना नंबर के वाहन चलाने पर 5000 तक जुर्माना : एमवी एक्ट में बदलाव के बाद जुर्माने की राशि को बढ़ा दिया गया था. नए जुर्माने के तहत अगर कोई बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाते पकड़ा जाता है तो पहली बार उसे दो हजार रुपये जुर्माना लगता है. इसके अलावा बार-बार पकड़ाने पर जुर्माना राशि बढ़कर पांच हजार रुपये तक हो जाती है.

बैठक जिला मुख्यालय सभागार में बैठक से अनुपस्थित रहने पर कार्यपालक अभियंता को किया गया शो कॉज

विभागीय समीक्षा बैठक में शामिल हुए परिवहन मंत्री चंपई सोरेन

संवाददाता ।जमशेदपुर

जिला मुख्यालय स्थित सभागार में शुक्रवार को कल्याण विभागीय योजना की समीक्षा बैठक हुई. इसकी अध्यक्षता आदिवासी कल्याण एवं परिवहन मंत्री चंपई सोरेन ने की. बैठक में बिरसा आवास, जाहेरस्थान, धुमकुड़िया, छात्रवृत्ति, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, सीएमइजीपी, मुख्यमंत्री चिकित्सा अनुदान, वन पट्टा तथा मुख्यमंत्री गाड़ी ग्राम योजना, सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा की गई. इसम अपर उपायुक्त जयदीप तिग्गा, जिला कल्याण पदाधिकारी राजेश पांडेय, जिला परिवहन पदाधिकारी धनंजय, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक निशु कुमारी तथा अन्य संबंधित बैठक में पदाधिकारी उपस्थित थे. वहीं सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी वीसी से जुड़े.

बिरसा आवास की समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त ने जानकारी दी. बताया कि वित्तीय वर्ष 2020-2023 में 371 आवास की स्वीकृति दी गई थी जिनमें 271 का निर्माण कार्य पूर्ण है, 108 लंबित हैं. उप विकास आयुक्त ने बताया कि पिछले दो माह में 75 आवास का निर्माण पूर्ण किया गया है, 15 नवंबर तक 90 फीसदी आवास पूर्ण कर लिए जाएंगे. मंत्री द्वारा स्पष्ट निर्देश दिया गया कि सभी संबंधित विभाग आपस में समन्वय बनाते हुए जल्द से जल्द शत प्रतिशत बिरसा आवास का निर्माण पूर्ण करें, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें. मंत्री ने जाहेरस्थान का निर्माण किस प्रखंड में कहां-कहां लंबित है इसकी विस्तृत समीक्षा की. मंत्री ने मुख्यमंत्री पशुधन योजना से ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा लाभुकों को लाभान्वित किए जाने तथा मनरेगा के कंवर्जेंस से पशु शेड बनाये जाने की बात कही गई. मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत चिन्हित 940 लाभुकों में से 873 को राशि हस्तांरित की गई है. मंत्री द्वारा आवेदन रिजेक्शन से पहले पूरी तरह से जांच करने का निर्देश दिया गया. वन पट्टा वितरण को लेकर बताया गया कि पिछले दो माह में 191 वन पट्टा वितरित किए गए हैं, 40 स्वीकृत है. मौके पर पांच लाभुकों के बीच वन पट्टा के स्वीकृति पत्र का वितरण मंत्री ने किया. मंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं की भी समीक्षा की और जरूरी दिशा निर्देश दिए. बैठक में अनुपस्थित रहने पर स्पेशल डिविजन के कार्यपालक अभियंता को शो कॉज किया.

दिये निर्देश

- राज्य के परिवहन मंत्री चंपई सोरेन ने बैठक की अध्यक्षता की
- वर्ष 2020-23 के दौरान 371 आवासों की स्वीकृति मिली थी

ग्राम गाड़ी योजना को लेकर रूट तय होगा

मंत्री ने बताया कि 15 नवंबर तक मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना की शुरुआत होने जा रही है. एक-दो दिनों के भीतर जिले भर में इसके लिए रूट भी चिन्हित कर लिया जाएगा ताकि उक्त योजना से ज्यादा से ज्यादा लोग लाभान्वित हो सके. ग्राम गाड़ी योजना से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को काफी सहूलियत होगी. इसमें दिव्यांग, वृद्ध, विद्यार्थी, नेत्रहीन, झारखंड आंदोलनकारी नि:शुल्क सफर कर सकेंगे. उन्होंने बताया कि कल्याण विभाग की ओर संचालित जनहित के कार्यों की प्रगति को लेकर इस बैठक में चर्चा की गई.

चोरी की 5 बाइक पेटरवार थाना क्षेत्र के खेतको से बरामद किए गए

संवाददाता। बोकारो थर्मल

बोकारो थर्मल थाना प्रभारी आरके राणा ने गुप्त सूचना के आधार पर चोरी की 5 बाइक पेटरवार थाना क्षेत्र के खेतको से बरामद किया है. थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना मिली थी कांड संख्या 85/2023 के आरोपी रवि यादव चोरी के बाइक के साथ कथारा मोड़ में घूम रहा है. इसी सूचना पर बोकारो थर्मल पुलिस ने टीम बनाकर कथारा मोड़ में घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया. इसके बाद उसकी निशानदेही पर खेतको से चोरी के अन्य चार बाइक बरामद किया गया. पांचों बाइकों में नंबर अंकित नहीं है. बरामद बाइकों में तीन हीरो स्पेलेंडर और दो पेंशन प्रो है. गिरफ्तार आरोपी रवि कुमार यादव को शुक्रवार को स्वास्थ्य जांच कर तेनुघाट उपकारा भेज दिया गया. इस अभियान में थाना प्रभारी आरके राणा के अलावा अनि बिक्रांत मुंडा, गुलशन कुमार, अमित सिंह, मुश्ताक खान शामिल थे.

12 अक्टूबर को भी 8 बाइक बरामद हुए थे : बोकारो थर्मल पुलिस ने 12 अक्टूबर को भी खेतको और डीवीसी ओवरब्रिज से चोरी के आठ बाइक और दो चोरों कथारा थाना क्षेत्र के महली बांध निवासी विकास यादव और बांध कॉलोनी निवासी राहुल यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है.

ब्रीफ खबरें

भाजपा को नहीं मिल रहा उम्मीदवार

भागलपुर । जदयू के जिला प्रवक्ता शिशुपाल भारती ने शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में 40 सीट पर जीत का दावा कर रही है लेकिन भाजपा को बिहार में एक भी सीट नहीं मिलने वाला नहीं है. भाजपा का सीट जीतना तो दूर चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार भी नहीं मिल रहे हैं. उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव में जनता भारतीय जनता पार्टी को सबक सिखाएगी. जनता भाजपा को देश से उखाड़ फेंकेगी. इसके लिए इंडिया गठबंधन पूरी तरह से तैयार हो गया है.

बोलेरो व ट्रक में टक्कर, एक की मौत,चार घायल

पूर्वी चंपारण । जिले में ट्रक और बोलेरो की आमने-सामने की टक्कर में बोलेरो सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार जख्मी हो गए. जिसमें दो की स्थिति काफी गंभीर बनी हुई है. सभी घायलों का इलाज निजी नर्सिंग होम में चल रहा है. घटना मुफ्फसिल थाना के मोतिहारी-ढ़ाका रोड स्थित बसंतपुर गांव के समीप गुरुवार की देर रात हुई है. बताया गया कि घटना के बाद ट्रक ड्राइवर वाहन सहित मौके से फरार हो गया. वहीं घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा.

कर्मचारी को लूटने के चक्कर में मारी थी गोली

नवादा । नवादा जिले के कौआकोल थाना क्षेत्र के कदहर-चन्द्रदीप पथ पर गुरुवार की देर शाम चिमनी भट्ठा के नजदीक सीएसपी कर्मचारी को लूटने के चक्कर में एक बदमाश के हाथों दूसरे बदमाश की गोलीबारी में हत्या हो गई. घटना गुरुवार की देर शाम लगभग 8 बजे घटित हुई. दिनदहाड़े हुई गोलीबारी की घटना में जहां एक बदमाश की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. पीएनबी के ग्राहक सेवा केंद्र का एक कर्मचारी घायल हो गया.मारे गए बदमाश युवक की पहचान शुक्रवार को हुई. वह जमुई जिले के इस्लामनगर अलीगंज प्रखंड के आशीष यादव है.

राजद विधायक फतेह बहादुर सिंह ने दिया मां दुर्गा पर विवादित बयान, बोले-

ब्रिटिश सरकार ने भारत को गुलाम बनाया तो मां दुर्गा कहां थीं

संवाददाता ।रोहतास

कुछ दिनों पहले राजद नेता और शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने रामचरितमानस को लेकर विवादित बयान दिया था. हालांकि बीच-बीच में कई बार वे इस पर बोलते रहे हैं अब एक और राजद के नेता ने हिंदू धर्म को लेकर विवादित बयान दिया है. गुरुवार को मीडिया से बातचीत में राजद विधायक फतेह बहादुर सिंह ने मां दुर्गा को ना सिर्फ काल्पनिक बताया बल्कि यह भी कहा कि जब ब्रिटिश सरकार ने भारत को गुलाम बनाया तो मां दुर्गा कहां थीं?

इस सवाल पर कि क्या आप दुर्गा को देवी मानते हैं? इस पर विधायक ने कहा कि ये काल्पनिक कहानी है. मैं मान लेता, लेकिन मेरे पास साक्ष्य है. विधायक ने कहा कि मनुवादियों के अनुसार देश में 33 करोड़ देवी-देवता हैं लेकिन जब भारत गुलाम हुआ, ब्रिटिश सरकार भारत में आई और गुलाम बनाने का काम किया उस समय भारतीयों की संख्या 30 करोड़ थी. मैं उन मनुवादियों से पूछना चाहता हूं जिन्होंने ये लिखा कि महिषासुर की करोड़ों सेना के साथ मां दुर्गा ने लड़ाई लड़ी और महिषासुर का नरसंहार कर दिया. जब मुट्ठी भर ब्रिटिश सरकार ने भारत को गुलाम बनाया तो मां दुर्गा क्या कर रही थीं?

राजद विधायक बोले- पूजा करना नाजायज खर्च

वहीं पत्रकारों के एक और सवाल पर कि देवी-देवता की पूजा हो रही है, पंडाल बनते हैं, इस पर विधायक ने पूजा अर्चना करने को नाजायज खर्च बता दिया. उन्होंने कहा कि यह सारा खर्च बेकार है. जब दुर्गा का कोई इतिहास ही नहीं है तो लोग क्यों इतना खर्च करते हैं? मां दुर्गा को लेकर विधायक ने कहा कि अगर वह तीनों लोक की देवी थीं तो क्या भारत में ही तीनों लोक है. अगर दुर्गा देवी रहतीं और इनका अवतार हुआ रहता तो ये भारत में ही क्यों पूरे विश्व में क्यों नहीं? मैं कहता हूं कि हम कौन से हिंदू हैं? जिन मनुवादियों ने देवताओं को काल्पनिक बनाया, उन्होंने ही ओबीसी एससी-एसटी को शूद्र बना दिया.

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

- नालंदा विश्वविद्यालय किसलिए विश्व प्रसिद्ध था –बौद्ध धर्म दर्शन
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किस स्टील्थ जहाज का उद्घाटन किया – आईएनएस विंध्यगिरि
- बिहार आनेवाला पहला अंग्रेज यात्री कौन था – राल्फ फिच
- अशोक के शिलालेखों में प्रयुक्त भाषा क्या है – पालि
- अब ब्रिक्स समूह में कितने नए देश शामिल होंगे – 6
- बिहार विधानपरिषद की पहली महिला अध्यक्ष कौन थी – नईमा खातून
- महाभारत का फारसी में अनुवाद किसने कराया – अकबर
- बिहार के किस जिले की नेपाल के साथ सबसे लंबी सीमा है – पश्चिम चंपारण
- किस राज्य में खुला है देश का पहला एआई स्कूल – केरल
- पाली भाषा में निगंठा नटपुत्त किसे कहा गया है – महावीर

नई बाजार में हुई घटना, 2 दिन के लिए इंटरनेट सेवा बंद

छपरा में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस पर पथराव, कई घायल

संवाददाता ।छपरा

बेगूसराय के बाद अब छपरा में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस पर पथराव की घटना हुई है. शुक्रवार की सुबह नई बाजार में हुई पथराव की घटना में कुछ लोगों के घायल होने की भी खबर है. ऐसे में स्थिति को देखते हुए जिले में दो दिन के लिए इंटरनेट सेवा को बंद कर दिया गया है. घटनास्थल पर पर्याप्त बल और दंडाधिकारी कैंप कर रहे हैं. वहीं अफवाहों को रोकने के लिए सदर अनुमंडल में 02 दिनों के लिए इंटरनेट सेवा को बंद करने का आदेश दिया गया है.

विधि-व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में है. जिला पुलिस के एक्स हैंडल से जानकारी दी गई कि शुक्रवार सुबह करीब 5:00 बजे भगवान बाजार थाना अंतर्गत नई बाजार के सामने दुर्गा पूजा मूर्ति विसर्जन के लिए गुजर रहे जुलूसों द्वारा जोर से डीजे बजाया गया एवं इसके विरोध में असामाजिक तत्वों ने जुलूस पर पथराव कर दिया. प्रशासन और पुलिस द्वारा पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया गया. शेष सभी प्रतिमाओं का विसर्जन कराया गया. इस संबंध में वीडियोग्राफी से असामाजिक तत्वों की पहचान कर कांड दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है.

इस घटना के बाद सारण के पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गौरव मंगला ने बताया कि शुक्रवार की सुबह मूर्ति विसर्जन जुलूस में डीजे पर तेज आवाज से आपत्तिजनक गाने बजाए जा रहे थे. इसी दौरान दूसरे पक्ष के लोगों ने पथराव करना शुरू कर दिया. इसके कारण दोनों पक्षों में

तनाव बढ़ा

- वीडियोग्राफी ये असामाजिक तत्वों की पहचान हो रही है
- डीजे तेज बजने पर दूसरे पक्ष के लोगों ने पथराव शुरू किया

तनाव की स्थिति पैदा हो गई. फिलहाल पुलिस मामले को शांत करने की कोशिश कर रही है. भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है. अराजक तत्वों को चिह्नित कर उन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है.

वहीं जिलाधिकारी अमन समीर ने कहा कि इस घटना को हम लोगों ने तुरंत नियंत्रण कर लिया है. मामले को शांत करा दिया गया है. लोग अफवाह ना फैलाएं इसको देखते हुए इंटरनेट सेवा को बंद कर दिया गया है. 29 अक्टूबर तक बंद रहेगा. इस पूरी घटना में जो भी दोषी हैं उन पर कार्रवाई की जा रही है. जिलाधिकारी अमन समीर ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग शांति बनाए रखें. किसी तरह के अफवाह पर ध्यान ना दें.

लालू को फिर से जेल भेजें : विजय सिन्हा

संवाददाता ।पटना

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद द्वारा जेल से कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से बातचीत और राजद विधायक द्वारा मां दुर्गा पर दिए गए बयान के बाद बिहार में सियासत गरमा गई है. भाजपा के नेता लगातार राजद पर हमला बोल रही है. शुक्रवार को मीडिया से बातचीत करते हुए नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और विधायक फतेहबहादुर सिंह सिंह पर जमकर निशाना साधा है. नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि राजद के लोग जिस तरह की भाषा का उपयोग कर रहे हैं और सनातन के संतानों की आस्था पर चोट कर रहे हैं. अपमानित कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि मां भारती के संतान के खिलाफ जिस तरह की भाषा का प्रयोग करके अपमानित किया जा रहा है. यह लोग तुष्टिकरण का खेल खेलना चाह रहे हैं. यह दुखद है. ऐसी मानसिकता वाले लोगों का बहिष्कार करना चाहिए. ऐसे लोग यह स्पष्ट करें कि अगर आपको सनातन और सनातन के ग्रंथों और महापुरुषों में आपको आस्था है कि नहीं, यह स्पष्ट करें.

सिन्हा ने कहा कि लालू और तेजस्वी यादव क्लियर करें कि सनातन में आप लोगों को आस्था है या नहीं? दोहरे चरित्र और दोहरी भाषा बोलकर तुष्टिकरण की राजनीति करके समाज को तोड़ने की कोशिश न करें.

सिन्हा ने कहा लालू ने कभी जेल मेनुअल का पालन नहीं किया. फोन से सोनिया गांधी से बात करते थे. माननीय न्यायालय ने एक भ्रष्टाचारी को जेल में सुधरने के लिए सजा दी थी. लेकिन, वह जेल में अय्याशी कर रहे थे. वह जेल मेनुअल को तोड़कर सुख-सुविधा प्राप्त कर रहे थे. इसलिए जितना दिन जेल में बिताया, उतनी सजा फिर से उन्हें मिले.

पुरानी रंजिश में चाकू गोद कर किसान की हत्या

पूर्वी चंपारण । जिले के मुफस्सिल थानाक्षेत्र के सिरसा गांव में गुरुवार की देर रात एक किसान की चाकूओं से गोद कर हत्या कर दी गई है. बताया जा रहा है,कि अपराधियों ने किसान बासुदेव प्रसाद कुशवाहा की हत्या करने के बाद दहशत फैलाने के लिए कई राउंड फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गये. घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला हुआ है. घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी है. पुलिस के अनुसार घटना के पीछे पिछले पंद्रह साल से चली आ रही आपसी रंजिश को कारण बताया जा रहा है. वही इस मामले में मृतक किसान के एक पोता समेत तीन लोगों को चिह्नित किया गया है.

भाजपा सांसद सिग्रीवाल सहित 17 लोगों पर केस

संवाददाता ।छपरा

महाराजगंज से भाजपा सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल पर बनियापुर थाने में एफआईआर दर्ज हुई है. उनके साथ 16 और लोगों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज हुई है. इसके अलावा कुछ अज्ञात पर भी केस दर्ज हुआ है. सिग्रीवाल पर भीड़ को उकसाने का आरोप लगा है. सारण के पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गौरव मंगला ने गुरुवार को विज्ञप्ति जारी इसके बारे में जानकारी दी है. सिग्रीवाल पर बनियापुर थाने में कांड संख्या 462/23 दर्ज की गई है. सिग्रीवाल पर मुकदमा दर्ज होने की खबर से राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है. कहा गया है कि बुधवार को बनियापुर थाना क्षेत्र में दुर्गा पूजा को लेकर विभिन्न जगहों पर मूर्ति विसर्जन को लेकर जुलूस निकाला गया था. इसमें डीजे का इस्तेमाल किया गया था. डीजे लदे दो ट्रैक्टर को पुलिस ने जब्त कर लिया था जिसे बनियापुर थाने में रखा गया था. बताया गया कि बनियापुर थानाध्यक्ष जब अपने पदाधिकारी और पुलिस बल के साथ क्षेत्र के अन्य जुलूसों के दौरान कुछ लोग थाना परिसर में घुस गए और बहस करते हुए दोनों डीजे लदे हुए ट्रैक्टर को जबरदस्ती लेकर चले गए.

कारोबार

सुजलॉन को 50.4 मेगा वाट पवन का मिला ठेका

नयी दिल्ली । नवीकरणीय ऊर्जा समाधान प्रदाता सुजलॉन समूह को जुनिपर ग्रीन एनर्जी से 50.4 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजना का ठेका मिला है. हालांकि, ठेके की कीमत का खुलासा नहीं किया गया. कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, सुजलॉन अपने नए उत्पाद के हाइब्रिड लैटिस ट्यूबलर टावर के साथ 3.15 मेगावाट की रेटेड क्षमता वाले 16 पवन टरबाइन जनरेटर स्थापित करेगा. यह परियोजना गुजरात के द्वारका जिले में स्थित है और इसके 2025 में शुरू होने की उम्मीद है. भविष्य में कई और परियोजनाओं पर काम करने को तत्पर हैं.

इंडियन ओवरसीज बैंक का लाभ 25% बढ़ा

नयी दिल्ली । इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में शुद्ध लाभ 25 प्रतिशत बढ़कर 625 करोड़ रुपये रहा. कंपनी को एक साल पहले समान अवधि में शुद्ध मुनाफा 501 करोड़ रुपये रहा था. समीक्षाधीन अवधि में आईओबी का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात बढ़कर 4.74 प्रतिशत हो गया, जो कि 2022-23 वित्तीय वर्ष की समान अवधि में 8.53 प्रतिशत था. दूसरी तिमाही में ब्याज आय 5,821 करोड़ रुपये रही. कुल कारोबार बढ़कर 4.82 लाख करोड़ रुपये का हो गया.

नायरा एनर्जी के निर्यात में 22% की गिरावट

नयी दिल्ली । भारत की सबसे बड़ी निजी ईंधन खुदरा कंपनी नायरा एनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि घरेलू खपत बढ़ने के कारण 2023 के पहले नौ महीनों में उसके पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात में 22 प्रतिशत की गिरावट आई है. कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, नायरा ने जनवरी-सितंबर 2023 के बीच विमान ईंधन, डीजल और पेट्रोल सहित 45.7 लाख टन पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात किया, जबकि जनवरी-सितंबर 2022 में 58.8 लाख टन का निर्यात किया था. गिरावट का प्रमुख कारण घरेलू खपत का अधिक होना है.

मुकेश अंबानी ने इसे खरीदने के लिए कभी 24713 करोड़ रुपये की डील की थी

फ्यूचर रिटेल पर अब स्क्रैप डीलरों की नजर

एजेंसी ।नई दिल्ली

किसी कंपनी की किस्मत खराब हो तो उसे बाजार में सही कीमत मिलना भी मुश्किल हो जाता है. कुछ ऐसी ही हालत बिग बाजार की है. देश के रिटेल सेक्टर में किसी जमाने में बिग बाजार की तूती बोलती थी. इसे ऑपरेट करने वाली कंपनी फ्यूचर रिटेल को खरीदने के लिए मुकेश अंबानी ने 24,713 करोड़ रुपये की डील की थी.

इसकी ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 900 अरब डॉलर के भारत के रिटेल मार्केट पर कब्जा करने के लिए दुनिया की कई कंपनियों की इस पर नजर थी. लेकिन आज हालत यह है कि इसे खरीदने में किसी की भी बड़ी कंपनी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई है. इनसॉल्वेंसी प्रोसेस से गुजर रही इस कंपनी के लिए केवल स्क्रैप डीलरों ने बोली लगाई है. यानी इस कंपनी में केवल कबाड़ियों की दिलचस्पी रह गई है.

भारी कर्ज में डूबे किशोर बियाणी की इस कंपनी को खरीदने के लिए कभी 49 कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई थी. इनमें भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की

घटी दिलचस्पी

- किशोर बियाणी की है फ्यूटर रिटेल कंपनी
- स्क्रैप डीलर ने 550 करोड़ की बोली लगाई है

कंपनी रिलायंस रिटेल भी थी. लेकिन इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी बोर्ड ऑफ इंडिया (आईबीबीआई) के आकड़ों की मानें तो फ्यूचर रिटेल पर बैंकों का करीब 20,000 करोड़ का कर्ज है. कंपनी के लिए केवल स्क्रैप डीलर्स ने ही बोली लगाई है. गुरुग्राम के एक ऑनलाइन स्क्रैप डीलर ने फ्यूचर रिटेल को खरीदने के लिए 550 करोड़ की सबसे बड़ी बोली लगाई है. यानी बैंकों को भारी नुकसान होना तय है. कभी बिग बाजार के देश में 1500 स्टोर थे लेकिन आज इनमें ताला लगा हुआ है.

फ्यूचर ग्रुप ने अगस्त 2020 में रिलायंस इंडस्ट्रीज की कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड के साथ 24,713 करोड़ रुपये की एक डील की थी. इस समझौते के तहत रिटेल, होलसेल और लॉजिस्टिक में एक्टिव फ्यूचर ग्रुप की 19 कंपनियों को रिलायंस रिटेल खरीदने वाली थी. लेकिन अमेरिका की दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी ऐमजॉन ने इसका विरोध किया. यह मामला अदालत भी पहुंचा. इस बीच रिलायंस ने बिग बाजार के 900 स्टोर्स पर कब्जा कर लिया था. लेकिन आखिरकार पिछले साल अप्रैल में रिलायंस ने इस डील को कैंसिल करने की घोषणा कर दी.

रिलायंस के आने से कंपनी के शेयर में उछाल आया था : तीन साल पहले जब रिलायंस ने फ्यूचर ग्रुप के साथ डील की थी तो कंपनी के शेयर में काफी उछाल आया था. तब मुकेश अंबानी से लेकर गौतम अडानी, जिंदल ग्रुप और अन्य कंपनियों ने इसे खरीदने के लिए आवेदन दिया था. बाद में रिलायंस ने डील कर ली थी.

सिप्ला का मुनाफा 45% बढ़कर 1,155.37 करोड़ हुआ

- समीक्षाधीन तिमाही में उत्पादों की बिक्री से एकीकृत कुल आय 14 .41 प्रतिशत बढ़कर 6,589 .22 करोड़ रुपये रही

भाषा ।नयी दिल्ली

दवा कंपनी सिप्ला लिमिटेड ने शुक्रवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में उसका कर पश्चात एकीकृत लाभ 44.9 प्रतिशत बढ़कर 1,155.37 करोड़ रुपये हो गया. सिप्ला लिमिटेड ने शेयर बाजार को बताया कि उसने पिछले वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 797.41 करोड़ रुपये का कर पश्चात एकीकृत लाभ दर्ज किया था. समीक्षाधीन तिमाही में उत्पादों की बिक्री से एकीकृत कुल आय 14.41 प्रतिशत बढ़कर 6,589.22 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 5,759.28 करोड़ रुपये थी. कंपनी ने बताया कि दूसरी तिमाही में उसका कुल खर्च 8.43 प्रतिशत बढ़कर 5,260.24 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष समान अवधि में 4,851.13 करोड़ रुपये था.

शुक्रवार को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 7वीं इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दौरान एक स्टॉल पर आगंतुक.

घोषणा — एअर इंडिया ने वरिष्ठ पदों पर नियुक्तियों की घोषणा की

क्लॉस गोएर्श मुख्य परिचालन अधिकारी हुए नियुक्त

भाषा ।मुंबई

विमानन कंपनी एअर इंडिया ने कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में क्लॉस गोएर्श की नियुक्ति के साथ-साथ कई अन्य वरिष्ठ पदों पर नियुक्तियों की शुक्रवार को घोषणा की. एयरलाइन में नवसृजित पद पर गोएर्श का काम उड़ान संचालन, इंजीनियरिंग, ग्राउंड संचालन, एकीकृत संचालन नियंत्रण तथा चालक दल के सदस्यों के कार्यों की देखरेख करना होगा. एअर इंडिया ने कहा कि मौजूदा परिचालन प्रमुख आर. एस. संधू सलाहकार की भूमिका में एयरलाइन के साथ बने रहेंगे. विमानन कंपनी की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संधू इस नई भूमिका में टाटा की चार एयरलाइंस की परिचालन प्रक्रियाओं के सामंजस्य, एयरबस ए350 सेवा में प्रवेश कार्यक्रम और वाहक की नई प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना करने वाले दल की सहायता करेंगे.

लाइसेंस धारक बी777/787 पायलट ने ब्रिटिश एयरवेज और एयर कनाडा दोनों में समान पदों पर सेवाएं दी हैं. एअर इंडिया ने मनीष उप्पल को उड़ान संचालन के लिए वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त करने की भी घोषणा की है. वहीं आपातकालीन प्रतिक्रिया को शामिल करने के लिए हेनरी डोनोहो की कॉर्पोरेट सुरक्षा, सुरक्षा और गुणवत्ता भूमिका का विस्तार किया जाएगा. उनका पदनाम बदलकर वरिष्ठ उपाध्यक्ष कर दिया जाएगा. विज्ञप्ति के अनुसार, विमान में उत्पाद तथा सेवा का कार्य अब राजेश डोगरा के ग्राहक अनुभव खंड को सौंपा जाएगा.

पंकज हांडा ग्राउंड ऑपरेशंस का नेतृत्व करेंगे, चुराह सिंह इंटीग्रेटेड ऑपरेशंस कंट्रोल सेंटर के डिवीजनल उपाध्यक्ष होंगे और जूली एनजी चालक दल के सदस्यों के लिए डिवीजनल उपाध्यक्ष होंगी. गोएर्श, डोगरा और डोनोहो एअर इंडिया के प्रबंध निदेशक तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन के अधीन काम करेंगे. प्रबंधन समिति के मौजूदा सदस्य निपुण अग्रवाल, सत्य रामास्वामी, सुरेश दत्त त्रिपाठी और विनोद हेजमादी भी विल्सन के अधीन काम करेंगे. इनकी सेवाओं में कोई बदलाव नहीं किया गया है. हांडा, सिंह और जूली के अलावा उप्पल तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष इंजीनियरिंग सिसिरा कांता दाश गोएर्श के अधीन काम करेंगे. विल्सन ने कहा, ये बदलाव उत्तराधिकार के प्रबंधन, संगठन को सुव्यवस्थित करने, टाटा एयरलाइन समूह के भीतर प्रतिभा को अनुकूलित करने और इसे भविष्य के विकास और सफलता के लिए मजबूती से स्थापित करने की दृष्टि से किए गए हैं.

मारुति सुजुकी इंडिया दूसरी तिमाही में 80 प्रतिशत उछाल

- एमएसआई ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 5,52,055 वाहनों की बिक्री की

भाषा ।मुंबई

मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 80.3 प्रतिशत उछाल के साथ 3,716.5 करोड़ रुपये रहा. कंपनी ने एक बयान में बताया कि उसे यह मुनाफा बेहतर बिक्री, जिंस की कीमतों में नरमी, लागत घटाने की कोशिशों और ऊंची गैर-परिचालन आमदनी के कारण हुआ. एमएसआई को पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में शुद्ध लाभ 2,061.5 करोड़ रुपये रहा था.

कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में पंजीकृत शुद्ध बिक्री 35,535.1 करोड़ रुपये रही, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 28,543.50 करोड़ रुपये रही थी.

एमएसआई ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 5,52,055 वाहनों की बिक्री की, जिनमें से 4,82,731 वाहन घरेलू बाजार में जबकि शेष 69,324 कारों का निर्यात किया. कंपनी ने सितंबर, 2022 में 5,17,395 वाहन बेचे थे. मारुति सुजुकी ने बताया कि सितंबर तिमाही में उसकी बिक्री संख्या, शुद्ध बिक्री और शुद्ध लाभ अब तक किसी भी तिमाही के मुकाबले अधिक रहा.

जिम्मेदारी तय करने की जरूरत

कमजोर आर्थिक समूहों का निवाला आखिर कौन और क्यों छीन रहा है? एक ओर देश में विकसित भारत के नरेटिव को आमजनों में बैठाने का अभियान शुरू कर दिया गया है. दूसरी ओर 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त राशन मुहैया कराने का दावा किया जाता है. इन अंतरविरोधों की राजनीति को भी समझना जरूरी है. झारखंड में पिछले सात महीनों से 4.90 लाख ग्रीन कार्डधारियों को राशन नहीं मिल पा रहा है. केंद्र सरकार की ओर से चालक देने से इंकार कर देने का यह नतीजा बताया जा रहा है. एक ओर लाभार्थी के नाम पर एक नया वोट बैंक बनाने की कोशिश की गयी है, दूसरी और गैर-भाजपा शासित राज्यों की इस शिकायत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि योजना को जमीन पर उतारने की दिशा में केंद्र मदद नहीं कर रहा है. बंगाल में ममता बनर्जी मनरेगा राशि को ले कर सवाल उठा चुकी हैं और कर्नाटक में वहां की सरकार की योजना को केंद्र सरकार ने नाकामयाब करने का पूरा प्रयास किया है. इस तरह की शिकायत तो केरल सरकार की भी है. राजस्थान और छत्तीसगढ़ से उठने वाले सवालों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है. लेकिन राज्य सरकार भी अपने दायित्व से नहीं बच सकती है. झारखंड में 2021 में झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना लागू की गयी थी. माना गया था कि खाद्यान्न सुरक्षा के मामले में राज्य के आम लोगों को राहत मिलेगी. झारखंड में भूख से मरने की हृदय विदारक घटनाओं ने एक समय पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया था. तकनीकी मामलों का सहारा ले कर वास्तविकताओं को नजरअंदाज करने की प्रवृत्ति झारखंड में भूख के सवाल को हल करने में कारगर साबित नहीं हो पायी है. दरअसल विकसित भारत को सिर्फ नारा नहीं बनने देना है और चुनावों की आहट के साथ उसे एक मुद्दा भर ही नहीं रहने देना है तो राज्य और केंद्र के बीच के विवादों को भी तत्काल हल करने की जरूरत है. इस हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि देश में केंद्र और राज्य के बीच के संबंध पहले की तुलना में सहज नहीं रह गए हैं. संबंध इस तथ्य पर निर्भर हैं कि संबंधित राज्य की शासक पार्टी कौन सी है. देश के समक्ष यह दायित्व है कि गरीबी रेखा से नीचे के लोगों को वह उस घेरे से बाहर निकाले और एक सम्मानित जीवन का आधार मुहैया कराए. यह तभी संभव है, जब विकास केवल चंद घरानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आम नागरिकों को उनकी पूरी हिस्सेदारी मुहैया करायी जाएगी. झारखंड के खाद्य आपूर्ति विभाग के आंकडे बताते हैं कि राज्य में राशन वितरण की पूरी प्रक्रिया संतोषजनक नहीं है. सामाजिक तौर पर कमजोर समूहों की रोजमर्रे की जिंदगियों की परेशानियों के प्रति संवेदनशीलता की जरूरत है. इस तथ्य को रेखांकित करना चाहिए कि इन समूहों के उत्थान की योजनाओं को केंद्र और राज्य बेहतर सहयोग और सहकार का माहौल सृजित करें. केंद्र इस दायित्व से पीछे नहीं भाग सकता.

> झारखंड में 2021 में झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना लागू की गयी थी. माना गया था कि खाद्यान्न सुरक्षा के मामले में राज्य के आम लोगों को राहत मिलेगी. झारखंड में भूख से मरने की हृदय विदारक घटनाओं ने एक समय पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया था.

सुभाषित

यस्मिन् जीवति जीवन्ति बहवः स तु जीवति।
काकोऽपि किं न कुरूते चञ्च्वा स्वोदरपूरणम्।।

जिसके जीने से कई लोग जीते हैं, वह जीया कहलाता है, अन्यथा क्या कौआ भी चोंच से अपना पेट नहीं भरता ? अर्थात व्यक्ति का जीवन तभी सार्थक है, जब उसके जीवन से अन्य लोगों को भी अपने जीवन का आधार मिल सके. अन्यथा कौआ भी अपना उदर पोषण करके जीवन पूर्ण कर ही लेता है.

योगेंद्र, पीपी आदि आदि किसके

योगेंद्र महोदय से ईडी यूं अगस्त में ही छापों के बहाने मुलाकात कर चुका था. फाइल बनाने में शायद इतना वक्त लग गया. उससे संबंधित ईसीआईआर में ईडी ने वे 15 मामले भी टैग कर लिये, जो संताल परगना के विभिन्न थानों में जमीन और बालू घोटाले को लेकर दर्ज थे. उन मामलों से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से योगेंद्र का नाम जुड़ा हुआ था. योगेंद्र मामले पर झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने बाकायदा प्रेस कांफ्रेंस कर तत्काल एसआईटी गठित कर जांच कराने की वकालत की.

झारखंड के राजनीतिक गलियारे में एक सवाल हालांकि साल भर से अधिक समय से गूंजता रहा है, लेकिन 19 अक्टूबर को लिकर किंग योगेंद्र तिवारी की गिरफ्तारी के बाद इस पर तेज बहस छिड़ गई. योगेंद्र तिवारी किसका? सत्ताधारी झामुमो का या पूर्ववर्ती सत्ताधारी भाजपा का? योगेंद्र की गिरफ्तारी ईडी ने की है. उसको शराब घोटाले में बंदी बनाया गया है. झारखंड की शराब नीति पर छत्तीसगढ़ का प्रभाव रहा था. यहां की शराब नीति में छत्तीसगढ़ की एक सरकारी कंपनी का बहुत कुछ लेना-देना था. कुछ ऐसे ही मामले में दिल्ली के दो मंत्री और एक सांसद ईडी के फंदे में फंसे हुए हैं. दिल्ली वाली शराब नीति का कुछ-कुछ तेलंगाना से भी लेना-देना था. तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी कविता से ईडी पूछताछ कर चुका है. फिर या तो किन्हीं कारणों से उसने चुप्पी साध ली या वहां का केस बाद में साधने का विचार हो. यह सब देख-समझ कर लगता है, वाकई शराब खराब चीज है. पता नहीं क्यों मद्य निषेध विभाग चलाकर भी हमारी सरकारें शराब के व्यवसाय में उतर जाया करती हैं. योगेंद्र महोदय से ईडी यूं अगस्त में ही छापों के बहाने मुलाकात कर चुका था. फाइल बनाने में शायद इतना वक्त लग गया. उससे संबंधित ईसीआईआर में ईडी ने वे 15 मामले भी टैग कर लिया, जो संताल परगना के विभिन्न थानों में जमीन और बालू घोटाले को लेकर दर्ज थे. उन मामलों से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से योगेंद्र का नाम जुड़ा हुआ था. योगेंद्र मामले पर झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने बाकायदा प्रेस कांफ्रेंस कर तत्काल एसआईटी गठित कर जांच कराने की वकालत की. कहा, ईडी निष्पक्षता से जांच करे तो पता चल जाएगा कि योगेंद्र का कारोबारी जन्म कैसे हुआ, कब हुआ और उसको किनका संरक्षण मिला और पूंजी किसने लगाई. उसके तमाम बैंक ट्रांजेक्शन खंगालने की जरूरत है. नैरेटिव सेट करने के बजाय ईमानदारी से जांच होनी चाहिए. उधर 2014-19 के बीच झामुमो के दुलारे विधायक रहे और अब भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी का कहना था, सत्ताधारी झामुमो की मांग पर एसआईटी गठित करने के पहले सरकार एफआईआर तो करे. उनका सवाल था, योगेंद्र को शराब का ठेका किसने दिया? किसने निराले टेंडर नियम बनाये और किस कारण शराब के टेंडर में 25 लाख रुपये की ननरिफंडेबल राशि तय की गई, यह भी स्पष्ट होना चाहिए. लगे हाथ कांग्रेस नेता अभिलाष साहू ने तो साफ-साफ कहा कि योगेंद्र के भाजपा नेताओं से गहरे संबंध हैं. एनडीए पार्टनर आजसू ने इस बहस से खुद को अलग ही रखा. उसकी यही फितरत रही है.

• देश-काल

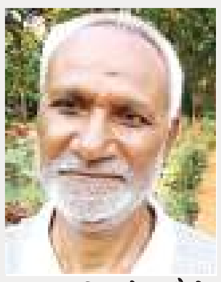

श्याम किशोर चौबे

ठीक ऐसा ही सियासी माहौल तब भी बना था, जब पत्थर के अवैध खनन, परिवहन और तस्करी सहित भूमि और ट्रांसफर-पोस्टिंग घोटाले में पिछले साल 25 अगस्त को ईडी द्वारा प्रेम प्रकाश (पीपी) को गिरफ्तार किया गया था. उस समय भी यही सवाल उठाया गया था कि पीपी का संबंध-संपर्क किस राजनीतिक दल से और किन नेताओं से रहा है. उसकी गिरफ्तारी कुछ अजीब परिस्थितियों में हुई थी. ईडी ने 2009-10 में खूंटी जिले में हुए मनरेगा घोटाले की तफ्तीश के दौरान पिछले साल 06 मई को तत्कालीन उद्योग सह खान सचिव आईएएस पदाधिकारी पूजा सिंघल के सीए सुमन कुमार की गिरफ्तारी की थी. उसके तत्काल बाद पूजा सिंघल तो बंदी बना ही ली गईं, कुछ-कुछ अंतराल पर पंकज मिश्र, कोलकाता के बड़े कारोबारी अमित अग्रवाल आदि-आदि की गिरफ्तारी हुई. उन दिनों पंकज मिश्र मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का विधायक प्रतिनिधि हुआ करता था. ईडी को मनरेगा घोटाले की जांच का आदेश एक पीआईएल की सुनवाई के दौरान झारखंड हाईकोर्ट ने दिया था. इस घोटाले में सुमन और पूजा की गिरफ्तारी के बाद ईडी ने पत्थर खनन घोटाला, भूमि घोटाला आदि-आदि की जांच में हाथ डाल दिया. इस क्रम में अबतक दर्जन भर से अधिक गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, जिनमें रांची के तत्कालीन डीसी आईएएस पदाधिकारी छवि रंजन और एक बड़े कारोबारी विष्णु अग्रवाल भी शामिल हैं. विष्णु के संबंध-संपर्क राज्य के कई नेताओं से रहे हैं. प्रेम प्रकाश के आवास से दो सरकारी एके 47 राइफल और 60 गोलियां बरामद की गई थीं. साहिबगंज जिले में पत्थर खनन घोटाले का किंगपिन दाहू यादव और सत्ता के गलियारे में कई किस्म की उलट-फेर में शामिल विशाल चौधरी फरार चल रहे हैं. हालांकि पूछताछ के लिए बुलाये जाने पर ये दोनों एक बार ईडी के रांची दफ्तर में आये थे, लेकिन उसके बाद ऐसे गायब हो गये जैसे गदहे के सिर से सींग. इन दलालों, घोटालेबाजों में कौन किसका आदमी है, यह सवाल बड़ा पेंचीदा है. ये सभी अचानक सितारा नहीं बन गये. इस मौजूं सवाल पर पूर्व में मंत्री रह चुके वर्तमान विधायक सरयू राय ने ईडी को पत्र लिखकर और प्रेस कांफ्रेंस कर भी सवाल उठाया है, ये धंधेबाज क्या 2020 से ही सक्रिय रहे या पहले से? बेशक पहले से. ऐसे में मुकम्मल जांच ही असल कहानी कहेगी.

राजनीति में पैसा, पद और पैरवी का बोलबाला रहता है. अब तो राजनीति निहायत महंगी हो गई है. खासकर चुनावी राजनीति बहुत ही महंगी हो गई है. इस कारण सत्ता के गलियारों में दलालों की पूछ तो बढ़ ही गई है, वैसे धंधेबाजों की भी चलती हो गई है, जो भारी रकम खपाना जानते हैं. इस फन का उस्ताद हर कोई नहीं हो सकता. जो माहिर खिलाड़ी हैं, वे हर व्यवस्था में न केवल खप जाते हैं, अपितु व्यवस्था में उनका दखल बढ़ जाता है. फर्क इतना ही है, खुद को कौन कहां, कब और कैसे एडजस्ट कर लेता है.

• बोधि-वृक्ष | डॉ. सत्यकेतु संजय

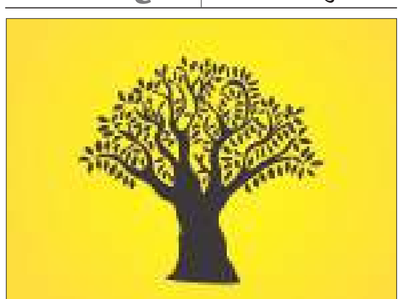

राम नाम का मंत्र

एक बार ऋषि, मुनियों तथा देवताओं ने मिलकर वेद-समुद्र का मंथन किया. जब वेदों का मंथन किया गया तो उसमें से मंत्र निकले और ऋषि, मुनि तथा देवताओं ने मंत्रों का बंटवारा कर लिया. जो कर्मकांडीमुनि थे, उन्होंने कर्मकांड के यज्ञ के मंत्र ले लिए. जो ज्ञानी और वेदांती थे, उन्होंने वेदांत के मंत्र ले लिए इस प्रकार सबने अलग-अलग मंत्र बांट लिए, पर अंत में उस मंथन में 'राम-नाम' भी निकला था. ऋषि-मुनियों ने सोचा कि बड़े-बड़े मंत्र तो ठीक हैं, भला इन दो अक्षरों का क्या महत्व है? वस्तुतः वे बेचारे पहचान नहीं पाए कि अमृत तो यही है, सार यही है. परंतु शंकरजी ने कहा, भाई ! सारा वेद आप लोग ले जाइए. बस ये दो अक्षर हमें दे जाइए! इतना कहकर शंकरजी ने दोनों अक्षरों 'रामनाम' को उठा कर मुख में धारण कर लिया. अगर एक ओर सैकड़ों मंत्र हों और दूसरी ओर 'राम-नाम' हो तो व्यक्ति का तराजू तो यही कहेगा कि मंत्रों वाला पलड़ा भारी है. लेकिन शंकरजी के गणित में और हम लोगों के गणित में बहुत बड़ा अंतर है. शंकरजी का गणित बड़ा विचित्र है. वर्णन आता है कि पार्वती जी नित्य सहस्रनाम का जप करती हैं और एक दिन भगवान शंकर के भोजन का समय हो गया, लेकिन पार्वतीजी का पाठ पूरा नहीं हुआ था. इसलिए उन्होंने कहा कि पाठ पूरा हुए बिना मैं भोजन कैसे करूं! शंकरजी ने एक श्लोक पढ़कर कहा पार्वती! राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे. सहस्त्रनाम तत्तुल्यं राम नाम वरानने. वस्तुतः तुम जिस सहस्रनाम का पाठ करती हो, केवल एक 'राम-नाम' से ही उसके फल की प्राप्ति होती है. इसका सीधा सा अभिप्राय है कि संसार में विस्तार का महत्व है और भगवत्तत्त्व में संक्षेप का महत्व है. एक व्यक्ति जब वृक्ष को देखता है तो उसकी दृष्टि उसके बड़प्पन, उसकी ऊंचाई पर जाती है और दूसरा व्यक्ति देखता है कि उसके मूल में बीज कितना छोटा-सा है! यद्यपि बीज तो छोटा होगा ही, लेकिन बुद्धिमान व्यक्ति जानता है कि बीज में ही वृक्ष समाया हुआ है. पार्वतीजी भगवान शंकर की बात मानकर 'राम-नाम' लेकर भगवान शंकर के साथ भोजन कर लेती हैं-सहसनाम सम सुनि शिवबानी. जद्यपि जेई पिय संग भवानी.

नवाज शरीफ पाकिस्तानी सेना के नए मोहरे

• देशांतर

प्रमोद जोशी

पाकिस्तानी के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ़ की स्वदेश-वापसी, स्वागत और उनके बयानों से लगता है कि कानूनी दांव-पेच में फंसे होने के बावजूद देश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के इरादे से वे वापस आए हैं और उससे जुड़े हर तरह के जोखिमों का सामना करने के लिए वे तैयार हैं. उन्होंने वापस लौटकर कम से कम उन लोगों को ग़लत साबित किया है, जो कहते थे कि वे लौटकर नहीं आएंगे, राजनीतिक दृष्टि से वे हाशिए पर जा चुके हैं और अप्रासंगिक हो चुके हैं. अदालतों ने उन्हें अपराधी और 'भगोड़ा' घोषित कर रखा है. अब पहिया उल्टा घूमेगा या नहीं, इसका इंतज़ार करना होगा. बहुत कुछ उनके और सेना के रिश्तों पर और अदालतों के रुख पर भी निर्भर करेगा. अतीत में वे कई बार कह चुके हैं कि उन्हें बेदखल करने में सेना का हाथ था. नवाज़ शरीफ़ का पहला भाषण आने वाले वक्त में उनकी राजनीति का प्रस्थान बिंदु साबित होगा. वे पाकिस्तान को नए सपने देना चाहते हैं, पर कहना मुश्किल है कि वे कितने सफल होंगे. भारत की दृष्टि से संबंधों को सुधारने की बात कहकर भी उन्होंने अपने महत्व को रेखांकित किया है. पाकिस्तान की राजनीति में यह बात कहने के लिए काफी साहस की जरूरत होती है. उन्होंने कहा, कश्मीर का मसला शालीनता से सुलझाकर हम भारत के साथ अच्छे संबंधों को फिर से कायम करना चाहते हैं. साथ में यह भी कहा कि फिलिस्तीन और कश्मीर पर हम अपने सैद्धांतिक रुख से पीछे नहीं हटेंगे. उनके एजेंडा में भारत से संबंध-सुधार का काम सबसे ऊपर नहीं हो सकता, क्योंकि भारत-द्वेष बहुत गहराई से बैठाया गया है. फिर भी उनके साहस की अनदेखी नहीं की जा सकती है. पाकिस्तानी राजनीति और प्रशासन में दो तरह की धारणाएं काम कर रही हैं. एक भारत की धुर-विरोधी है और दूसरी धारणा भारत के साथ रिश्ते बनाए रखने की समर्थक है. 1999 में सेना ने करगिल-अभियान से जुड़े फैसलों में उन्हें शामिल नहीं किया और 2015 में उफा में तय सहमति के बावजूद 2016 की जनवरी में पठानकोट एयरबेस पर हमला हुआ और सारी कोशिशें बेकार हो गईं. गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी और खस्ताहाल अर्थव्यवस्था से जूझ रहे देश को उन्होंने पटरी पर लाने का सपना दिखाया. उन्होंने कहा, यह देश मेरे 1990 के 'आर्थिक मॉडल' पर आगे बढ़ता, तो यहां कोई बेरोजगार नहीं होता. आर्थिक संकट की वजह से अब लोगों को यह तय करना पड़ता है कि वे बिजली का बिल भरें या बच्चों का पेट. यह सब शहबाज शरीफ के दौर में शुरू नहीं हुआ. उससे पहले शुरू हो गया था. हमारे दौर में चीनी 50 रुपये किलो थी, आज 250 रुपये है. उन्होंने कहा, हम एक स्वतंत्र और व्यापक विदेश नीति चाहते हैं. हम पड़ोसी मुल्कों से दोस्ताना रिश्ते कायम करके पाकिस्तान को आर्थिक-शक्ति बनाना चाहते हैं. दूसरों से लड़कर पाकिस्तान का विकास नहीं किया जा सकता. नवाज़ शरीफ़ ने इस्लामाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ही एवनफील्ड अपार्टमेंट और अल-अज़ीज़िया मामलों में अपनी सजा के खिलाफ लंबित अपीलों को नए सिरे से दायर करने के लिए आवेदनों पर हस्ताक्षर किए. इन मामलों पर 24अक्तूबर को सुनवाई हो सकती है. ये अर्ज़ियां इस्लामाबाद हाईकोर्ट की खंडपीठ में दी जाएंगी. इस दौरान नवाज़ शरीफ़ के भी अदालत में पेश होने की संभावना है. शरीफ को उसी दिन जवाबदेही अदालत के सामने भी पेश होना है. बहरहाल इसबार उनके वकीलों ने इस्लामाबाद, लाहौर और सिंध हाई कोर्ट में सुरक्षात्मक ज़मानत के लिए आवेदन किया है और एक अदालत ने उन्हें प्रोटेक्टिव जमानत दे भी दी है. कुछ विधि विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तानी अदालतें आजकल 'उदार' हैं. वे ऐसे किसी व्यक्ति को, जो किसी मुक़दमे में मुज़रिम होने के साथ-साथ इश्तहारी भी हो, तब भी सुरक्षात्मक ज़मानत दे देती हैं. ऐसा इसलिए, ताकि वह अदालत में पेश होकर अपने मुक़दमे के स्टेटस को बहाल करवा सके और उसके बाद वह क़ानूनी लड़ाई लड़े. कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि इश्तहारी होने के कारण नवाज़ शरीफ़ को जेल जाए बिना कोई राहत नहीं मिल सकेगी. नवाज़ शरीफ़ की पार्टी पिछली पीडीएम सरकार के गठबंधन सहयोगियों के साथ भी संपर्क कायम कर रही है, ताकि कानूनी और प्रशासनिक-छूट हासिल करने में दिक्कतें कम से कम पेश आएं. रविवार को हुई एक बैठक में विधि-विशेषज्ञों और परिवार के सदस्यों ने इस मसले पर विचार किया. कहा जा रहा है कि नवाज़ शरीफ़ सबसे पहले पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी, जेयूआई (एफ), और पीडीएम से संबद्ध अन्य पार्टियों से सीधे संपर्क करेंगे.

> नवाज़ शरीफ़ ने इस्लामाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ही एवनफील्ड अपार्टमेंट और अल-अज़ीज़िया मामलों में अपनी सजा के खिलाफ लंबित अपीलों को नए सिरे से दायर करने के लिए आवेदनों पर हस्ताक्षर किए. इन मामलों पर 24 अक्तूबर को सुनवाई हो सकती है. ये अर्ज़ियां इस्लामाबाद हाईकोर्ट की खंडपीठ में दी जाएंगी.

पर्यावरण बचाने के लिए नए रास्ते की जरूरत

• जलवायु

केयूर पाठक

कभी जमीन धंस जा रही है. कभी भी तूफान आ रहा है, कभी नदियां मचल जा रही हैं और कभी भी पहाड़ बिखर जा रहा है. यह बेचैन धरती की छटपटाहट है. कब कौन सा प्राकृतिक संकट आ जाए, कहना कठिन हो गया है. दुनिया पर्यावरण से संबंधित गंभीर समस्याओं से जूझ रही है. एक तरह से यह आपदाओं के बीच आ बैठी है. यह संकट आण्विक संकट से भी गंभीर है और इन सबके लिए वैश्विक पूंजीवाद को मासूम करार नहीं दिया जा सकता. वैश्विक पूंजीवाद द्वारा मचाई गई प्रकृति की प्रचंड लूट-पाट को देखते हुए इसकी तीव्र आलोचना की जा रही है, और वैकल्पिक वैकासिक प्रतिमान के रूप में मार्क्सवाद से प्रेरित विकास प्रतिमान की भी बात की जा रही है. 'जर्मन आइडियोलॉजी' में एक जगह मार्क्स लिखते हैं- 'मछली की सार्थकता उसके पानी में होने में है और साफ पानी में रहने वाली मछलियों के लिए नदी की आवश्यकता है. ...लेकिन यह अब संभव नहीं रहा, क्योंकि नदियां अब फैक्ट्रियों की सेवा में लगा दी गई है."...कपड़ों को रंगनेवाले जहरीले रंग, कचड़े और साथ में उसमें चलने वाले स्टीमबोट और उसमें बहाई जानेवाली नालियों ने मछलियों के इस जीवन को प्रभावित किया है.' निश्चय ही प्रकृति में उपस्थित विविधता और सौन्दर्य उनकी लेखकीय चेतना का हिस्सा रहा है, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता, जो अलग-अलग सन्दर्भों में उनके लेखन और विचार में बार बार झलकता भी है. इसी तरह से 'ऑन द ज्यूज क्वेश्चन' में वह कहते हैं- 'निजी संपत्ति और पूंजी के अधिनत्व में अगर प्रकृति को देखें तो यह प्रकृति की अवमानना और उनके अपमान की तरह है...'. क्योंकि निजी संपत्ति की संस्कृति में सभी चीजें वस्तु में बदल दी गई है. उसका संवेदनात्मक या जीवन-पक्ष उपेक्षित कर दिया गया है. पानी में मचलने वाली मछलियां हों या हवा में उड़ने वाली चिड़ियां या फिर जमीन पर इठलाते पेड़ सबकी एक कीमत लगा दी गई हैं. इन सबके जीवन-पक्ष को मृत घोषित कर दिया गया है. बिक जाना या खरीद लिया जाना ही इनका मूल्य रह गया है- इनके आन्तरिक मूल्य के लिए कोई जगह नहीं रही. यह मनुष्यता की सबसे बुरी दशा है. इसे ही हर्बर्ट मार्क्यूज 'वन डायमेंशनल मैन' कहते हैं- जहां जीवन के अन्य पक्ष भौतिक पक्ष के सामने दम तोड़ देते हैं. औद्योगिक पूंजीवादी संस्कृति साम्राज्यवादी तरीके से कार्य करती है. यह लगातार अपना विस्तार करती जाती है- और इस क्रम में गांव बदसूरत शहरों में बदलते जाते हैं, जंगल विलुप्त होते जाते हैं, नदियां सूखती जाती है और पहाड़ उजड़ते जाते हैं. एक अर्थ में देखें तो आधुनिक पूंजीवादी विकास प्रतिमान में प्रकृति का भयानक नुकसान अनिवार्यतः होना है और मार्क्स ऐसे विकास के प्रतिमान को बदलने की बात करते हैं. निजी संपत्ति उनके लिए बड़ा मुद्दा है और जिससे मुक्ति के बिना पर्यावरणीय समस्याओं का भी हल नहीं किया जा सकता. साथ ही मार्क्सवाद की सबसे अहम् भूमिका पर्यावरणीय आन्दोलन को दिशा और गति देने में सहायक है. इसके दो कारण हैं- पहला कि अपने व्यावहारिक स्वरूप में जब इसे एक आर्थिक विकास का प्रतिमान स्थापित करने का अवसर मिला तो उसने भी प्रकृत्ति का घनघोर दोहन किया और दूसरा कि पर्यावरणीय सन्दर्भों में मार्क्सवाद सैद्धांतिक तौर पर इतना मजबूत नहीं कि इस प्रश्न पर एक मजबूत विमर्श दे सके सिवाए आन्दोलन की प्रेरणा बनने के. पूंजीवादी विकास प्रतिमान हो या साम्यवादी विकास प्रतिमान- दुनिया ने दोनों का ही पर्याप्त अनुभव लिया है और पर्यावरणीय सन्दर्भों में दोनों का ही अनुभव बुरा ही रहा है. एक समय सोवियत संघ और अमेरिका में आण्विक हथियारों को लेकर प्रतिस्पर्धा थी. दोनों के लिए आधुनिक तकनीक और विकास का बराबर का महत्व था. दोनों के लिए विज्ञान का जो दर्शन था, उसमें प्रकृति को जीत लिए जाने की होड़ लगी रही. कौन चांद पर और अन्तरिक्ष में अपना परचम लहरा सकता है, कौन समुद्र को जीत सकता है- यह सब युद्धस्तर पर चला. और इन्हीं सब कारणों से पर्यावरणीय आन्दोलन से गहरे जुड़े लोगों और विचारधाराओं ने दोनों ही विकास के प्रतिमानों को अस्वीकृत किया और माना कि दोनों ने ही प्रकृति का भयंकर नुकसान किया है. भारत का पारंपरिक जीवन दर्शन गांव केन्द्रित है, जिसका ताना-बाना स्थानिकता और वहां के परिवेश से बुना है. यह अधिक समावेशी भी है और धारणीय भी. इसमें जंगल भी है, जंगली जीव भी, नदियां भी हैं और पहाड़ भी.

> एक अर्थ में देखें तो आधुनिक पूंजीवादी विकास प्रतिमान में प्रकृति का भयानक नुकसान अनिवार्यतः होना है और मार्क्स ऐसे विकास के प्रतिमान को बदलने की बात करते हैं. निजी संपत्ति उनके लिए बड़ा मुद्दा है और जिससे मुक्ति के बिना पर्यावरणीय समस्याओं का भी हल नहीं किया जा सकता.

मीडिया में अन्यत्र

बढ़ रही हैं वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं

भू-राजनैतिक तनावों, आर्थिक विखराव, अस्थिर वित्तीय बाजारों और असमान मानसून के जोखिमों के बीच, 6 अक्टूबर को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस वित्तीय वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.5 फीसदी की वृद्धि, जिसे घरेलू मांग को मजबूत करके समान रूप से संतुलित किया गया है, के अपने अनुमान पर अडिग रहा. ऐसी धारणा थी कि बढ़ी हुई अनिश्चितताओं का दौर खत्म हो रहा है, लेकिन केंद्रीय बैंक के गवर्नर द्वारा पिछले शुक्रवार को दिए गए संकेतों के मुताबिक ही पिछले एक पखवाड़े से नई अनिश्चितताएं उभरकर सामने आई हैं. मौद्रिक नीति समीक्षा के एक दिन बाद शुरू हुआ इज़राइल-हमास संघर्ष और व्यापक हो गया है तथा वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने वैश्विक स्तर पर खाद्य, ईंधन और उर्वरकों की आपूर्ति पर इसके प्रभाव को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है. ईंधन और उर्वरकों के आयात पर भारत की निर्भरता को देखते हुए, भले ही सरकार इस चुनावी मौसम में उपभोक्ताओं और किसानों के सिर पर उच्च कीमतों का बोझ सरकाने से बच रही हो, लेकिन कोई भी व्यवधान या कीमतों में वृद्धि वृहद-आर्थिक ढांचे को नुकसान पहुंचा सकती है. आरबीआई के मुखिया ने बढ़ती अमेरिकी बंध पत्र आय (बांड यील्ड) की ओर भी इशारा किया, जो इस सप्ताह 16 साल के उच्चतम स्तर पांच फीसदी पर पहुंच गई. दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों से मिलने वाले मिश्रित डेटा बिंदुओं और संकेतों से नए अज्ञात पहलू- यहां तक कि वित्तीय बाजार में होने वाले उथल-पुथल जैसे जाने-पहचाने अज्ञात पहलू भी और ज्यादा स्पष्ट हो गए हैं. इस चिंता की झलक इस सप्ताह दिखाई दी, जब जुलाई के बाद से भारतीय बाजारों में सबसे तेज बिकवाली हुई. इस बात को लेकर कोई निश्चितता नहीं है कि आरबीआई अभी भी विकास के जोखिमों के प्रति अपने 'समान रूप से संतुलित' दृष्टिकोण को बरकरार रखेगा. हालांकि इस तथ्य को स्वीकार करते हुए कि वैश्विक अनिश्चितताएं बढ़ गई हैं, वित्त मंत्रालय अर्थव्यवस्था से जुड़े अपने दृष्टिकोण को लेकर फिलहाल काफी हद तक आशावादी नजर आता है. सोमवार को जारी इसकी मासिक आर्थिक समीक्षा में यह दावा किया गया है कि विकास "पटरी पर बना हुआ है", जुलाई-अगस्त में "अस्थायी" मौसमी उछाल के बाद मुद्रास्फीति कम हो रही है, उपभोग की मांग मजबूत हो रही है और निवेश संबंधी मांग भी "बढ़ रही है". **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

तोड़/तोड़ा/तोड़ी

रामचंद्र ने जनकपुर में शिव धनुष को बहुत ही सहजतापूर्वक तोड़ दिया. बहुत तेज ध्वनि हुई, जिसे सुनकर परशुराम जी वहां पहुंच गये और गुस्से से आग-बबूला होने लगे. उनके गुस्से का तोड़ भी भगवान रामचंद्र के पास ही था. उन्होंने परशुराम को शांत कर दिया. इन वाक्यों में तोड़ शब्द का दो बार प्रयोग हुआ है और दोनों बार तोड़ अलग-अलग अर्थों में है. पहले तोड़ का मतलब जहां किसी वस्तु को खंडित करने से है, वहीं दूसरी बार तोड़ किसी के प्रहार, प्रभाव या वार से वचने के उपाय का अर्थ देता है. यही तो शब्द का अपना चमत्कार है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार तोड़ शब्द के बहुत सारे मतलब होते हैं. जैसे तोड़ने की क्रिया या भाव, किसी आक्रमण पर प्रत्याक्रमण या उसका प्रत्युत्तर. तोड़ का अर्थ किसी दांव या साजिश की काट भी होता है तो दही के छोड़ने या दूध के फटने पर निकला जल भी तोड़ ही कहलाता है. तोड़ का एक अर्थ नदी आदि के जल का तीव्र बहाव होता है. दरअसल तोड़ का ही सकर्मक क्रिया रूप तोड़ना है. इसका मतलब है किसी वस्तु को आघात करके टुकड़ों में विभक्त कर देना, संबंध विच्छेद करना, बल या प्रभाव को कम करना, नियम, परंपरा, आज्ञा आदि का पालन न करना, मानसिक रूप से दुर्बल कर देना, किसी वस्तु में लगी हुई दूसरी वस्तु को उसके आधार से अलग कर देना, फोड़ना, खंडित करना, विखंडन. अगर कोई किसी की बात को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत करता है तो उसका मतलब है वह उसे अपने अनुसार बना कर रख रहा है. तोड़ा का अर्थ है सोने-चांदी का चौड़ी जंजीर जैसा आभूषण, ब्रेसलेट, रुपये पैसे रखने की थैली, भाग, उप विभाग, अभाव, तंगी, कमी, घाटा, टोटा, जरूरत, नदी का किनारा, घमंड, अभिमान. इसी प्रकार तोड़ी का अर्थ है सरसों की एक किस्म, तोड़िया, स्त्रियों का एक आभूषण.

सरकारी कार्यक्रम के पास का मतलब

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

पास भी एक प्रकार से टिकट ही होता है, लेकिन टिकट में पूंजीवाद की गंध आती है, इसलिए अच्छी शब्दावली का प्रयोग करने वाले लोग पास का प्रयोग करते हैं. अगर बेचो, तो पास टिकट बन जाता है. न बेचो, तो पास जुगाड़ हो जाता है. भारत जुगाड़-प्रधान देश है. अतः जुगाड़ पर आधारित पास व्यवस्था अपने देश में खूब चलती है. जिसके पास में पास है, वही खास है. जिसके पास पास नहीं है, वह मामूली है. जिस तरह मूली का कोई भाव नहीं होता, इसी तरह बिना पास वाले मामूली आदमी का क्या महत्व? सरकारी कार्यक्रम के मुख्य द्वार पर केवल एक ही बात देखी जाती है कि तुम्हारे हाथ में पास है अथवा नहीं ? इसी से व्यक्ति के महत्व का निर्धारण होता है. मामूली आदमी के पास भला पास कहां से आएगा ? यह तो शत प्रतिशत नेताओं और अफसरों के चमचों के लिए आरक्षित होता है. जो नेता के जितने पास है, उसे उतनी ही सरलता से पास मिल जाता है. व्यक्ति को चमचागिरी में पारंगत होना चाहिए, एक छोड़ दस पास कहीं के भी ला सकता है. शहर में अगर बीस लोग घूम रहे हैं और उनमें से दो व्यक्तियों के पास पास है, तो वह मान्यता प्राप्त विशिष्ट व्यक्ति बन जाते हैं. लोग एक दूसरे से पूछते हैं "क्या तुम्हारे पास पास आया है?" जिनके पास पास होता है, वह कई बार सोशल मीडिया पर गर्व सहित इसकी घोषणा करते हैं. पढ़कर ज्यादातर लोग ईर्ष्या से भर उठते हैं. अरे! यह तो पास वाले हो गए हैं. अगर किसी के पड़ोसी को पास मिल जाए तो यह ईर्ष्या चार गुना बढ़ जाती है. अपने आपसे सरकारी कार्यक्रम में पास वितरित करने की कोई व्यवस्था नहीं होती. आमतौर पर यह रेवड़ी बांटने जैसा कार्यक्रम होकर रह जाता है. नेताओं का महत्व पास बांटने से बढ़ता है. चार लोग उनके पास जाते हैं. वह उन्हें पास देते हैं. अपने पास बिठाते हैं. पास लेने वाला धन्य हो जाता है. अफसर अधीनस्थ अफसर को पास बांटते हैं. मुफ्त में पास नहीं बंटेंगे तो चमचों का क्या होगा? जुगाड़ पर दुनिया टिकी हुई है. चमचे से बेहतर पास का जुगाड़ भला कौन कर सकता है ? अगर आपको पास चाहिए तो किसी चमचे से संपर्क करें. वह जरूर दिला देगा. अगर आप पास पाने में सफल हो गये तो समझ लीजिए आप हो गये खास. अगर विफल हुए तो आप शतप्रतिशत आम ही रह जाएंगे, जिसे देखने वाले उसके गुणों की खूब तारीफ करेंगे और कुछ ही देर में गटक जाएंगे.

बायोस्कोप

हस्ताक्षर

अपने नाम को सार्थक करने वाली अभिनेत्री हैं वहीदा

इस वर्ष विज्ञान भवन में देश के सबसे बड़े फिल्म पुरस्कार 'दादा साहब फाल्के सम्मान' के लिए वहीदा रहमान को मंच पर चढते देख लगा हम सबकी बहुप्रतिक्षित इच्छा पूरी हुई. कुछ नाम अपने अर्थ को इस तरह सार्थक करते हैं कि कोई विकल्प आप सोच ही नहीं सकते. वहीदा, यानी लाजवाब...कुछ ऐसे नाम में शुमार किया जा सकता है. शायद इसीलिए हिन्दी सिनेमा में वहीदा रहमान को पहली बार अवसर देने वाले गुरुदत्त ने जब युवावस्था में कदम रख रही वहीदा से नाम बदलने का आग्रह किया तो उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ गुरुदत्त को इन्कार कर दिया. विभाजन के बाद यह वह दौर था जब हिंदी दर्शकों के बीच स्वीकार्यता के लिए अधिकांश कलाकार दिलीप कुमार, मीना कुमारी की तरह नाम बदल कर आ रहे थे. लेकिन वहीदा रहमान ने कहा, सफलता वहीदा को हासिल करनी है, वहीदा के नाम से ही करनी है. यह नाम मेरे पिताजी ने बड़े प्यार से रखा है, मैं इसे नहीं बदल सकती.

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

वहीदा ने आने वाले दिनों में अपने नाम की सार्थकता ही साबित नहीं की, दर्शकों को उसे स्वीकार करने के लिए अपनी प्रतिभा के सामने बाध्य भी किया. वहीदा के लिए हिंदी सिनेमा के दरवाजे खोलने वाले गुरुदत्त थे, उस समय 'सी आई डी' के लिए देव आनंद के साथ कोई एक नई अभिनेत्री को तलाश कर रहे थे जो निगेटिव कैरेक्टर को जस्टिफाई कर सके. कहा जा सकता है इसी फिल्म में काम करते हुए गुरुदत्त को कहीं न कहीं वहीदा में कोई स्पार्क दिखा होगा कि वे गुरुदत्त की फिल्मों की जरुरत बन गईं. 'प्यासा' जैसी महात्वाकांक्षी फिल्म में गुरुदत्त ने वहीदा को एक काम्पलेक्स भूमिका सौंपी, जिसे उन्होंने पूरी सहजता से निभाया. गुरुदत्त की अगली फिल्म 'कागज के फूल' हालांकि अपने तरह के कथानक के कारण दर्शकों को नहीं रूचि, लेकिन यहां भी वहीदा के अभिनय की तारीफ हुई. वहीदा ने बाद में हिंदी सिनेमा के तमाम बड़े सितारे और बड़े निर्देशकों के साथ काम किया लेकिन गुरुदत्त की श्वेत श्याम फिल्मों में उनके चरित्र में जो चमक थी, वह दुहरायी नहीं जा सकी. वे गुरुदत्त की गंभीर फिल्मों की भी ताकत बनीं, वहीं देव आनंद की म्यूजिकल प्रेम कहानियों की भी पहचान बनीं रहीं. सी आई डी के बाद देवआनंद के साथ इनकी जोडी ने सोलहवां साल, काला बाजार, प्रेम पुजारी, बात एक रात की और गाइड जैसी सफल फिल्में दीं. गाइड देखकर लेखक आरके नारायण ने लिखा था, रोजी को जैसा मैंने लिखा था, वहीदा रहमान ने परदे पर साकार कर दिया. वहीदा यही थी, भूमिका कोई भी हो उनके लिए आसान हो जाती थी. उनके व्यक्तित्व में एक खास तरह की कोमलता थी, जो हरेक चरित्र में उन्हें आसानी से ढाल देती थी. उनकी प्रतिभा की ही धमक थी कि सत्यजीत रे अपनी बांग्ला फिल्म अभिज्ञान में मुख्य भूमिका के लिए कोलकाता ले गए.

वहीदा रहमान ऐसी एकमात्र अभिनेत्री होंगी, जिन्होंने जिस सक्रियता के साथ नायिका की भूमिका निभायी उसी सक्रियता के साथ चरित्र भूमिकाओं में भी अदालत, कभी-कभी, त्रिशूल, नमक हलाल, मशाल जैसी उल्लेखनीय फिल्म अपने प्रशंसकों को दीं. कुछ वर्षों के अंतराल के बाद जब वे एक बार फिर दिल्ली 6 और फिर रंग दे बसंती में आयीं तो अहसास हुआ अभिनय किस तरह उनके रग रग में पैवश्त है. शैलेन्द्र की 'तीसरी कसम' में हीरामन की बैलगाडी में हीराबाई को मेले पहुंचाने बिठाया जाता है. टप्पर गाड़ी में पीछे से आ रही आहट से हीरामन डर जाता है, क्या पता कोई भूत तो नहीं है. वह भूत के उल्टे पांव देखने पीछे पलटता है तो हीराबाई के चेहरे की एक झलक दिख जाती है, और फिर...,ईस्स..यह तो परी है. वहीदा रहमान हिन्दी सिनेमा की परी ही हैं, जिनमें संवेदना भी है,सौंदर्य भी.

बोली देसी गर्ल, नमस्ते इंडिया

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा जियो मुंबई एकेडमी ऑफ मूविंग इमेज (एमएमएमआई) फिल्म फेस्टिवल में शरीक होने इंडिया आई हैं. एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही पैपराज़ी ने घेर लिया और अब उनके वीडियो और तस्वीरें वायरल हो रही हैं. प्रियंका ने भी नमस्ते इंडिया कहते हुए सबका अभिवादन किया.

प्रियंका के साथ उनके पति निक जोनास और बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनास नहीं दिखे हैं. प्रियंका के एयरपोर्ट लुक की बात करें तो वह बेहद कैजुअल नजर आईं. लंबे कोट और पैंट के साथ काले रंग का क्रॉप टॉप उन्हें कूल लुक दे रहा था. बता दें कि अपनी कजिन परिणिति परिणीति चोपड़ा की शादी में भी प्रियंका नहीं पहुंच सकी थीं. उम्मीद जाहिर की जा रही है कि उनसे मिलने वे दिल्ली पहुंचेंगी.

अदिति राव हैदरी

फिर खिले फूल प्यार के

अदिति राव हैदरी आज अपना जन्मदिन मना रही हैं. बला की खूबसूरती और फैंशन सेंस रखने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस का राजघराने से वास्ता रहा है. अदिति पर्दे पर भले कम नजर आई हैं, पर जब नजर आई हैं, पहचान जरूर छोड़ी हैं. पद्मावत में 'मेहरुनिसा' हो या वेब सीरीज 'ताज-डिवाइडेड बाय ब्लड' की 'अनारकली', उनकी मौजूदगी को नजरअंदाज करना मुश्किल है. हालांकि काम से अधिक निजी जिंदगी की वजह से वे चर्चा में रहती हैं. 17 की उम्र में अफेयर, 21 की उम्र में शादी, 23 में तलाक के बाद कई प्रेम संबंधों की चर्चा रही है. एक्टर सिद्धार्थ के साथ डेट की खबरें लंबे समय से आ रही थीं, पिछले दिनों रेड कार्पेट पर साथ पोज देकर उन्होंने इन खबरों की अधिकारिक पुष्टि की. आइए, जन्मदिन के मौके पर इनकी जिंदगी के कुछ रंगों से हों वाकिफ.

राजघराने से है वास्ता

अदिति राव हैदरी के परदादा अकबर हैदरी, 1869 से 1941 तक हैदराबाद के प्रधानमंत्री रहे तो चाचा मोहम्मद सालेह अकबर हैदरी असम के पूर्व राज्यपाल रहे. उनके नाना जे. रामेश्वर राव, वानापथी के राजा थे और हैदराबाद में निज़ाम के शाही दरबार के रईस थे.

यूं दिल्ली आई अदिति

अदिति राव हैदरी के पिता एहसान हैदरी और विद्या राव ने प्रेम विवाह किया था. पर दोनों का तलाक तब हुआ जब अदिति महज 2 साल की थी. बता दें कि विद्या राव मशहूर क्लासिकल सिंगर हैं. तलाक के बाद विद्या राव हैदराबाद से नई दिल्ली शिफ्ट हो गईं और उनके साथ ही अदिति भी. लिहाजा अदिति का बचपन हैदराबाद से लेकर नई दिल्ली तक बीता.

डांस, पढ़ाई, फिर एक्टिंग डेब्यू

6 साल की उम्र में अदिति राव हैदरी ने भरतनाट्यम सीखना शुरू कर दिया था. भरतनाट्यम में उस्ताद लीला सैमसन की शिष्या बन गईं. दिल्ली यूनिवर्सिटी के लेडी श्रीराम कॉलेज से ग्रेजुएशन के बाद अदिति की रुचि एक्टिंग की ओर बढ़ने लगी. वर्ष 2006 में उन्होंने मलयालम फिल्म 'प्रजापति' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की और 'दिल्ली 6' से बॉलीवुड डेब्यू किया.

कच्ची उम्र का प्यार और तलाक

सिविल सर्वेंट, लॉयर और एक्टर सत्यदीप मिश्रा के साथ महज 17 साल की उम्र में अदिति राव हैदरी को प्यार हो गया. वर्ष 2007 में 21 की उम्र में दोनों ने शादी रचा ली. इस शादी के बारे में अदिति ने जमाने को खबर तक नहीं लगने दी. शादी की खबरें कई बार सामने आईं, लेकिन एक्ट्रेस ने हमेशा इसे गलत ही बताया. 25 साल की उम्र में जब दोनों ने तलाक लिया तो एक इंटरव्यू के दौरान अदिति के मुंह से सच निकल ही गया और उन्होंने शादी से तलाक तक की बात बता दी.

फरहान-अधुना की तलाक करवाई!

तलाक के बाद अदिति का नाम कई से जुड़ा, पर किसी की भी पुष्टि उन्होंने नहीं की. वजीर को स्टार फरहान अख्तर के साथ उसके संबंध के खूब चर्चे हुए. खबर तो यहां तक थी कि अदिति और फरहान की नजदीकियां इतनी बढ़ गई थीं कि एक्टर की एक्स वाइफ अधुना ने तलाक का फैसला ले लिया था. मगर एक्ट्रेस ने इन सब खबरों को सिर्फ अफवाहें बताया था.

सिड-संग रोमानी बातें

बॉलीवुड के गलियारों में अदिति और सिद्धार्थ के प्यार के खूब चर्चे हैं. दोनों की पहली मुलाकात वर्ष 2021 में आई फिल्म महासमुद्रम की शूटिंग के दौरान हुई थी. फिल्म के रोमांटिक दृश्यों में अभिनय करते-करते जिंदगी में कब रोमांस घुल गया, शायद दोनों को ही नहीं पता चला. बहरहाल, पर्दे पर दोनों की केमेस्ट्री गजब की नजर आई थी. बाद में दोनों कई जगहों पर साथ-साथ स्पॉट किए गए. राजकुमार राव और पत्रलेखा की शादी में सिद्धार्थ और अदिति शामिल हुए थे. पिछले दिनों रेड कार्पेट पर साथ पोज देकर शायद उन्होंने अपने रिश्ते के बारे में जमाने को बताने की कोशिश ही की थी. बता दें कि 44 साल के सिद्धार्थ भी तलाकशुदा हैं और उनका तलाक वर्ष 2007 में हुआ था.

सिद्धार्थ का वह पोस्ट

पिछले साल अदिति के जन्मदिन पर सिद्धार्थ ने सोशल मीडिया पर जो पोस्ट किया, उसने पूरी कहानी बयां कर दी. सिद्धार्थ ने लिखा- "हैप्पी हैप्पी हैप्पी बर्थडे प्रिंसेस ऑफ हार्ट अदिति राव हैदरी. मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि आपके छोटे-बड़े और अनदेखे सारे सपने पूरे हो जाएं, हमेशा आपके लिए हूं." सिद्धार्थ ने अदिति राव हैदरी के साथ एक तस्वीर शेयर की थी जिसमें अदिति सिद्धार्थ के साथ कोजी लुक में नजर आ रही थीं.

वर्कफ्रंट पर अदिति

संजयलीला भंसाली की मच अवेटेड वेबसीरीज हीरामंडी में कई बड़े नामों के साथ अदिति राव हैदर भी नजर आएंगी .इसका पहला सीजन इस साल के अंत में आने की उम्मीद है. विजय सेतुपति के साथ गांधी टॉक्स नामक मूक फिल्म में भी अदिति नजर आएंगी. उनकी डेब्यू हॉलीवुड फिल्म लॉयनेस की शूटिंग भी परवान पर है.

चांद के साथ साथी का करेंगी दीदार

बॉलीवुड के नए-नवेले जोड़े करवा चौथ की तैयारी में हैं तो उनके फैंस उनके इस लुक के दीदार के लिए बेताब. एक नवंबर को करवा चौथ मनाया जाएगा. कियारा आडवाणी, सोनाली सहगल, अथिया शेट्टी और परिणीति चोपड़ा समेत कई एक्ट्रेसेस इस साल अपना पहला करवा चौथ मनाएंगी. **इनका है पहला करवा चौथ**

सबसे नई नवेली दुल्हन हैं परिणीति चोपड़ा. उन्होंने 24 सितंबर 2023 को ही आप सांसद राघव चड्ढा संग उदयपुर के होटल लीला पैलेस में शादी की है. शादी के तुरंत बाद का यह त्यौहार उनके लिए भी बेहद मायने रखता है.

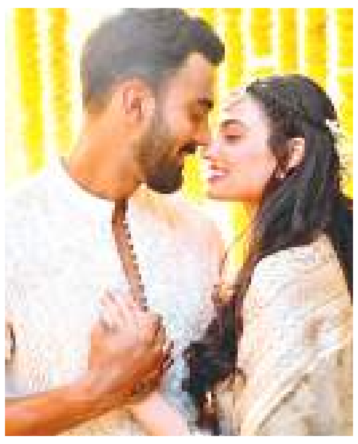

सुनील शेट्टी की बेटी और एक्ट्रेस अथिया शेट्टी ने 23 जनवरी, 2023 को क्रिकेटर केएल राहुल संग फेरे लिए थे. ऐसे में अथिया का यह पहला करवा चौथ होगा. 'खुदा हाफिज' फेम एक्ट्रेस शिवालिका ऑबेरॉय ने इसी साल फरवरी में फिल्म मेकर अभिषेक पाठक से संग शादी की थी. लिहाजा वे भी पहला करवा चौथ मनाएंगी.

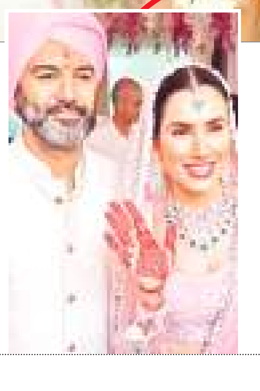

सोनाली सहगल ने 7 जून को बिजनसमैन बॉयफ्रेंड आशीष सजनानी के साथ सात फेरे लिए. यह उनका भी पहला करवा चौथ होगा.

स्वरा भास्कर का भी पहला करवा चौथ होगा. 16 फरवरी, 2023 को उन्होंने मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखने वाले व समाजवादी पार्टी के नेता फहद अहमद से शादी की थी. लेकिन जैसा कि समय-समय पर स्वरा ने जाहिर किया है, वे अब भी हिंदू संस्कृति के रीति-रिवाजों को अपनाती हैं. ऐसे में फैंस उनके करवाचौथ स्पेशल लुक को देखने के लिए बेताब हैं.

कियारा आडवाणी ने इसी साल 7 फरवरी को एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा संग जैसलमेर के सूर्यगढ़ में सात फेरे लिए थे. शादी के बाद यह एक्ट्रेस का पहला करवा चौथ होगा जब वे पति के लिए व्रत रखेंगी.

फिर खाकी में दिखेंगे बिग बी!

अपनी रिलीज़ के लगभग 20 साल बाद 'खाकी' का अब सीक्वल बन रहा है. राजकुमार संतोषी की सुपरहिट कॉप एक्शन ड्रामा फिल्म में एक बार फिर अमिताभ बच्चन अपने अंदाज से फैंस को फिदा करेंगे. इस फिल्म के सीक्वल का ऐलान हो चुका है. बता दें कि अमिताभ बच्चन, अजय देवगन, अक्षय कुमार, ऐश्वर्या राय बच्चन और तुषार कपूर स्टारर यह फिल्म 2004 में सिनेमाघरों में आई थी और सुपर हिट हुई थी.

इस फिल्म का निर्माण केशू रामसे ने किया था. उनके बेटे आर्यमन रामसे खाकी की सीक्कवल की पुष्टि की और कहा कि अगले साल फिल्म फ्लोर पर आएगी. बहरहाल स्क्रिप्ट लेवल पर काम किया जा रहा है. आर्यमन रामसे ने फिल्म की स्क्रिप्ट के बारे में ज्यादा खुलासा नहीं किया. कहा, बस इतना जान लीजिए कि यह एक ताजा कहानी है जो ओरिजनल फिल्म के आगे की बात बयां करेगी. जहां तक फिल्म के किरदारों की बात है, आर्यमन ने कहा, कि अक्षय कुमार, अजय देवगन, ऐश्वर्या राय आदि इस फिल्म में नजर नहीं आएंगे. दरअसल ये तीनों किरदार मूल फिल्म में मौत के गले लग गए थे. ऐसे में अमिताभ बच्चन और तुषार कपूर के साथ सीक्कवल बनाने की ख्वाहिश आर्यमन ने जाहिर की है. कुछ नई कास्टिंग भी करेंगे. बकौल आर्यमन, मेरी राजकुमार संतोषजी से बात हुई है और मैं उम्मीद करता हूं कि सीक्वल का निर्देशन वही करें.

भावुक कर देगी 12वीं फेल

साउथ की पुष्पा और केजीएफ जैसी फिल्मों के बीच 12वीं फेल एक बायोपिक पर आधारित फिल्म आई है जो जाहिर करती है कि हीरो और किरदार हमारे आस-पास ही हैं, इसके लिए हॉलीवुड या साउथ में भटकने की दरकार नहीं. बेहद भावुक कर देने वाली यह फिल्म अभाव के बीहड़ में ख्वाब पलने और बेहद कठिन परिस्थिति में उसके साकार होने की कहानी है. 12वीं फेल एक बायोपिक फिल्म है, आईपीएस अनुराग पाठक की कहानी जो उनकी इसी नाम की बेस्टसेलर किताब पर आधारित है. जिसमें, अपने बीहड़ों में पलने वाले बागियों के लिए चर्चित चंबल इलाके का 12वीं में फेल होने वाला लड़का, दिल्ली आकर यूपीएससी की परीक्षा पास करता है और पुलिस अफसर बनता है. "12वीं फेल" की कहानी आपको भावुक करते हुए संघर्ष का एक जज्बा दे जाती है.

फिल्म : 12वीं फेल
निर्देशक : विधु विनोद चोपड़ा
कलाकार: विक्रांत मैसी, प्रियांशु चटर्जी, मेधा शंकर, विकास दिव्यकीर्ति, अंशुमान पुष्कर, हरीश खन्ना आदि.

फिल्मों में प्रतिशोध में बंदूक उठा लेने की कहानी आपने कई बार देखी होगी, लेकिन चंबल से शुरू होने वाली यह कहानी इस मायने में अलग है कि हीरो यहां अपने ईमानदार पिता की नौकरी जाने, स्थानीय नेता द्वारा उसके और भाई की आजीविका छीन लेने पर भी बंदूक नहीं उठाता और न ईमानदारी छोड़ता है. ईमानदार पुलिस अफसर (प्रियांशु चटर्जी) से प्रेरणा दिल्ली जाकर यूपीएससी की तैयारी करता है और सफल होता है. दिल्ली में यूपीएससी परीक्षा की तैयारी करने वाले बच्चों के जीवन संघर्ष, उनकी जिजिविषा और सपनों को टूटते या पूरा होते निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा ने बेहद खूबसूरती से दिखाया है. मनोज के किरदार में विक्रांत मैसी रच बस गए हैं. पहले फ्रेम से लेकर अंत तक, विक्रांत ने किरदार को इतनी मजबूती के साथ पकड़कर रखा है कि आप उनके पूरे सफर में खुद को उनके साथ ही पाएंगे. गांव के मनोज का एक आला अधिकारी की ईमानदारी से प्रभावित होना, दिल्ली की भीड़ में खुद को गुम सा महसूस करना, मेहनत करने का असाधारण जज्बा रखना, रिश्तों में भरोसा जताना और सपनों को पूरा करने जिद करना.. आप हर कदम पर खुद को महसूस करेंगे. अन्य कलाकार भी बेहद प्रभावी हैं. गौरी भईया के किरदार में अंशुमान पुष्कर भावुक करते हैं, तो मनोज के पिता के रोल में हरीश खन्ना दिल पर छाप छोड़ जाते हैं. प्रियांशु चटर्जी, अनंत जोशी, मेधा शंकर ने भी कमाल के अभिनय किए हैं. फिल्म की पटकथा इतनी कसी हुई है कि पूरे फिल्म के दौरान ध्यान टिका रहता है. संवाद दमदार हैं. निर्देशन व तकनीकी पक्ष भी मजबूत है. बेहतरीन सिनेमेटोग्राफी फिल्म की खासियत है गांव- देहात के चित्रण में जितनी सहजता है, उतनी ही ग्वालियर व दिल्ली के मुखर्जी नगर की भी. फिल्म का संपादन जसकुंवर कोहली के साथ मिलकर विधु विनोद चोपड़ा ने किया है. हां संगीत के मामले में संभव है कि फिल्म आपको थोड़ा निराश करे.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

विश्व कप 2019 बाद ही संन्यास का फैसला ले लिया था : धौनी

भाषा ।मुंबई

न्यूजीलैंड के खिलाफ 2019 विश्व कप सेमीफाइनल में रन आउट होकर महेंद्र सिंह धोनी का पवेलियन लौटना भारतीय क्रिकेट के इतिहास के सबसे निराशाजनक पलों में से एक है . उस मैच में 18 रन से हारकर भारत के विश्व कप से बाहर होने के चार साल बाद धौनी ने खुलासा किया कि यही वह पल था जब उन्हें स्पष्ट हो गया कि उनका अंतरराष्ट्रीय कॅरियर खत्म हो गया है. मार्टिन गुप्टिल ने जब मैनचेस्टर में उस मैच में धौनी को रन आउट किया तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह धौनी का भारत के लिये आखिरी मैच है.

धौनी ने हाल ही में बेंगलुरू में एक कार्यक्रम में कहा कि एक करीबी मुकाबले में जज्बात पर काबू रखना मुश्किल होता है, खासकर जब आप हार गए हो. उन्होंने कहा कि मैने तय कर लिया था कि यह भारत के लिये बतौर क्रिकेटर मेरा आखिरी दिन है. उसके एक साल बाद मैने संन्यास की घोषणा की लेकिन मैने उसी दिन फैसला ले लिया था. उन्होंने कहा कि हमें फिटनेस पर नजर रखने के लिये मशीनें दी जाती थी और जब भी मैं ट्रेनर को इसे लौटाने जाता तो वह कहते कि अभी अपने पास रखो. अब मैं उनसे कैसे कहता कि मुझे इसकी जरूरत नहीं है और होगी भी नहीं. उस समय तक मैने संन्यास का ऐलान नहीं किया था.

भारतीय क्रिकेटरों ने किया अभ्यास शॉर्ट गेंदों पर गिल का फोकस

लखनऊ। इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप के मुकाबले से दो दिन पहले भारत के सात क्रिकेटरों ने यहां कड़ा अभ्यास किया और शुभमन गिल का फोकस शॉर्ट गेंदों पर रहा. इस साल पांच शतक जड़ चुके गिल डेंगू से उबरने के बाद से विश्व कप में उस लय में नहीं दिखे हैं. डेंगू के कारण वह पहले दो मैचों से बाहर रहे थे. उसके बाद से उन्होंने 26, 53 और 16 रन की पारियां खेली है. इस साल वनडे क्रिकेट में अब तक 1325 रन बना चुके गिल विश्व कप में अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल सके हैं. भारत को अगर अपना अजेय अभियान कायम रखना है तो गिल को बड़ी पारी खेलनी होगी. वैकल्पिक अभ्यास सत्र में ईशान किशन, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी और कुलदीप यादव ने भी भाग लिया. कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह टीम होटल में ही रहे.

विश्व कप : आत्मविश्वास से ओतप्रोत ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला आज

जीत की लय कायम रखना चाहेगा ऑस्ट्रेलिया

मैच सुबह 10.30 से धर्मशाला में खेला जाएगा

भाषा ।धर्मशाला

आत्मविश्वास से ओतप्रात ऑस्ट्रेलियाई टीम शनिवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ उतरेगी तो उसका लक्ष्य विश्व कप में उसके खिलाफ अपना शानदार रिकॉर्ड बरकरार रखने का होगा. मेजबान भारत और दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद लगातार तीन जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वापसी की है. पिछले मैच में उसने नीदरलैंड को 309 रन से हराकर विश्व कप में सबसे बड़ी जीत दर्ज की. पांच बार की चैंपियन टीम अंकतालिका में चौथे स्थान पर है जबकि न्यूजीलैंड तीसरे स्थान पर है. पैट कमिंस की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम जीत का सिलसिला बरकरार रखते हुए सेमीफाइनल का अपना दावा पुख्ता करना चाहेगी. ऑस्ट्रेलिया ने पिछले मैच में एक ईकाई के रूप में शानदार प्रदर्शन किया. उसने आठ विकेट पर 399 रन बनाये जो इस विश्व कप में तीसरा सर्वोच्च स्कोर था. पाकिस्तान के खिलाफ एक समय बिना किसी नुकसान के 254 रन बनाने के बाद बाकी 16 ओवर में उसने 108 रन पर नौ विकेट गंवा दिये वरना एक रिकॉर्ड और बन जाता.

इस विश्व कप में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में डेविड वॉर्नर (332 0रन) शीर्ष तीन में हें. मध्यक्रम में स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन ने भी अर्धशतक जड़े. ग्लेन मैक्सवेल ने सिर्फ 40 गेंद में टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ डाला हालांकि कैमरन ग्रीन अभी तक फॉर्म में नहीं दिखे हैं. मिचेल स्टार्क (सात विकेट) पिछले दो मैचों में लय में नहीं दिखे जबकि जोश हेजलवुड और कप्तान कमिंस ने भी छह छह विकेट ही लिये हैं. एडम जाम्पा ने डच टीम के खिलाफ चार विकेट चटकाये.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ न्यूजीलैंड का रिकॉर्ड खराब

न्यूजीलैंड खिताब के प्रबल दावेदारों में से है लेकिन द्विपक्षीय वनडे और विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसका रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है. विश्व कप में अब तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 11 मैचों में से उसने सिर्फ तीन जीते हैं. वहीं ऑस्ट्रेलिया ने उसके खिलाफ 141 वनडे में से 95 में जीत दर्ज की है. न्यूजीलैंड ने आखिरी बार वनडे में ऑस्ट्रेलिया को छह साल पहले 2017 में हराया था.

टीमें

न्यूजीलैंड : टॉम लैथम (कप्तान), डेवोन कॉनवे, विल यंग, मार्क चैपमैन, डेरिल मिशेल, जेम्स नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिशेल सेंटनर, ईश सोढी, टिम साउथी, ट्रेंट बोल्ट, लॉकी फर्ग्युसन और मैट हेनरी.

ऑस्ट्रेलिया : पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, एलेक्स कैरी, जोश इंगलिस, सीन एबॉट, एश्टन एगर, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा, मिशेल स्टार्क.

ईडन पर पहुंचा विश्व कप का कारवां, बांग्लादेश के सामने होगी डच चुनौती

भाषा ।कोलकाता

विश्व कप का कारवां अब ईडन गार्डंस पहुंच गया है जहां शनिवार को नीदरलैंड और बांग्लादेश सेमीफाइनल में पहुंचने की थोड़ी बहुत उम्मीदें बनाये रखने के लिये एक दूसरे के आमने सामने होंगे. खेलों को लेकर दीवानगी के लिये मशहूर शहर दुर्गापूजा के बाद अब क्रिकेट का उत्सव मनाने के लिये तैयार है. विश्व कप शुरू हुए 23 दिन और 27 मैच हो चुके हैं लेकिन ईडन पर यह पहला मुकाबला है. विश्व कप को लेकर यहां रोमांच हालांकि नजर नहीं आ रहा. इस मैदान पर भारत और दक्षिण अफ्रीका के मैच के अलावा दूसरा सेमीफाइनल भी होना है . बांग्लादेश और नीदरलैंड ने अब तक चार में से एक ही मैच में जीत दर्ज की है. बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को हराकर शानदार शुरूआत की थी लेकिन इसे बदकिस्मती कहें या रणनीति का अभाव, बाकी के मैचों में उसने लय खो दी. पूर्व चैंपियन इंग्लैंड, पिछले उपविजेता न्यूजीलैंड और मेजबान भारत के खिलाफ पिछले तीन मैचों में बांग्लादेश पूरी तरह नाकाम रहा. उसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने शाकिब अल हसन की टीम को करारी शिकस्त दी. टीम का मनोबल इस कदर गिर गया कि शाकिब को टूर्नामेंट के बीच में अपने बचपन के कोच नजमुल फहीम के साथ मिलकर कुछ तकनीकी मसले सुलझाने के लिये स्वदेश लौटना पड़ा.

- मैच दोपहर दो बजे से कोलकाता में खेला जाएगा
- सेफा. की उम्मीदें जीवित रखने के लिए भिड़ेगी दोनों टीमें

टीमें

नीदरलैंड : स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), मैक्स ओडोड, बास डी लीडे, विक्रम सिंह, तेजा निदामानुरू, पॉल वैन मीकेरेन, कॉलिन एकरमैन, रोलोफ वान डेर मर्व, लोगान वैन बीक, आर्यन दत्त, रेयान क्लेन, वेस्ली बारेसी, साकिब जुल्फिकार , शारिज अहमद और साइब्रांड एंजेलब्रेक्ट.

बांग्लादेश : शाकिब अल हसन (कप्तान), लिटन दास, तंजीद हसन तमीम, नजमुल हसन शंटो, तौहीद हृदय, मुशफिकुर रहीम, महमूदुल्लाह रियाद, मेहदी हसन मिराज, नासुम अहमद, महेदी हसन, तास्किन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, हसन महमूद, शरीफुल इस्लाम और तंजीम हसन साकिब.

हमें लगातार बेहतर प्रदर्शन करना होगा : एडवर्ड्स

नीदरलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर विश्व कप का सबसे बड़ा उलटफेर किया लेकिन इसके बाद उसकी टीम अच्छा खेल नहीं दिखा पाई और कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने शुक्रवार को कहा कि मैच जीतने के लिए उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा. एडवर्ड्स ने कहा कि मेरा मानना है कि हमने अभी तक इस टूर्नामेंट में अच्छी क्रिकेट खेली है लेकिन मैच जीतने के लिए हमने अभी तक जिस तरह का प्रदर्शन किया है उससे बेहतर प्रदर्शन करना होगा.

विश्व कप में तेज गेंदबाजों को मदद नहीं : तस्कीन

बांग्लादेश के गेंदबाज तस्कीन अहमद ने शुक्रवार को कहा कि इस विश्व कप में बल्लेबाजों की मददगार विकेट होने का उनकी टीम को खामियाजा भुगतना पड़ा है क्योंकि गेंदबाजों के प्रभावी नहीं होने का असर टीम के प्रदर्शन पर पड़ा है. तस्कीन ने कहा कि मैंने इस विश्व कप में देखा कि गेंदबाजों के लिये कुछ नहीं है. यह बल्लेबाजों का मददगार विकेट है.

हॉकी का महासंग्राम शुरू : उद्घाटन समारोह में शामिल हुए खेल मंत्री हफीजुल हसन, दर्शकों व खेल प्रेमियों की लगी लंबी कतार

रांची के जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम में एशियन महिला हॉकी का रंगारंग शुभारंभ

संवाददाता ।रांची

रांची में एशियन महिला हॉकी के महामुकाबले का उद्घाटन शुक्रवार को हुआ. झारखंड एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में हुई. उद्घाटन के मौके पर राज्य के खेल मंत्री हफीजुल हसन, विकास आयुक्त झारखंड अरुण कुमार सिंह, डीजीपी अजय कुमार सिंह, हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह मौजूद थे. स्टेडियम में काफी संख्या में दर्शक मौजूद रहे. रांची शहर पूरी तरह से एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के पोस्टर से पट चुका है. जोहार एशिया पोस्टर से स्टेडियम और स्टेडियम के आसपास का एरिया पटा नजर आ रहा है. सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है. पार्किंग के लिए मोरहाबादी मैदान में सुविधा मुहैया कराई गई है.

एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड की गाड़ियां स्टेडियम परिसर में मौजूद हैं. मैदान के बाहर सीएम हेमंत सोरेन का हॉकी स्टिक के साथ कट आउट लगाया गया है. स्टेडियम की क्षमता लगभग 10 हजार दर्शकों के बैठने की है. अगर कोई दर्शक स्टेडियम में मैच नहीं देख पाता है, तो उनके लिए मोरहाबादी के टाइम्स स्क्वायर में व्यवस्था की गई है. जहां लोग बड़े एलइडी स्क्रीन पर मैच का लुत्फ उठा सकते हैं. मैच का सीधा प्रसारण सोनी पर किया जा रहा है.

कोरिया ने चाइना को 1-0 से हराया

रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ में खेले जा रहे झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का दूसरा मुकाबला चाइना और कोरिया के बीच खेला गया. इस रोमांचक मुकाबले में एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट चाइना को 3 बार की एशियाई चैंपियन कोरिया ने 1-0 से मात दी. मैच की शुरुआत में झारखंड के वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव, हॉकी इंडिया के कोषाध्यक्ष एसजे मनोहरन, झारखंड में विकास आयुक्त मौजूद थे. चाइना और कोरिया के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले में चाइना को 10 पेनाल्टी कॉर्नर मिले. हालांकि चीन इसे गोल में बदल नहीं पाई. वहीं कोरिया को 18 वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर मिला, जिसे एएन सुजिन ने गोल में तब्दील कर 1-0 की बढ़त बनाई.

एकतरफा मुकाबले में जापान ने मलेशिया को 3-0 से हराया

महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के सातवें संस्करण का पहला मुकाबला जापान और मलेशिया के बीच खेला गया. इसमें 2 बार की चैंपियन जापान ने 3-0 मुकाबले से जीत दर्ज की. मुकाबले के पहले क्वार्टर से ही जापान की टीम ने आक्रामक खेल दिखाया और पहले 13 मिनट में 4 पेनाल्टी कॉर्नर हासिल किए. 13वें मिनट में जापान की ओगावा रिका ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर 1-0 से बढ़त दिलाई. दूसरे क्वार्टर में दोनों टीम गोल करने में असमर्थ रही. तीसरे क्वार्टर में 43वें मिनट में तोरियामा मई ने शानदार फील्ड गोल कर लीड को 2- 0 किया. मैच के 54वें मिनट में कोबायकवा शिहो ने गोल कर जापान को 3-0 से जीत दर्ज करने में मदद की. पूरे मैच के दौरान जापान को 11 पेनाल्टी कॉर्नर मिले और मलेशिया को 1 पेनाल्टी कॉर्नर मिला.

रीतिका बनी अंडर-23 विश्व चैंपियन, ज्योति भी फाइनल में पहुंची

तिराना (अल्बानिया), रीतिका हुडा 76 किग्रा स्पर्धा में अपनी खिताबी जीत के साथ शुक्रवार को यहां अंडर-23 विश्व चैंपियन बनने वाली दूसरी भारतीय और देश की पहली महिला पहलवान बन गईं जबकि एक अन्य भारतीय ज्योति बेरवाल ने 72 किग्रा के फाइनल में जगह बनाकर अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने की तरफ कदम बढ़ाए. रीतिका ने फाइनल में अमेरिका की केनेडी एलेक्सिस ब्लेड्स को 9-2 से हराया.

उन्होंने पिछले साल अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप और इस साल अप्रैल में सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीते थे. पुरुष फ्रीस्टाइल पहलवान अमन सहरावत (57 किग्रा) पिछले साल अंडर-23 विश्व चैंपियन बनने वाले पहले भारतीय थे. महिलाओं के 72 किग्रा में ज्योति ने क्वार्टर फाइनल में यूक्रेन की इतिना ज़बलोतस्का को 9-0 से और सेमीफाइनल में तुर्की की बुकरेनाज सर्ट को 7-0 से हराया. फाइनल में उनका मुकाबला अमेरिका की 19 वर्षीय अमित एलोर से होगा. उन्होंने भी ज्योति की तरह अभी तक चैंपियनशिप में एक भी अंक नहीं गंवाया है. भारत की तीन पहलवान कांस्य पदक जीतने की दौड़ में हैं.

विश्व कप 2023 में हुए सबसे अधिक उलटफेर, इंग्लैंड दो बार बना शिकार

आकर्ष अनिकेत ।रांची

विश्व कप 2023 अभी अपने शुरुआती दौर से कुछ ही आगे बढ़ा है और अब तक टूर्नामेंट में कई बड़े उलटफेर हो चुके हैं. इस विश्व कप में अधिक उठापटक देखने को मिले हैं. गत चैंपियन इंग्लैंड की स्थिति इस विश्व कप में काफी खराब है और टीम को दो बार उलटफेर का सामना करना पड़ा है. इंग्लैंड को इस टूर्नामेंट में अफगानिस्तान और श्रीलंका के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा है,.विश्व कप 2023 में अब तक कुल चार बड़े उलटफेर हो चुके हैं. इससे पहले 1999 विश्व कप में तीन बड़े उलटफेर हुए थे, जहां भारत को भी जिम्बाब्वे के हाथों हार का सामना करना पड़ा था.

विश्व कप भारत भी हो चुका है उलटफेर का शिकार

विश्व कप के इतिहास में भारत भी दो बार बड़े उलटफेर का शिकार हो चुका है. भारत के साथ पहला बड़ा उलटफेर 1999 में जिम्बाब्वे ने किया था, वहीं 2007 में बांग्लादेश की टीम ने भारत को हरा दिया था.

विश्व कप इतिहास के सबसे बड़े उलटफेर

1983	जिम्बाब्वे बनाम ऑस्ट्रेलिया	ऑस्ट्रेलिय 13 रन से हारा
1996	वेस्टइंडीज बनाम केन्या	वेस्टइंडीज 7 विकेट से हारा
1999	भारत बनाम जिम्बाब्वे	भारत 3 रन से हारा
1999	दक्षिण अफ्रीका बनाम जिम्बाब्वे	दक्षिण अफ्रीका 48 रन से हारा
1999	पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश	पाकिस्तान 62 रन से हारा
2003	श्रीलंका बनाम केन्या	श्रीलंका 55 रन से हारा
2007	बांग्लादेश बनाम भारत	भारत 5 विकेट से हारा
2007	आयरलैंड बनाम पाकिस्तान	पाकिस्तान 3 विकेट से हारा
2011	इंग्लैंड बनाम आयरलैंड	इंग्लैंड 3 विकेट से हारा
2015	आयरलैंड बनाम वेस्टइंडीज	वेस्टइंडीज 4 विकेट से हारा

विश्व कप 2023 के बड़े उलटफेर

इंग्लैंड बनाम अफगानिस्तान	अफगानिस्तान ने 69 रनों से जीत दर्ज की
पाकिस्तान बनाम अफगानिस्तान	अफगानिस्तान 8 विकेट से जीता
दक्षिण अफ्रीका बनाम नीदरलैंड	नीदरलैंड 38 रन से जीता
इंग्लैंड बनाम श्रीलंका	श्रीलंका ने इंग्लैंड को 8 विकेट से हराया

दो स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी शीतल

एशियाई पैरा खेलों

भाषा।हांगझोउ

भुजाहीन तीरंदाज शीतल देवी एशियाई पैरा खेलों में एक ही सत्र में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई, जिससे भारत के पदकों की संख्या 99 पर पहुंच गई. भारत ने शुक्रवार को सात स्वर्ण सहित 17 पदक जीते, जिसमें बैडमिंटन खिलाड़ियों ने सबसे अधिक आठ (चार स्वर्ण के साथ) पदकों का योगदान दिया. एशियाई पैरा खेलों में एक दिन शेष बचा है तब भारत 25 स्वर्ण, 29 रजत और 45 कांस्य के साथ चीन (196 स्वर्ण, 159 रजत, 138 कांस्य), जापान (39, 44, 56), ईरान (39, 39, 37), कोरिया (28, 30, 37) और इंडोनेशिया (26, 21, 32) के बाद छठे स्थान पर है.

शुक्रवार को नई दिल्ली में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बिशन सिंह बेदी के कीर्तन और अंतिम अरदास के दौरान उनके परिवार के सदस्यगण, रिश्तेदार और उनकी बहू अभिनेत्री नेहा धूपिया (बाएं). फोटोः पीटीआई

आओ जानें

2024 में 113 मिलियन लोग वैश्विक मध्यम वर्ग में शामिल होंगे

भारत	33 मिलियन	ब्राज़ील	1 मिलियन
चीन	31 मिलियन	मेक्सिको	1 मिलियन
इंडोनेशिया	5 मिलियन	लैटिन अमेरिका में अन्य	4 मिलियन
बांग्लादेश	5 मिलियन		
वियतनाम	4 मिलियन	शेष विश्व	5 मिलियन
पाकिस्तान	3 मिलियन		
फिलीपींस	2 मिलियन		
तुर्किये	1 मिलियन		
थाईलैंड	1 मिलियन		
एशिया में अन्य	6 मिलियन		
मिस्र	2 मिलियन		
नाइजीरिया	1 मिलियन		
अफ्रीका में अन्य	7 मिलियन		

*विश्व डेटा लैब द्वारा मध्यम वर्ग को ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया गया है, जो प्रति दिन कम से कम $12 खर्च करता है (2017 क्रय शक्ति समता में मापा गया), ये व्यक्ति आम तौर पर एशिया और अफ्रीका जैसे विकासशील क्षेत्रों में बढ़ रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

मछुआरों की रिहाई सुनिश्चित करे केंद्र

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम सांसद कनिमोई ने शुक्रवार को केंद्र से मालदीव के अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर उनकी जलसीमा में अवैध रूप से दाखिल होने के आरोप में गिरफ्तार तमिलनाडु के 12 मछुआरों की रिहाई सुनिश्चित करने की अपील की. द्रमुक सांसद ने कहा कि दक्षिणी तूतुक्कुडि (पूर्व में तूतीकोरिन) जिले के थरुवाइकुलम के रहने वाले मछुआरे दक्षिणी अरब सागर में मछली पकड़ने गए थे और 20 अक्टूबर को उन्हें तूफान आने की चेतावनी मिली.

शशि थरूर के भाषण को लेकर विवाद

तिरुवनंतपुरम। केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे के प्रमुख घटक दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग द्वारा आयोजित फलस्तीन एकजुटता रैली में कांग्रेस कार्यकारी समिति के सदस्य शशि थरूर के भाषण को लेकर विवाद पैदा हो गया है. उन्होंने इस रैली में इजराइल पर सात अक्टूबर को हुए हमले को आतंकवादी कृत्य बताया था. मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता और पूर्व विधायक एम स्वराज ने आरोप लगाया कि थरूर की कुछ टिप्पणियां इजराइल समर्थक थीं.

चीन के विदेश मंत्री अमेरिका की यात्रा पर

वाशिंगटन। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने अपने अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन से गुरुवार दोपहर को मुलाकात की. उनके अमेरिका की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान राष्ट्रपति जो बाइडन समेत कई अहम अमेरिकी नेताओं एवं अधिकारियों से मिलने की संभावना है. ऐसा माना जा रहा है कि यह यात्रा बाइडन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच शिखर वार्ता का आधार बनकर अमेरिका और चीन के संबंधों को स्थिर करने में मददगार हो सकती है.

इमरान खान की याचिकाएं खारिज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने गोपनीय दस्तावेजों को लीक करने और देश के कानूनों का उल्लंघन करने के आरोप में पहली प्राथमिकी रद्द करने तथा जमानत दिए जाने का अनुरोध करने वाली देश के पूर्व पीएम इमरान खान की याचिकाएं शुक्रवार को खारिज कर दीं. खान को पिछले साल मार्च में वाशिंगटन में देश के दूतावास द्वारा भेजे एक गोपनीय राजनयिक दस्तावेज का खुलासा करने के लिए उनके खिलाफ एक मामला दर्ज किए जाने के बाद अगस्त में गिरफ्तार किया गया था.

एप्पल-गूगल जैसी बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां देश में विनिर्माता बनने को तैयार

2014 तारीख नहीं बदलाव था : मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए साल 2014 को सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि 'बदलाव' करार दिया. उन्होंने कहा कि तब लोगों ने पुरानी हो चुकी स्क्रीन वाले फोन की तरह तत्कालीन सरकार को खारिज कर दिया और उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार को मौका दिया. मोदी ने यहां 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस' में अपने संबोधन में आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि कैसे भारत आयातक से मोबाइल फोन का निर्यातक बन गया है और एप्पल से लेकर गूगल तक बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां देश में विनिर्माता बनने के लिए तैयार हैं. उन्होंने कहा कि साल 2014 एक तारीख नहीं है, बल्कि 'बदलाव' है. 2014 के पहले भारत के पास कुछ सौ स्टार्ट अप थे लेकिन, अब यह संख्या एक लाख के आसपास पहुंच गई है.

मोदी ने उन दिनों की याद दिलाते हुए कहा कि तब 'आउटडेटेट फोन' की स्क्रीन घड़ी-घड़ी हैंग हो जाती थी और चाहे आप स्क्रीन को कितना भी स्वाईप कर लें या चाहे कितने भी बटन दबा लें, कुछ असर होता ही नहीं था. और ऐसी ही स्थिति उस समय सरकार की भी थी. उस समय भारत की अर्थव्यवस्था, या कहें कि तब की सरकार ही, हैंग मोड में थी. हालत इतनी खराब थी कि रीस्टार्ट करने से कोई फायदा नहीं था. बैटरी चार्ज करने में भी फायदा नहीं था और बैटरी बदलने में भी फायदा नहीं था. प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि 2014 में लोगों ने ऐसे आउटडेटेड फोन को छोड़ दिया और अब हमें सेवा करने का अवसर दिया. इस बदलाव से क्या हुआ, वह भी साफ दिखता है. उन्होंने कहा कि सबसे तेज 5जी मोबाइल टेलीफोन नेटवर्क शुरू करने के बाद भारत 6जी के क्षेत्र में खुद को अग्रणी के रूप में स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है. प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया 'मेड इन इंडिया' फोन का इस्तेमाल कर रही है. उन्होंने कहा कि मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड के मामले में भारत 118वें स्थान से 43वें स्थान पर पहुंच गया है और 5जी सेवा शुरू होने के एक साल के भीतर चार लाख 5जी बेस स्टेशन स्थापित किए गए हैं. प्रधानमंत्री ने कहा कि नागरिकों को पूंजी तक पहुंच, संसाधनों तक पहुंच और प्रौद्योगिकी तक पहुंच प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है.

इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2023 के दौरान संबोधित करते पीएम मोदी.

'इंफेंट्री दिवस' पर पीएम ने सैन्यकर्मियों को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को 'इंफेंट्री दिवस' पर सैनिकों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी अथक चौकसी और बेजोड़ वीरता समय की हर कसौटी पर खरी उतरी है. उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इंफेंट्री दिवस के अवसर पर भारतीय सेना के सभी कर्मियों को शुभकामनाएं. यह हमारी पैदल सेना के अथक साहस और दृढ़ता का सम्मान करने का दिन है. उनका हर प्रयास हमारे देश की सुरक्षा और संप्रभुता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है. उनकी अथक चौकसी और बेजोड़ वीरता समय की कसौटी पर खरी उतरी है. पैदल सैन्य टुकड़ी (इंफेंट्री) भारतीय सशस्त्र बलों का एक अहम अंग है। देश की सुरक्षा में इसका अहम योगदान है.

मोदी उवाच

- 2014 से पहले की सरकार हैंग मोड में थी
- 2014 के पहले भारत के पास कुछ सौ स्टार्ट-अप थे
- 2014 में लोगों ने आउटडेटेड फोन को छोड़ दिया

मोदी की लोगों से अपील, मिले उपहारों की नीलामी में हों शामिल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को देशवासियों का आह्वान किया कि वे उन्हें मिले विभिन्न उपहारों और स्मृति चिह्नों की नीलामी में शामिल हों और बोली लगाएं. यह नीलामी दो अक्टूबर को शुरू हुई थी, जो 31 अक्टूबर को समाप्त होगी. नीलामी के लिए इन वस्तुओं को राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय में रखा गया है. मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मुझे पिछले कुछ वर्षों में मिले स्मृति चिह्नों की नीलामी को मिल रही भारी प्रतिक्रिया से वास्तव में उत्साहित हूं. जैसा कि आप जानते हैं, इससे होने वाली आय नमामि गंगे को समर्पित है. मैं सभी को इसमें शामिल होने और मुझे प्राप्त कुछ स्मृति चिन्हों के लिए बोली लगाने के लिए प्रोत्साहित करता हूं.

नीलामी में शामिल वस्तुएं

नीलामी में शामिल वस्तुओं में रामदरबार की प्रतिमा, अमृतसर के स्वर्णमंदिर का मॉडल, कामधेनु और यरूशलम की स्मारिका, भगवान लक्ष्मी नारायण विट्ठल, देवी रुक्मिणी, अरणमूला कन्नडी, भगवान राम, सीता, लक्ष्मी और हनुमान की कांस्य प्रतिमा भी लोकप्रिय सामान में प्रमुख हैं. मोढेरा का सूर्य मंदिर, चितौड़गढ़ के विजय स्तंभ की प्रतिकृतियां, चंबा रूमाल, वाराणसी के घाट को दर्शाने वाली पेंटिंग उन 912 सामान में शामिल हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री को मिले उपहारों और स्मृतिचिह्नों की ई-नीलामी के नवीनतम दौर में शामिल किया गया है.

धन शोधन मामले में प. बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक गिरफ्तार

भाषा। कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल में कई करोड़ रुपये के कथित राशन वितरण घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में राज्य के मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक को गिरफ्तार कर लिया है. केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि मंत्री को 17-18 घंटे से अधिक की पूछताछ के बाद शुक्रवार को तड़के धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया गया. मलिक को तड़के साढ़े तीन बजे कोलकाता के बाहरी इलाके में स्थित सॉल्ट लेक में उनके आवास से यहां केंद्रीय एजेंसी के कार्यालय लाया गया. उन्हें एक स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा जहां ईडी उनकी हिरासत का अनुरोध करेगा. मलिक मधुमेह के रोगी हैं और उन्हें कई अन्य बीमारियां भी हैं.

खास बातें

- अदालत में ईडी मलिक के हिरासत का करेगा अनुरोध
- मलिक का किया जा रहा है चिकित्सकीय परीक्षण

उन्हें कोलकाता के दक्षिणी भाग में जोका के एक ईएसआई अस्पताल ले जाया गया जहां उनका चिकित्सकीय परीक्षण किया जा रहा है. ईडी के एक अधिकारी ने कहा कि राज्य के मंत्री की चिकित्सकीय जांच की जा रही है. यह नियमित जांच है. हम उन्हें स्थानीय अदालत ले जाएंगे जहां हम उनकी हिरासत का अनुरोध करेंगे. कथित राशन वितरण घोटाला से संबंधित मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद तृणमूल कांग्रेस के मंत्री ने कहा कि मैं बहुत बड़ी साजिश का शिकार हुआ हूं.

3,000 मासूमों की हत्या हुई, कब जागेगी इंसानियत : प्रियंका गांधी

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गाजा में इजराइल की बमबारी में बच्चों समेत हजारों नागरिकों के मारे जाने पर दुख जताते हुए शुक्रवार को कहा कि हर अंतरराष्ट्रीय कानून कुचला गया है. उन्होंने यह सवाल भी किया कि आखिर इंसानियत कब जागेगी? प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि गाजा में 7,000 मनुष्यों की हत्या के बाद भी रक्तपात और हिंसा का दौर थमा नहीं. इन 7,000 लोगों में से 3,000 मासूम बच्चे थे. उन्होंने दावा किया, कोई ऐसा अंतरराष्ट्रीय कानून नहीं, जिसे कुचला न गया हो. कोई ऐसी मर्यादा नहीं, जिसे तार-तार न किया गया हो. कोई ऐसा कायदा नहीं, जिसकी धज्जियां न उड़ी हों. उन्होंने सवाल किया कि इंसानियत कब जागेगी? कितनी जानों के जाने के बाद. कितने बच्चों की बलि के बाद. क्या मनुष्य होने की चेतना बची है?

नए विश्वास और उम्मीदों के साथ नए युग में प्रवेश कर रहा है भारत

नए विधेयक जल्द पारित होंगे : शाह

भाषा। हैदराबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के स्थान पर तीन नए विधेयक संसद द्वारा जल्द ही पारित किए जाएंगे. यहां सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीसी) के कैडेट की पासिंग आउट परेड के मौके पर शाह ने कहा कि भारत अंग्रेजों के शासन के दौरान बनाए गए कानूनों को खत्म कर रहा है और नए विश्वास और उम्मीदों के साथ नए युग में प्रवेश कर रहा है.

उन्होंने कहा कि गृह मामलों पर संसद की स्थायी समिति तीन नए विधेयकों का अध्ययन कर रही है और उन्हें जल्द ही पारित किया जाएगा. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नए कानूनों का उद्देश्य लोगों के अधिकारों की रक्षा करना है. शाह ने कहा कि महिला आईपीएस कैडेट की संख्या बढ़ रही है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश महिला नीत विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है.

बोले शाह

- नए कानूनों का उद्देश्य अधिकारों की रक्षा करना है
- अंग्रेजी शासन के दौरान बनाए गए कानून खत्म होंगे

ईरान समर्थित संदिग्ध समूहों को निशाना बनाना चाहता था अमेरिका

अमेरिकी ने किया ईरान से जुड़े ठिकानों पर हमला

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के लड़ाकू विमानों ने पूर्वी सीरिया में ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) से जुड़े दो ठिकानों पर शुक्रवार को तड़के हवाई हमले किए. पेंटागन ने यह जानकारी दी. ये हवाई हमले क्षेत्र में गत सप्ताह अमेरिकी सैन्य अड्डों और कर्मियों पर किए ड्रोन तथा मिसाइल हमलों के जवाब में किए गए. अमेरिका के हवाई हमले, क्षेत्र में नाजुक संतुलन बनाए रखने के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दृढ़ संकल्प को दर्शाते हैं. अमेरिका, उस पर हमला करने वाले ईरान समर्थित संदिग्ध समूहों को निशाना बनाना चाहता था ताकि भविष्य में ऐसे हमलों को रोका जा सके. ये हमले ऐसे वक्त में किए गए जब इजराइल ने हमास के खिलाफ युद्ध छेड़ रखा है. अमेरिकी सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, दो एफ-16 लड़ाकू विमानों ने बोउकमाल के समीप, आईआरजीसी से जुड़े हथियार तथा गोला बारुद के भंडार पर हमले किए. उन्होंने बताया कि ठिकाने पर ईरान समर्थित मिलिशिया और आईआरजीसी के कर्मी थे और कोई नागरिक नहीं था लेकिन, अमेरिका के पास अभी हताहतों या नुकसान की कोई जानकारी नहीं है.

खास बातें

- आईआरजीसी से जुड़े बारुद के भंडार पर किया हमला
- ईरान समर्थित संदिग्ध समूहों को निशाना बनाया गया

हमलों का मकसद संघर्ष विस्तार नहीं

वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने बताया कि इन हवाई हमलों का मकसद क्षेत्र में संघर्ष का विस्तार करना नहीं बल्कि ईरान को मिलिशिया समूहों को अमेरिकी अड्डों तथा कर्मियों पर हमले न करने का निर्देश देने के लिए मजबूर करना है. पेंटागन के अनुसार, आतंकवादी हमलों में घायल हुए अमेरिका के सभी सैन्य कर्मियों को मामूली चोटें आयी और वे सभी ड्यूटी पर लौट गए हैं. अमेरिकी अधिकारियों ने सीरिया और इराक में हाल के कई हमलों का संबंध गाजा में हिंसा से नहीं बताया है लेकिन ईरानी अधिकारियों ने इजराइल को हथियार मुहैया कराने के लिए अमेरिका की खुलकर आलोचना की है.

हमला | सीमाई इलाकों में रहने वाले कई परिवार देर रात अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए थे

जम्मू में सीमा पार से की जा रही गोलीबारी रुकी, घर लौटने लगे लोग

भाषा। जम्मू

जम्मू जिले के अरनिया और आरएस पुरा सेक्टरों में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी रेंजर और बीएसएफ जवानों के बीच रुक-रुक कर हो रही गोलीबारी शुक्रवार को तड़के समाप्त हो गई. पाकिस्तानी रेंजर की ओर से, बिना किसी उकसावे के, की गई गोलीबारी के बाद सीमाई इलाकों में रहने वाले कई परिवार देर रात अपना घर छोड़कर चले गए थे, जिन्होंने अब घर लौटना शुरू कर दिया है. अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर पांच भारतीय चौकियों को निशाना बनाकर गुरुवार रात को सीमा पार से की गई गोलीबारी में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का एक जवान और एक आम नागरिक घायल हो गया.

खास बातें

- बीएसएफ ने गोलीबारी का दिया मुंहतोड़ जवाब
- गोलीबारी में बीएसएफ के दो जवान घायल

बीएसएफ ने इस गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया. बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीमा पार से गोलीबारी रुक गई है. अब शांति है. उन्होंने कहा कि गुरुवार रात को गोलीबारी में बीएसएफ के दो जवान और एक महिला घायल हो गई थी, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. एक जवान को जम्मू में जीएमसी अस्पताल भेजा गया है. बीएसएफ जवानों की पहचान कर्नाटक के बसवराज एसआर और शेर सिंह के रूप में हुई है. महिला की पहचान अरनिया निवासी रजनी बाला के रूप में हुई.

गोलीबारी में बीएसएफ के दो जवान घायल.

गोलीबारी करीब सात घंटे तक जारी रही

बीएसएफ ने कहा कि जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास भारतीय चौकियों और आम नागरिकों के इलाकों को निशाना बनाकर बिना किसी उकसावे के, सीमा पार पाकिस्तान रेंजर की ओर से की गई गोलीबारी करीब सात घंटे तक जारी रही. पाकिस्तान रेंजर ने मोर्टार दागे और भारी मशीन गन का इस्तेमाल किया. फिलहाल, जम्मू जिले के अरनिया और आरएस पुरा सेक्टरों में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी रेंजर और बीएसएफ जवानों के बीच रुक-रुक कर हो रही गोलीबारी शुक्रवार तड़के समाप्त हो गई.

यह दूसरा संघर्ष विराम का उल्लंघन है

अक्टूबर में यह दूसरा संघर्ष विराम उल्लंघन है. 19 अक्टूबर को अरनिया सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास विक्रम चौकी पर पाकिस्तान रेंजर द्वारा की गई गोलीबारी में बीएसएफ के दो जवान घायल हो गए थे. भारत और पाकिस्तान ने 25 फरवरी, 2021 को एक युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें दोनों देश जम्मू-कश्मीर और अन्य क्षेत्रों में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर युद्धविराम को लेकर सभी समझौतों का सख्ती से पालन करने के लिए सहमत हुए थे.

ट्रेडिशनल लुक में नजर आईं कृति

शुक्रवार को मुरादाबाद में एक आभूषण शोरूम का उद्घाटन करने पहुंचीं अभिनेत्री कृति सेनन. फोटोःपीटीआई

छत्तीसगढ़ : निस्तेज भाजपा से हिंदुत्व भी छीन लिया बघेल ने

पंकज मुकाती
वरिष्ठ पत्रकार, रायपुर

छत्तीसगढ़ में पहले चरण के मतदान में सिर्फ 10 दिन शेष हैं. मुकाबला हमेशा की तरह कांग्रेस और भाजपा के बीच ही है. कांग्रेस में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अभी भी चेहरा बने हुए हैं. भाजपा ने स्थानीय स्तर पर कोई चेहरा आगे नहीं किया है. एक तरह से चुनाव सुपर पावर नरेंद्र मोदी के चेहरे और भरोसे पर ही लड़ा जा रहा है. पिछले साल राज्य की 90 सीटों में से भाजपा केवल 15 जीत पाई थी. पांच साल बाद भी भाजपा कोई बड़ा अभियान सत्ता के खिलाफ खड़ा नहीं कर पाई है. कांग्रेस में बघेल और उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के बीच छिड़ी लड़ाई का भी भाजपा कोई लाभ नहीं उठा पाई. कुल मिलाकर राज्य में सत्ता विरोधी कोई मुद्दा उठाने में भाजपा पूरी तरफ विफल दिखाई दे रही है.

भाजपा की आक्रामक चुनावी रणनीति इस राज्य में दिखाई नहीं दे रही है. कारण, राज्य के भाजपा नेता खुद ऐसे कोई भी मुद्दे उठाने ने बचते हैं. सभी बड़े नेताओं को डर है कि यदि भूपेश बघेल सरकार के खिलाफ मुद्दा उठाया, तो उनके कार्यकाल की फाइलें खुल सकती हैं. ऐसे भाजपा के स्थानीय नेता भ्ष्टाचार के मामलों में ज्यादा बोलते नहीं दिखते. एक तरह से छोटे राज्यों में खामोशी की दोस्ती का रिवाज ही बन गया है. दूसरे राज्यों की तरह यहां भी केंद्रीय एजेंसियां सक्रिय रहीं. मुख्यमंत्री की करीबी सौम्या चौरसिया अवैध खनन के मामले में अंदर हैं. इसके अलावा महादेव सट्टा एप पर भी केंद्रीय एजेंसियां

छापामारी करती रही हैं. दोनों ही मुद्दे जनता से सीधे पूरी तरह से घेर नहीं पा रही.

भाजपा पर एक नजर

- 4 सांसदों को टिकट, 11 विधायकों को दुबारा उतारा
- **31 ओबीसी वर्ग से टिकट दिए गए हैं. ओबीसी में कुल 11 साहू**
- 90 सीटों में से 15 सीटों पर भाजपा ने महिलाओं को टिकट दिया है.
- **90 में से 48 कैंडिडेट ऐसे हैं, जो पहली बार चुनाव मैदान में होंगे.**
- राज्य में 58 सीटों पर महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक है.
- **कुल मतदाताओं में भी महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक है**

अब तक मुख्यमंत्री के चेहरे पर चुनाव लड़ने वाली भाजपा ने यहां कोई चेहरा सामने नहीं रखा है. भाजपा के सभी मुद्दों को कांग्रेस ने एक -एक कर पांच साल में निस्तेज या खत्म कर दिया. हिंदुत्व के मुद्दे पर बघेल ज्यादा सक्रिय हैं. गौशाला को पैसा, गोबर खरीदी जैसे अभियान शुरू कर कांग्रेस ने भाजपा से हिंदुत्व का बड़ा मुद्दा छीन लिया. राम मंदिर के जवाब में कांग्रेस ने यहां राम वनगमन पथ और कौशल्या माता मंदिर को आगे कर दिया है. इन दोनों योजनाओ के जरिए कांग्रेस ने भाजपा को मुद्दा विहीन कर दिया है. कुल मिलाकर भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ में संगठित ढंग से चुनाव लड़ती नहीं दिख रही. रणनीति से लेकर प्रत्याशी चयन तक में बिखराव साफ दिखता है. टिकट वितरण ने ये साफ संकेत दिया कि पार्टी हार के डर से बाहर नहीं आ पा रही है. रमन सिंह मंत्रिमंडल से पुराने, थके हुए चेहरों को टिकट दिया गया है. पिछले चुनाव में हारे और पुराने मंत्रियों को टिकट देकर सेफ गेम की कोशिश है. कुल 48 पुराने चेहरे हैं. कई सीटों पर भारी विरोध वाले प्रत्याशियों को भी टिकट मिल गया है. इस बार भी देखा जाए तो पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह की टिकट वितरण में पूरी तरह चली है. उन्होंने केवल पिछला मंत्रिमंडल रिपीट किया है, बल्कि अपने रिश्तेदारों में भांजे को भी टिकट दिला दिया है. वही ऐसे विधायक रिपीट हुए, जो पिछली बार हार गए थे. एक तरह से भाजपा ने जनता और कार्यकर्ताओं दोनों से नाराजगी मोल ले ली है. चार सांसदों को टिकट देकर पार्टी ने विधानसभा में सीटें बढ़ाने की रणनीति बनाई है. पर ये फैसला कितना काम करेगा, परिणाम के बाद ही पता चलेगा. फिलहाल तो बड़े नेताओं को टिकट मिलने से बरसों से काम कर रहे स्थानीय कार्यकर्ता -नेताओं में नाराजगी बढ़ती दिखाई दे रही है. भाजपा हमेशा की तरह शहरी इलाकों में बढ़त लेती दिख रही है. यहां पर मोदी और भाजपा का वोट बैंक है. इसके अलावा महादेव सट्टा ऐप और खनन घोटाला जैसे मुद्दे शहरी इलाकों में भाजपा को आगे रखते दिख रहे हैं. किसानों और आदिवासियों का बहुत भरोसा भाजपा हासिल करती नहीं दिख रही या यूं कहिए कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने धान खरीदी और कर्ज माफी के जरिये किसानों और आदिवासियों पर अपनी पकड़ मजबूत की है. जातिवादी नजरिये से भी देखें, तो भाजपा की रणनीति में बहुत से छेद दिखते हैं. गुजराती और सिंधी समाज से एक भी टिकट पार्टी ने इस बार नहीं दिया है. इसके पहले के चुनावों में इनका प्रतिनिधित्व रहा है. कुल मिलाकर यदि कोई बड़ा परिवर्तन नहीं होता है, तो छतीसगढ़ में भाजपा सरकार बना लेगी, ऐसा फिलहाल बिलकुल भी नहीं कहा जा सकता.

मध्य प्रदेश : बागी बिगाड़ रहे भाजपा-कांग्रेस का खेल

राजकुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार, भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारे के बाद से ही भाजपा और कांग्रेस में घमासान मचा है. कई सीटों पर घोषित प्रत्याशियों का विरोध खुलेआम हो रहा है. कुछ सीटों पर तो दोनों दलों में खुली बगावत हो रही है. जिसके बाद कांग्रेस ने अपनी दूसरी लिस्ट में तीन सीटों पर, फिर चौथी लिस्ट में चार सीटों पर प्रत्याशी बदले हैं. कई नेता सपा, बसपा, आप से चुनाव लड़ रहे हैं. वहीं भाजपा से इस्तीफा देने वाले विधायक नारायण त्रिपाठी ने अपनी नई पार्टी विन्ध्य जनता पार्टी (वीजेपी) से 25 प्रत्याशी मैदान में उतार दिए हैं. खुद वे मैहर से चुनाव लड़ेंगे. त्रिपाठी ने कहा मप्र की 230 सीटों में से 40 विधानसभा क्षेत्रों में वीजेपी अपने उम्मीदवार उतारेगी. दोनों पार्टियों को चिंता है कि बागी उनका खेल बिगाड़ सकते हैं. 2018 में ऐसा हो भी चुका है. तब भाजपा- कांग्रेस के 25 से ज्यादा नेता पार्टी के खिलाफ मैदान में उतरे थे. पांच सीटों पर भाजपा के दिग्गज चुनाव हार गए थे और कांग्रेस को 7 सीटों पर मात मिली थी.

दूसरे दलों से चुनाव लड़ने का ऐलान : मप्र की 230 सीट वाले विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही दलों से लगभग 75 नेताओं ने बागी होकर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है. इनमें निवाड़ी से भाजपा के नंदराम कुशवाहा, शुजालपुर से कांग्रेस के योगेंद्र सिंह बंटी बना, जावरा सीट से करणी सेना प्रमुख जीवन सिंह शेरपुर का नाम

विन्ध्य क्षेत्र से नारायण त्रिपाठी ने बनायी पार्टी, उतारे 25 प्रत्याशी

शामिल हैं. इसी तरह दो बार विधायक रहीं रेखा यादव बिजावर सीट से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ सकती है. मल्हारगढ़ प्रत्याशी परशुराम सिसोदिया के विरोध में कई कार्यकर्ताओं ने भोपाल पहुंचकर विरोध जताया. निवाड़ी विधानसभा सीट से टिकट की दावेदारी कर रहे शिवराज सरकार में दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री नंदराम कुशवाहा निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे. उन्होंने यूपी के झांसी जिले के बरुआसागर कस्बे में एक मैरिज गार्डन में कुशवाहा समाज की बैठक बुलायी. इसमें उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया.

छतरपुर जिले की बड़ामलहरा सीट से दो बार विधायक रहीं रेखा यादव बिजावर सीट से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ सकती हैं. वह बिजावर से बीजेपी से टिकट मांग रही थीं. 2018 में उनका टिकट काटकर ललिता यादव को बड़ामलहरा से उम्मीदवार बना दिया था. हालांकि, समाजवादी पार्टी बिजावर में मनोज यादव को उम्मीदवार घोषित कर चुकी है. सूत्रों की मानें तो रेखा को समाजवादी पार्टी की ओर से टिकट देने का आश्वासन मिल चुका है. शुजालपुर सीट पर कांग्रेस से टिकट की दावेदारी कर रहे दिग्विजय सिंह के समर्थक योगेंद्र सिंह बंटी भी बगावती मूड में नजर आ रहे हैं. योगेंद्र ने शुक्रवार को नामांकन दाखिल किया है. जावरा सीट पर कांग्रेस ने उम्मीदवार बदला है. यहां हिम्मत श्रीमाल की जगह वीरेंद्र सिंह सोलंकी को टिकट दिया है. जावरा सीट पर कांग्रेस से करणी सेना परिवार के प्रमुख जीवन सिंह शेरपुर टिकट मांग रहे थे. अब उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है. मुरैना जिले की सुमावली सीट से कांग्रेस ने कुलदीप सिकरवार को अपना प्रत्याशी बनाया था, लेकिन बुधवार को जारी लिस्ट में उनकी जगह मौजूदा विधायक अजब सिंह कुशवाह को टिकट दे दिया गया. अब कुलदीप सिकरवार बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे. बसपा ने जारी अपनी लिस्ट में कुलदीप सिकरवार को सुमावली से प्रत्याशी बनाया है. छतरपुर जिले की महाराजपुर सीट से केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र खटीक के सांसद प्रतिनिधि धीरेंद्र नायक टिकट न मिलने से नाराज होकर अलग चुनाव लड़ेंगे. बीजेपी के दूसरे दावेदारों ने बैठक कर धीरेंद्र सिंह को चुनाव लड़ाने का ऐलान किया है. इस सीट पर बीजेपी ने पूर्व मंत्री मानवेंद्र सिंह भंवर राजा के बेटे कामाख्या प्रताप सिंह को उम्मीदवार बनाया है. बुरहानपुर से टिकट नहीं मिलने के बाद पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नंद कुमार सिंह चौहान के बेटे हर्षवर्धन सिंह चौहान ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है. उन्होंने चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया है.

राजस्थान : ईडी वाला दांव किसके पक्ष में गया?

देवेंद्र शास्त्री
वरिष्ठ पत्रकार, जयपुर

इनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) के छापों ने राजस्थान कांग्रेस की गुटबाजी में पैबंद लगाने का काम किया है. असली मकसद तो राजस्थान सरकार की कमजोर कड़ी पेपर लीक के मुद्दे को हाईलाइट करना था, लेकिन पासा लगता है उल्टा पड़ गया है. बेटे वैभव के बहाने खुद अशोक गहलोत व उनकी सरकार, गोविंद डोटासरा के बहाने कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस सरकार को निशाना बनाया गया था. पर लगता है वार खाली गया. कांग्रेस ने काफी समझदारी से मामले को हैंडल किया. युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जयपुर स्थित ईडी के कार्यालय पर ताबड़तोड़ प्रदर्शन शुरू कर दिया. शीर्ष नेताओं ने प्रेस के सामने अपना, राज्य सरकार और पार्टी पक्ष रखा. अशोक गहलोत तो मीडिया के पास आये ही, सचिन पायलट ने भी अशोक गहलोत और सरकार के बचाव में प्रेस कांफ्रेंस कर डाली.

कांग्रेस ने ईडी की इस छापेमारी की हरकत को राजनीति से प्रेरित और अवैध ही नहीं ठहराया बल्कि चुनावी आचार संहिता लागू हो जाने के बाद की गई कार्रवाई को ईडी पर बीजेपी के टूल की तरह काम करने का आरोप भी चस्पा कर दिया. आने वाले दिनों में कांग्रेस ईडी की ज्यादतियों के इस मसले को गांवों तक ले जा कर जनता की सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करेगी. ऐसी चर्चा कांग्रेस के प्रदेश संगठन में गर्म है. कांग्रेस नेतृत्व को लगता है कि ईडी की गिरती साख का वो फायदा उठा सकती है.

अशोक गहलोत के बेटे को नोटिस दिया है ईडी के समक्ष उपस्थित होने का. गोविंद सिंह डोटासरा पर अलग-अलग ठिकानों पर छापे डाले गये. यह बताना सामयिक होगा कि पेपर लीक की ताजा बड़ी घटनाओं के दौरान डोटासरा ही प्रदेश के शिक्षा मंत्री थे. उन पर भी पेपर लीक रैकेट में शामिल लोगों से संपर्क होने के आरोप लगे थे. ईडी ने चुनावी गहमागहमी के बीच कांग्रेस की एक दिखाई दे रही प्रदेश लीडरशिप को तितर-बितर करने और पेपर लीक के मुद्दे को एक बार फिर से जिंदा करने के मकसद से छापे डाले हैं. छापों में क्या मिलता है और ईडी डोटासरा के खिलाफ किस तरह की कार्रवाई करती है, उस पर निर्भर करेगा कि ईडी भाजपा के लिए कितनी कारगर साबित हुई है.

वैसे भी ईडी के पुराने रिकार्ड को देखा जाए तो साफ होता है कि वह अपने मकसद से भटकी हुई है. उसका मूल उद्देश्य इंटरनेशनल स्तर पर ऑपरेट करने वाले ड्रग माफिया के हवाला नेटवर्क को समाप्त करना था, लेकिन वर्तमान सरकार ने ईडी को हर तरह के आर्थिक अपराधों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार दे कर निरंकुश बना दिया है. सुप्रीम कोर्ट तक कई बार नकारात्मक टिप्पणियां कर चुका है, जिससे इस एजेंसी की विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं. राजस्थान में चुनावी खेल के बीच ईडी की आज की कार्रवाई को कांग्रेस फाउल प्ले ठहरा कर रेफरी से न्याय की मांग करने की कोशिश करेगी. अगर कांग्रेस अपने प्रयासों में सफल रहती है, तो ईडी का जनता में विरोध और मुखर हो कर सामने आने लगेगा.

अशोक गहलोत ने कहा कि उनके बेटे को बेवजह फंसाया जा रहा है. लेकिन वे खुद और उनका परिवार ईडी के इन हथकंडों से डरेगा नहीं. सचिन पायलट ने ईडी के छापों की पार्टी की तरफ से निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी केंद्र की भाजपा सरकार की इस गैर कानूनी कार्रवाई का हर स्तर पर पुरजोर विरोध करेगी. उन्होंने कहा कि ईडी का ईस्तेमाल इस बात का स्पष्ट संकेत है कि बीजेपी बाकी के चुनावी राज्यों की तरह राजस्थान में भी हार रही है. भारतीय जनता पार्टी के लिए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में एक मात्र राजस्थान ही ऐसा राज्य है, जहां बीजेपी को सरकार बनने की आशा है. दूसरा बीजेपी यह चुनाव स्थानीय मुद्दों और स्थानीय नेताओं के चेहरे पर नहीं, बल्कि नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़ रही है. यही वजह है कि केंद्रीय एजेंसियों की राजस्थान में सक्रियता और बढ सकती है. सीबीआई, इनकम टैक्स जैसी एजेंसियों की फाइलें भी खुल गई होंगी. आने वाले दिनों में कुछ और नेताओं का नंबर भी आ सकता है. सचिवालय में नकदी और सोना पकड़े जाने की घटना में केंद्रीय एजेंसियों की टांग पहले से फंसी हुई है. हिंदू-मुसलमान करने की बारी भी आ सकती है. क्योंकि बीजेपी के सामने अशोक गहलोत की रेवड़ियों का जवाब देना बहुत बड़ी चुनौती है.

हिमंत बिस्वा को चुनाव आयोग का नोटिस

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने छत्तीसगढ़ में चुनाव प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन के आरोप में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को कारण बताओ नोटिस जारी किया है. कांग्रेस ने विधायक मोहम्मद अकबर के खिलाफ उनके कथित सांप्रदायिक बयान की शिकायत की थी. कांग्रेस ने अपनी शिकायत में यह भी दावा किया कि सरमा ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ धर्मांतरण को लेकर आरोप भी लगाए. चुनाव आयोग ने अपने नोटिस में भाजपा नेता से सोमवार 30 अक्टूबर शाम 5 बजे तक जवाब देने को कहा कि उनके खिलाफ आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के लिए उचित कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिए.

मिजोरम: लालदुहोमा का तीसरा कोण

आइजोल। मिजोरम की 40 सदस्यीय विधानसभा के लिए 7 नवंबर को एक ही चरण में मतदान होना है. 1986 में अपने गठन के बाद से इस उत्तर-पूर्वी राज्य में सत्ता या तो सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) या कांग्रेस के हाथों में रही है.

1993 के बाद से केवल दो मुख्यमंत्रियों - कांग्रेस के ललथनहवला और एमएनएफ के ज़ोरमथांगा ने राज्य का नेतृत्व किया है. हालांकि, इस साल के विधानसभा चुनावों में मिजोरम की राजनीति में एक तीसरी पार्टी, जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) का उदय हुआ है. जेडपीएम ने सभी 40 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं. इसने हमार पीपुल्स कन्वेंशन (एचपीसी) के साथ भी गठबंधन बनाया. एचपीसी ने अपना कोई उम्मीदवार खड़ा किए बिना जेडपीएम को पूर्ण समर्थन देने पर सहमति जाती दी है.

2018 के चुनावों में जेडपीएम के आठ उम्मीदवार निर्दलीय के तौर पर जीते और मिजोरम विधानसभा में दूसरा सबसे बड़ा गुट बनकर उभरे थी. कांग्रेस चार सीटों के साथ तीसरे स्थान रही थी. लालदुहोमा जेडपीएम की स्थापना के बाद 2021 में पार्टी के प्रतीक पर जीतने वाले पहले विधायक बने थे.

71 वर्षीय लालडुहोमा के नेतृत्व में जेडपीएम अपनी बढ़त मजबूत करने में लगी है. 2018 के मिजोरम विधानसभा चुनावों में, लालदुहोमा ने दो सीटों आइजोल पश्चिम-1 और सेरछिप से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और दोनों में जीत हासिल की. उन्होंने सेरछिप सीट से मौजूदा कांग्रेस विधायक और पांच बार के मुख्यमंत्री लाल थनहावला को हराया था.भारतीय पुलिस सेवा रह चुके लालदुहोमा तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सुरक्षा प्रभारी थे. 1984 में सेवा से इस्तीफा देने के बाद, उन्होंने कांग्रेस में शामिल होकर राजनीति में प्रवेश किया और उसी वर्ष बाद में लोकसभा के लिए चुने गए. हालाँकि, कांग्रेस नेतृत्व से अनबन के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया. 2020 में, मिजोरम विधानसभा अध्यक्ष लालरिनलियाना सेलो ने जेडपीएम में शामिल होने के लिए लालदुहोमा को अयोग्य घोषित कर दिया.

2021 में सेरछिप सीट से लालदुहोमा की अयोग्यता के बाद, अप्रैल में उपचुनाव हुआ, जिसमें 83 प्रतिशत मतदान हुआ. सत्तारूढ़ एमएनएफ को सेरछिप विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा, क्योंकि लालदुहोमा ने 8,269 वोट हासिल कर भारी अंतर से सीट बरकरार रखी, जो कुल 16,595 वोटों का 51 प्रतिशत है और उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एमएनएफ के वनलालजॉमा को 3,310 वोटों के अंतर से हराया.

इस साल 29 मार्च को, मिजोरम के दूसरे सबसे बड़े शहर लुंगलेई में नगरपालिका चुनाव में प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ, जहां जेडपीएम ने सभी 11 सीटें जीतीं, पार्टी विधानसभा चुनाव में विजयी होने के लिए पूरी ताकत लगा रही है. इस बार भी लालदुहोमा सेरछिप से चुनाव लड़ रहे हैं और उनका मुकाबला एमएनएफ के नवोदित नेता और वरिष्ठ पत्रकार जे माल्सावमज़ुअल वानचावंग से है, जो उसी निर्वाचन क्षेत्र से हैं, जबकि कांग्रेस ने विधानसभा क्षेत्र से आर वानलालट्लुआंगा को मैदान में उतारा है.

विधानसभा चुनाव- 2018

- **कुल सीट - 40**
- एमएनएफ - 26 सीट, 37.7 % वोट
- जेडपीएम - 8 सीट, 22.90 % वोट
- कांग्रेस - 5 सीट, 29.98 % वोट
- भाजपा - 1 सीट, 0.37 % वोट

कॅरियर-काउंसिलिंग

संगीत की पढ़ाई कर बना सकते हैं अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर रजनीश प्रसाद। संगीत की दुनिया एक मनमोहक दुनिया है, जिसमें आत्माओं को छूने और लाखों लोगों को प्रेरित करने की शक्ति है. जिन छात्रों को संगीत का शौक है और वे इस उद्योग में अपना कॅरियर बनाने पर विचार कर रहे हैं, उनके लिए यह एक रोमांचक लेकिन चुनौतीपूर्ण यात्रा हो सकती है. सही रास्ता चुनने से लेकर उद्योग की गतिशीलता को समझने तक, विचार करने के लिए कई पहलू हैं. इस गाइड में, हम कुछ प्रमुख कारकों का पता लगाएंगे जो छात्रों को संगीत की दुनिया में आगे बढ़ने और उनके भविष्य के बारे में सूचित निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं. संगीत की विभिन्न शैलियों, वाद्ययंत्रों या शैलियों का पता लगाने के लिए समय निकालें और जानें कि वास्तव में आपके साथ क्या मेल खाता है. अपने कौशल को विकसित करने और अनुभव प्राप्त करने के लिए संगीत सीखने या किसी संगीत समूह में शामिल होने पर विचार करें. यह निर्धारित करने के लिए अपनी ताकत और कमजोरियों का आकलन करना भी आवश्यक है कि आप संगीत उद्योग के किस पहलू के लिए सबसे उपयुक्त हैं, जैसे कि प्रदर्शन, रचना, उत्पादन, या संगीत शिक्षा. इस फील्ड में बीए ऑनर्स इन म्यूजिक, बीए ऑनर्स इन क्लासिकल वोकल म्यूजिक, डिप्लोमा इन फोक म्यूजिक, एमए इन म्यूजिक, एमफिल इन म्यूजिक, सर्टिफिकेट कोर्स इन इंस्ट्रूमेंट आदि विभिन्न पाठ्यक्रम हैं. जहां तक इनके लिए निर्धारित शैक्षणिक योग्यता का सवाल है, तो यह पाठ्यक्रम के स्वरूप पर निर्भर करता है. साथ ही संस्थान के स्वरूप से भी इसका निर्धारण होता है. स्कूल स्तर पर संगीत की शिक्षा प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों को संगीत में आगे शिक्षा प्राप्त करना कुछ सुविधाजनक होता है. इस संबंध में विस्तृत जानकारी संस्थानों और उनकी वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है. आजकल ऑनलाइन म्यूजिक बनाने का काम भी होने लगा है, जिसकी ट्रेनिंग किसी संस्थान, विशेषज्ञ या ऑनलाइन ही ली जा सकती है.

क्यों पढ़ें म्यूजिक

01. यह कोर्स म्यूजिक थ्योरी, कल्चरल हिस्ट्री ऑफ म्यूजिक और परफॉरमेंस आर्ट्स पर एक कॉम्प्रिहेंसिव स्टडी है.
02. अधिक इंडिविजुअल डायरेक्शन, कन्टीन्यूएस और कांस्टेंट मल्टी-डिस्कपिलिनेरी परफॉरमेंस, ध्यान केंद्रित करने का अवसर होता है.
03. यदि आप एक प्रोफेशनल म्युजिशियन के रूप में नौकरी की तलाश कर रहे हैं, तो यह आपके लिए सबसे अच्छा कोर्स है.
04. यह आपके मौजूदा स्किल्स का सप्लीमेंट होगा और संगीत के क्षेत्र में आपकी प्रतिभा को निखारने में आपकी मदद करेगा.
05. विशेषज्ञता के बहुत सारे अवसर हैं जो आपकी रुचि के क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने में आपकी सहायता करते हैं.

म्यूजिक की पढ़ाई के लिए भारतीय संस्थान

- कलकत्ता यूनिवर्सिटी, कोलकाता
- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला
- इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ
- बीएचयू, बनारस
- जयप्रकाश विश्वविद्यालय, बिहार
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, हरियाणा
- सरस्वती म्यूजिक कॉलेज, दिल्ली
- लक्ष्मीदेवी ललित कला अकादमी, कानपुर

स्पेशलाइजेशन

- म्यूजिक कम्पोजिशन
- म्यूजिक मैनेजमेंट
- कर्नाटिक म्यूजिक
- हिंदुस्तानी क्लासिकल म्यूजिक
- वोकल म्यूजिक
- इंस्ट्रुमेंटल म्यूजिक

म्यूजिक में कॅरियर

- फिल्म इंडस्ट्री
- मीडिया कम्पनीज
- स्कूल
- कॉलेज
- टूरिंग कम्पनीज
- ऑर्केस्ट्रा
- पर्सनल स्टूडियो
- थिएटर इंडस्ट्री

पीजी कोर्स के लिए एंट्रेस एग्जाम

- **टीआईएसएस नेशनल एंट्रेस टेस्ट**
- पटना महिला कॉलेज बीए/बीएससी एंट्रेस एग्जाम
- **रिजनल इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन कॉमन एंट्रेस एग्जाम**
- नोर्थ महाराष्ट्र विश्वविद्याय एमए एंट्रेस एग्जाम

म्यूजिक के कोर्स

- बीए (ऑनर्स), म्यूजिक
- बीए (विजुअल/आट्र्स / म्यूजिक /डांस एंड ड्रामा)
- बीए, म्यूजिक
- बीए, तबला
- बीएफए, सितार
- सर्टिफिकेट कोर्स इन म्यूजिक
- सर्टिफिकेट कोर्स इन म्यूजिक एंड डांस
- सर्टिफिकेट कोर्स इन म्यूजिक एप्रीसिएशन एंड म्यूजिक
- डिग्री इन म्यूजिक
- डिप्लोमा इन म्यूजिक
- डिप्लोमा इन सितार
- डिप्लोमा इन तबला
- डिप्लोमा प्रोफीसिएंसी कोर्स इन म्यूजिक
- एमए इन म्यूजिक
- एमफिल इन म्यूजिक
- पीएचडी इन म्यूजिक
- यूजी डिप्लोमा कोर्स इन म्यूजिक एंड डांस

पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद म्यूजिक कोर्स
- पीएचडी

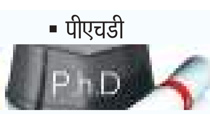

10वीं के बाद म्यूजिक कोर्स

- सर्टिफिकेट इन म्यूजिक
- डिप्लोमा इन म्यूजिक
- सर्टिफिकेट इन इंस्ट्रूमेंट

12वीं के बाद म्यूजिक कोर्स

- बेचलर ऑफ म्यूजिक
- बीए इन म्यूजिक
- म्यूजिक में बीए ऑनर्स
- सास्त्रीय संगीत, क्लाशिक म्यूजिक में बीए ऑनर्स

ग्रेजुएशन के बाद म्यूजिक कोर्स

- मास्टर ऑफ म्यूजिक
- एमए इन म्यूजिक
- एमफिल

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)